news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || गुरुवार || 3 अप्रैल , 2025

वर्ष: 17 || अंक : 104 || पृष्ठ: 12 || मूल्य: 2/-

अंदर पढ़ें » 08 श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन » 07 पेनी स्टॉक ने किया एक महीने में पैसा डबल » 11 चंकी पांडे को बेटी अनन्या पांडे पर है गर्व

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

देशभर में 13,056 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर हुआ अतिक्रमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को राज्यों द्वारा सौंपे गए आंकड़ों के अनुसार 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,000 वर्ग किमी से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है, जो दिल्ली सिक्किम और गोवा के कुल भौगोलिक क्षेत्र से भी ज्यादा है। पिछले सप्ताह एनजीटी को सौंपी गई रिपोर्ट में मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन था। अभी तक 10 राज्यों ने वन अतिक्रमण पर आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। पिछले वर्ष राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने एक खबर पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया था कि भारत में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है। जो दिल्ली के आकार से पांच गुना अधिक है।

14 दिन बाद साहिल को देखते ही रो पड़ी मुस्कान

● जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई मुलाकात,बढ़ी न्यायिक हिरासत

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ के सौरभ हत्याकांड में जेल में बंद साहिल और मुस्कान की बुधवार को 14 दिन बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के समय पेशी के दौरान पहली बार मुलाकात हुई। यह मुलाकात जेल के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में हुई, जहां कोर्ट में उनकी ऑनलाइन पेशी कराई गई। जैसे ही मुस्कान ने साहिल को देखा, वह भावुक हो गई और रो पड़ी। हालांकि जेल प्रशासन ने उन्हें एक-दूसरे से बात नहीं करने दी। साहिल और मुस्कान की

न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया। पहले जज ने मुस्कान और फिर साहिल का नाम पुकारा और उनसे कुछ सवाल किए। इसके बाद अदालत ने दोनों की हिरासत की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी। पेशी खत्म होते ही मुस्कान को महिला बैरक और साहिल को पुरुष बैरक में वापस भेज दिया गया। मेरठ पुलिस ने सौरभ हत्याकांड में चार्जशीट लगभग तैयार कर ली है, जो अगले सप्ताह कोर्ट में पेश की जाएगी। पुलिस की केस डायरी में स्पष्ट किया गया है कि इस हत्याकांड की वजह तंत्र क्रिया नहीं बल्कि साहिल और मुस्कान का प्रेम संबंध था। पुलिस के अनुसार मुस्कान पहले भी दो बार बचपन में सौरभ के साथ भाग चुकी थी लेकिन तीसरी बार भाग कर दोनों ने शादी कर ली थी।

एलओसी पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे

गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने कहा- हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया।

कुणाल कामरा को तीसरा समन,5 अप्रैल को बुलाया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया

कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था एक्स 'एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड'।

पिछले 15 महीने में 'नक्सली' संगठनों ने टेक दिए घुटने

● अमित शाह के नए प्लान से पहले शांति के लिए तैयार ● नक्सली संगठनों का बड़ा दावा-400 साथियों को मारा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे नक्सल विरोधी अभियान के बाद अब माओवादी संगठन शांति वार्ता के लिए तैयार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि इसके लिए एक लेटर जारी किया गया है। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली संगठन केंद्र और राज्य सरकार से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता द्वारा यह लेटर जारी किया गया है। इस लेटर में बताया गया है कि पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रोकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली संगठन द्वारा यह लेटर तेलगु भाषा में जारी किया गया है। लेटर में 28 मार्च 2024 की तारीख लिखी हुई है। बताया जा रहा है तेलंगाना में नक्सली संगठन की एक अहम बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे बढ़ने और बातचीत करने पर सहमति बनी है। नक्सली संगठनों ने लेटर

में कहा है कि युद्धविराम की घोषणा होनी चाहिए। लेटर में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने शांति वार्ता की पहल की थी। नक्सली संगठन द्वारा जारी लेटर में कहा गया है-भाजपा जहां पूंजीवादी और सामंती व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्ष कर रही है, वहीं केंद्र और राज्य सरकारें तथा अन्य दलों की राज्य सरकारें उन जनसंघर्षों को मिटाने के लिए पूर्वी और मध्य भारत में युद्ध कर रही हैं। अगर हमारी पार्टी उत्पीड़ित जातियों की मुक्ति के लिए लड़ रही है, तो केंद्र और राज्य सरकारें उन संघर्षों को दबाने के लिए खुफिया एजेंसियों का उपयोग कर रही हैं।

मंडला में पुलिस और नक्सली मुठभेड़,दो महिला नक्सली ढेर

मंडला (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मंडला जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, इसमें दो महिला नक्सली मारी गई हैं। फिलहाल, इनकी पहचान नहीं की जा सकी है। मुठभेड़ बुधवार सुबह करीब 10 बजे बिछिया थाना क्षेत्र के मुंडिदादर और गन्हेरिदादर के जंगल में हुई। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक

एसएलआर, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट और दैनिक जरूरत का सामान मिला है। सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस के मुताबिक, मारी गई नक्सलियों में से एक छत्तीसगढ़ और दूसरी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की रहने वाली है। दोनों पर 14-14 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इससे पहले 19 फरवरी को बालाघाट के गढ़ी थाना इलाके में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सली मारी गई थी।

लालू की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली ले जाने की तैयारी

● शुगर बढ़ने की खबर

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। ब्लड शुगर बढ़ने की खबर है। ऐसा बताया जा रहा है कि शुगर बढ़ने के चलते एक पुराने जख्म से लालू की तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास पर लालू का इलाज कर रहे डॉक्टर ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। बुधवार यानी आज शाम 4 बजकर 5 मिनट पर एयर इंडिया की फ्लाइट से लालू यादव इलाज के लिए दिल्ली जा सकते हैं। उनके साथ

राजद सुप्रीमो के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी दिल्ली जाएंगे। लालू यादव की बेटी मीसा भारती मंगलवार से दिल्ली में ही हैं। 26 मार्च, यानी 7 दिन पहले ही लालू यादव गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन में शामिल हुए थे। वे तेजस्वी के साथ प्रदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने कहा था- गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतिश कुमार उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है। बीते सालों में लालू प्रसाद यादव के तीन बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं।

भोपाल में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में आतिशबाजी

● मुस्लिम महिलाओं ने 'थैंक्यू मोदी जी' और 'वी सपोर्ट मोदी जी' लिखी तख्तियां लहराईं

भोपाल। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा हो रही है। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए जहां बिल का समर्थन कर रहा है, वहीं कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इसके विरोध में हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में इस बिल के समर्थन में मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। आनंदपुरा और कोकता इलाके में बुर्का

पहनी मुस्लिम महिलाएं हाथों में गुलाब थामे थीं। वे 'थैंक्यू, मोदी जी' और 'वी सपोर्ट मोदी जी' लिखी तख्तियां लिए थीं। भोपाल के हथाई खेड़ा डैम के पास भी जश्न मनाया गया। विधायक मसूद ने कहा, एक बहुत बड़ी समस्या यह है कि कलेक्टर को जिम्मेदार बनाया जा रहा है। वही कलेक्टर जिसने हमारे कब्रिस्तानों को सरकारी घोषित किया हुआ है। हम इसके खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं। हमारे पास 1959 के 41 और 1947 के दस्तावेज हैं, जो यह साबित करते हैं कि यह वक्फ की संपत्ति है, लेकिन कलेक्टर इसे सरकारी संपत्ति बता रहा है।

सेना, रेलवे नहीं, वक्फ बोर्ड के पास सबसे ज्यादा निजी संपत्ति

● रिजिजू ने संसद में आंकड़ों से बताया वक्फ के पास कितनी संपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। वक्फ की संपत्ति पर बोलते हुए रिजिजू ने कहा, वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों करोड़ की संपत्ति है तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना की जमीन पब्लिक प्रॉपर्टी है, जिसका इस्तेमाल देश के लिए होता है। वह किसी की

निजी संपत्ति नहीं है। बता दें कि देश में वक्फ बोर्ड के पास रेलवे और सेना के बाद देश में तीसरी सबसे बड़ी संपत्ति है। वक्फ बोर्ड करीब 8 लाख 70 हजार संपत्तियों को नियंत्रित करता है।

...तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों है- किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत में सबसे अधिक जमीन इंडियन रेलवे के पास है। इसके बाद डिफेंस और तीसरा नंबर वक्फ बोर्ड का आता है। मैं उसे सुधारना चाहता हूं। हजारों किलोमीटर रेलवे ने पटरी लगाया है। वो रेलवे की संपत्ति थोड़े है। देश की संपत्ति है। डिफेंस देश की रक्षा करता है उसकी संपत्ति देश की है। उसकी जमीन देश की है। वक्फ प्रॉपर्टी प्राइवेट प्रॉपटी होती है। दुनिया में सबसे अधिक वक्फ प्रॉपर्टी भारत में है। ऐसा क्यों है। 60 साल तक आप सत्ता में रहे हैं, दुनिया की सबसे अधिक संपत्ति वक्फ के पास है तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों हैं।

जयपुर ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकवादी गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल फरार आतंकी फिरोज खान को रतलाम पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आतंकवादी पर नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने 5 लाख रुपए का इनाम रखा था। दरअसल, 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में 12 किलो आरडीएक्स के साथ तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें जुबेर पिता फकीर मोहम्मद, अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला थे। यह सभी जयपुर में सीरियल ब्लास्ट के लिए कार से आरडीएक्स ले जा रहे थे। इन्होंने साजिश में शामिल 11 आतंकियों के नाम बताए थे। फरार आतंकी फिरोज की तलाश के लिए पूर्व में कई बार एनआईए रतलाम में दबिश दे चुकी थी। मंगलवार (1 अप्रैल) रात को रतलाम एसपी अमित इनपुट मिला था।

यूपी के 50 जिलों में फ्लैग-मार्च पुलिस की छुट्टियां भी कैंसिल

● वक्फ बिल पर इमरान मसूद बोले-मैं भी राम का वंशज,ट्रस्ट में शामिल कराइए

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश होने के बाद यूपी के 50 से ज्यादा शहरों में पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है।

कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और संभल में प्रशासन अलर्ट पर है। संसद के बाहर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- भाजपा ने रेलवे को बेचा, डिफेंस की जमीन बेची और अब वक्फ की जमीनें बेची जाएंगी। उन्होंने कहा- जिन लोगों के लिए यह बिल लाया जा रहा, उनकी ही बातों को अहमियत ना देना, इससे बड़ी नाइंसाफी क्या होगी।

सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि मैं भी राम का वंशज हूं। मुझे भी राम मंदिर ट्रस्ट में शामिल करवा दें। 78 फीसदी वक्फ की संपत्ति विवादास्पद घोषित कर देना पूरी तरह से गलत है। वहीं, इससे पहले यूपी सरकार ने पुलिस की छुट्टियां कैंसिल कर दी है। जिन पुलिसकर्मियों की छुट्टियां मंजूर थीं, वो भी रद्द हैं।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में एक परिवार के 11 लोगों की मौत

● मां बोली-बेटे की तेरहवीं के लिए कमाने गुजरात गए थे,लेकिन सब खत्म हो गया

हरदा (एजेंसी)। होली पर बेटे सत्यनारायण का निधन हो गया था। उसकी तेरहवीं करने के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए पोते समेत परिवार के 11 लोग काम करने गुजरात गए थे। वहां से काम करके लौटते तो बेटे की तेरहवीं करती, लेकिन उसके पहले ही पूरा परिवार खत्म हो गया। गुजरात से पता चला है कि हमारे घर के जो भी लोग काम करने गए थे, सभी शांत हो गए हैं। इसमें बेटा-बेटी, पोते-पोतियां, भांजे-भांजियां भी शामिल हैं। ये दर्द है गीताबाई का। हरदा के हंडिया की रहने वाली गीताबाई के तीन पोते समेत परिवार के 11 लोग गुजरात के बनासकांठा के पास डीसा में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर में

विस्फोट में इन्होंने अपनी जान गंवा दी। इनमें विष्णु (22), राजेश (25) और बिट्टू (15) तीन सगे भाई थे। इस हादसे में अब तक 20 शव बरामद हुए हैं। इनमें से 18 की पहचान हो गई है।

इनमें से 8 शव हरदा के परिवार के जबकि 10 देवास जिले के हैं। दो शव ज्यादा जिले हैं जिनकी पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। माना जा रहा है कि ये हरदा के ही हैं। पहले इसे हादसे में 21 मजदूरों की मौत की बात सामने आई थी। 8 मजदूरों का इलाज चल रहा है। इनमें 3 की हालत गंभीर है। हरदा परिवार का एक सदस्य लापता है। जिस समय हादसा हुआ, उस दौरान मजदूर पटाखा बनाने का काम कर रहे थे।

परिजन बोले-

अच्छी मजदूरी की उम्मीद में गए थे गुजरात- हादसे में घायल विजय के भाई वीरेंद्र काजवे ने बताया कि कोलीपुरा टप्पर में रहने वाली लक्ष्मीबाई सभी को घर लेने आई थी। इसके बाद सभी गुजरात काम करने गए थे। वह पहले भी कोलीपुरा में पटाखा फैक्ट्री में मजदूरी करता था। हरदा में पटाखा फैक्ट्री में ब्लॉस्ट के बाद जिले की सभी फैक्ट्रियां बंद हो गई थीं। कुछ दिनों पहले लक्ष्मी बाई उन्हें अच्छी मजदूरी मिलने की बात कहकर अपने साथ गुजरात ले गई थी। भाई गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका गुजरात के अस्पताल में उपचार जारी है।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने की खुदकुशी

- मोबाइल फोन पर वीडियो बनाकर डाला और फांसी के फंदे से लटक गया
- पुलिस तहकीकात करने में लगी
- फॉरेंसिक लैब भेजा गया मोबाइल फोन
- गुडम्बा इलाके की घटना
- पत्नी गाजियाबाद में करती है नौकरी, होली पर आयी थी लखनऊ

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गुडंबा कोतवाली क्षेत्र के जानकीपुरम सेक्टर-जे में पत्नी से विवाद के बाद युवक खुदकुशी करने की बात कहकर वीडियो बनाई फिर फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकीपुरम सेक्टर-जे निवासी सोनू कश्यप (34) अपनी ससुराल के पास किराए के मकान में रहकर मजदूरी करता था। पत्नी चांदनी गाजियाबाद में घरों में काम करती है। इंस्पेक्टर प्रभातेश श्रीवास्तव ने बताया कि सोनू की पत्नी होली पर आई थी। सोमवार रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बात बढ़ने पर सोनू ने पत्नी को पीट दिया था। इसके बाद सोनू घर से चला गया था। मंगलवार रात करीब 10बजे उसने फैजुल्लागंज में रहने वाले साढ़ू के बेटे सौरभ के व्हाट्सएप नंबर पर वीडियो भेजा। वीडियो में कहा कि वह फंदा लगाने जा रहा है। सौरभ की सूचना पर जबतक घरवाले कमरे में पहुंचे सोनू फांसी के फंदे से लटक चुका था। परिजन उसे इलाज के लिए आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि सोनू का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने की खुदकुशी, प्रताड़ना का आरोप, हंगामा, प्रदर्शन

लखनऊ। एक अन्य मामलें में प्रताड़ना का आरोप लगाकर युवक ने खुदकुशी कर ली। हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया है। इससे गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा किया और प्रदर्शन भी किया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की बात कहकर लोगों को शांत कराया। बताया जा रहा है कि महेश नामक युवक एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के यहां नौकरी करता था। मृतक के परिजनों ने कहा है कि प्रताड़ना से तंग आकर महेश ने सुसाइड किया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों की माने तो सुसाइड करने से पहले वीडियो बनाकर जारी किया था अपनी व्यथा, जिसे छुपाया जा रहा है।मृतक के परिजनों ने उसके मालिक पर लगाया मारपीट कर प्रताड़ना का आरोप। आरोप है कि चोरी का आरोप लगाया गया था और अलीगंज पुलिस ने उसे थाने में जबरन बैठाया था और उसके साथ ज्यादती की गई। हजरतगंज कोतवाली में मृतक के परिजनों ने तहरीर दी है। सड़क पर शव रखकर परिजनों ने किया हंगामा, प्रदर्शन। पुलिस ने परिजनों को बताया एफआईआर दर्ज होगी इसके बाद परिजन हुए शांत।

युवक का पेड़ में लटका मिला शव, हत्या की आशंका

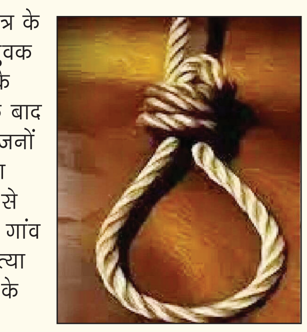

लखनऊ। नगराम कोतवाली क्षेत्र के पालखेड़ा गांव में बुधवार को युवक का शव नीम के पेड में फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों हत्या कर शव लटकाए जाने का आरोप लगाकर पेड़ से उतारने से मना कर दिया। मृतक के पिता गांव के ही पांच लोगों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया हैं। नगराम के पतौना मजरा पाल खेड़ा गांव निवासी रामकिशोर रावत के मुताबिक बेटा मंगलवार शाम करीब पांच बजे बेटा सूरज (21) घर से बिना बताए निकला था। रात को वहू घर नहीं लौटा, तो परिजनों काफी तलाश किया। बुधवार सुबह सूरज के शव गांव के बाहर नीम के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। पिता ने बेटे गांव के ही पांच लोगों पर बेटे के हत्या की आशंका जताकर शव को उतारने से मना कर दिया। बताया जा रहा है कि सूरज का गांव की ही एक लडकी से प्रेम प्रसंग था। परिजनों के विरोध की जानकारी मिलने के बाद मोहनलालगंज एसीपी रजनीश वर्मा ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और कार्रवाई की भरोसा दिया, जिसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी नगराम विवेक कुमार चौधरी का कहना है कि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिवार में चार बहनें व भाई प्रियांशु (18), मां राजरानी है।

तैयारी: सड़क पर धड़ल्ले से दौड़ रहे ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा पर कसेगा शिकंजा

- लखनऊ कमिश्नरेट ने चलाया चेकिंग अभियान
- महिलाओं एवं अन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए की पहल

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित यूपी के अलग-अलग जिलों में बहू बेटियों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। महिलाओं एवं लड़कियों की सुरक्षा के लिए खास पहल शुरू की गई है। पुलिस की यह पहल सुकून देने वाली है। बीते साल और हाल में राजधानी लखनऊ में आटो रिक्शा चालकों के हाथों युवती व महिला की हुई हत्या को लेकर खौफजदा और सहमे रहने वाली महिलाओं एवं लड़कियों को अब निजात मिलेगी। कुछ मामलों में दुष्कर्म के प्रयास किए गए। मार्च महीने में पारा कोतवाली क्षेत्र में स्थित बुद्धेश्वर चौराहे के पास ऑटो रिक्शा चालक ने महिला सवारी के साथ छेड़खानी की थी। लखनऊ पुलिस ऐसे ऑटो रिक्शा चालकों की अपराधियों की कुंडली तैयार कर रही है। राजधानी लखनऊ में बीते वर्षों से लेकर अब तक कई महिलाओं एवं लड़कियों के साथ हुई घटनाओं को लेकर आटो रिक्शा व ई-रिक्शा चालकों की कुंडली बनाने का काम राजधानी लखनऊ सहित यूपी के सभी थानों में होगा। अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने तथा उनकी धर-पकड़ के लिए धड़ल्ले से चल रहे। ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा चालकों की सूची तैयार करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। आटो रिक्शा व ई-रिक्शा चालकों यूनिक कोड दिया जाएगा, ताकि एक क्लिक पर इनका पूरा ब्यौरा सामने आ जाएगा।

बिना अनुमति रील बनाने व यातायात बधित करने पर डुप्लीकेट 'सलमान खान' गिरफ्तार

लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर कर रहा था हंगामा

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बिना वैध अनुमति के रील बनाने पर और यातायात व्यवस्था को बाधित करने के आरोप में ठाकुरगंज पुलिस ने डुप्लीकेट बॉलीवुड अभिनेता 'सलमान खान' को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि ठाकुरगंज पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्लोब कैफे, घण्टाघर क्लाक टावर के सामनें, एक व्यक्ति जो नकली बॉलीवुड अभिनेता 'सलमान खान' बनकर अपनी रील बनाने को लेकर लोगों से विवाद कर रहा और सडक पर जाम लगा रखा है। इस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आजम अली अंसारी पुत्र नौशाद अली अंसारी निवासी कटरा बेग, चौपटिया सादतगंज जो खुद अपने आप को सलमान खान बताकर ग्लोब कैफे, घण्टाघर जैसे संवेदनशील स्थान पर बिना किसी वैध अनुमति के अपने आप को 'सलमान खान' बताकर लाईसेंसी रिवाल्वर के साथ अपनी रील बनाने को लेकर सडक पर जाम लगा दिया था और जनता के लोगों से उग्र होकर विवाद कर रहा था। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया किन्तु वह कुछ भी समझने को तैयार नहीं था। जिस पर पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में उसकी लाईसेंसी रिवाल्वर जब्त कर मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

ई रिक्शा चालकों में अभियान से दहशत

आज 1007 ई-रिक्शा सीज, 3093 का चालान

क्या कहते हैं आरटीओ प्रवर्तन

लखनऊ के आरटीओ (प्रवर्तन) संदीप कुमार पंकज ने बताया कि लगातार अनाधिकृत ई रिक्शा चालकों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। लखनऊ की प्रवर्तन टीम के अधिकारी सड़कों पर उतरकर ऐसे ई रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। बुधवार को शहर के विभिन्न इलाकों में यात्री कर अधिकारी अनीता वर्मा, एसपी देव, मनोज भारद्वाज और यात्री कर अधिकारी आभा त्रिपाठी ने कई ई रिक्शा चालको के चालान काटे।

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश के बाद अनधिकृत ई रिक्शा संचालन के खिलाफ प्रदेश भर में वृहद चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एक अप्रैल से शुरू हुआ ये अभियान 30 अप्रैल तक यानी पूरे एक माह तक चलाया जाएगा। ई-रिक्शा के खिलाफ चल रहे अभियान में बुधवार को कुल 1007 ई-रिक्शा सीज किए गए और 3093 ई-रिक्शा का चालान किया गया। इस चेकिंग अभियान से अब अनाधिकृत ई रिक्शा संचालित कर रहे चालकों में दहशत पैदा होने लगी है। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री ने कहा कि व्यापक जनहित और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं व आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के साथ ही शहरों में बढ़ते ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए अनधिकृत ई-रिक्शा संचालन के खिलाफ पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। इससे शहरों में मोबिलिटी भी बढ़ेगी। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि बुधवार को प्रवर्तन दल ने कार्रवाई की। लखनऊ संभाग में कुल 377, गाजियाबाद संभाग में 257, आगरा संभाग में 444, झांसी संभाग में 216, वाराणसी संभाग में 161, कानपुर संभाग में 277, अयोध्या संभाग में 135, अलीगढ़ संभाग में 140, मुरादाबाद संभाग में 120 ई रिक्शा का चालान और सीज करने की कार्रवाई की गई।

गर्मी में यात्रियों को नहीं खरीदना होगा महंगा पानी, आईआरसीटीसी ने बनाई ऐसी योजना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गर्मी के मौसम में ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों को इस बार महंगा पानी खरीदना नहीं पड़ेगा। आईआरसीटीसी ने सर्दी के मौसम में एक्स्ट्रा उत्पादन कर गर्मी में ट्रेनों में रेल नीर की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना पर काम किया है। उत्तर प्रदेश में आईआरसीटीसी की रेल नीर की दो वॉटर प्रोडक्शन हाउस हैं। एक हापुड़ में दूसरी अमेठी के जगदीशपुर में। दोनों की क्षमता प्रतिदिन एक लाख 72 हजार लीटर की है, पर खपत इससे कहीं ज्यादा है। आईआरसीटीसी के चीफ रीजनल मैनेजर अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इससे निपटने के लिए इस बार आईआरसीटीसी ने सर्दी के मौसम में लीन पीरियड में सरप्लस उत्पादन किया है। उसको अब गर्मी में कंज्यूम किया जाएगा। लखनऊ में रोजाना 40 हजार लीटर से लेकर 45 हजार लीटर पानी कंज्यूम होता है। सामान्य दिनों में 18 से 20 हजार लीटर का की खपत है। इस बार सरप्लस स्टॉक से गर्मी में यात्रियों की पानी की कमी को पूरा किया जाएगा।

लखनऊ में होती है पानी की जबरदस्त खपत

लखनऊ की बात करें तो यहां पर हर रोज गर्मी में लगभग 40 से 45 हजार लीटर के आसपास पानी की खपत प्रतिदिन होती है, जबकि आम दिनों में यह खपत लगभग साढ़े 14 हजार लीटर रहती है। लखनऊ से लगभग 280 ट्रेनें आवागमन करती हैं। सवा दो लाख के लगभग यात्री सफर करते हैं। पानी की डिमांड गर्मी के दिनों में इसीलिए खूब बढ़ जाती है।

उपलब्धता कम, खपत ज्यादा

सर्दी की तुलना में गर्मी के दिनों में ट्रेन से सफर के दौरान पानी की खपत ज्यादा बढ़ जाती है। यात्री जब ट्रेन में सफर करते हैं तो प्यास लगना भी लाजमी है। यात्रियों की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी रु.15 की रेल नीर की सस्ती बोतल उपलब्ध कराता है, जबकि यही एक लीटर की अन्य कंपनियों की बोतल रु.20 की होती है। यानी रेल नीर की बोतल खरीदने पर सीधे तौर पर यात्री का रु.5 बचता है। ट्रेन में रेल नीर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी की ही है। गर्मियों में जब पानी की मांग बढ़ती है तो आईआरसीटीसी पर रेल नीर उपलब्ध कराने का दबाव भी बढ़ता है। जहां सर्दियों में खपत कम होती है, वहीं गर्मियों में यह खपत तीन से चार गुना तक बढ़ती है, जबकि आईआरसीटीसी के हापुड़ और अमेठी में जो दो वाटर प्रोडक्शन हैं उनकी हर रोज की क्षमता सिर्फ एक लाख 72 हजार लीटर पानी की है। खपत की बात की जाए तो सिर्फ लखनऊ में ही हर दिन करीब 40 से 45 हजार लीटर पानी की डिमांड ट्रेनों में सफर के दौरान यात्रियों की तरफ से होती है।

क्या कहते हैं आईआरसीटीसी के चीफ रीजनल मैनेजर

आईआरसीटीसी के चीफ रीजनल मैनेजर अजीत कुमार सिन्हा का कहना है कि गर्मी में पीने के पानी की मांग में बढ़ोतरी हो जाती है। इसे लेकर पहले से ही आईआरसीटीसी ने प्लान बनाते हुए अपने प्लांट में गर्मी के साथ साथ सर्दी में भी लगातार उत्पादन जारी रखा। उनका कहना है कि गर्मी में पीक डिमांड होती है तो पहले से ही रेल नीर की बोतलें वेयरहाउस में स्टोर कर दी जाती हैं जिससे आपूर्ति की समस्या न हो। हापुड़ से एक लाख लीटर तो अमेठी से 72 हजार लीटर के करीब पानी रोजाना उत्पादित किया गया। जो इस गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाएगा।

गर्मी के लिए विशेष तैयारी

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा प्रचंड गर्मी में ट्रेनों में रेल नीर की सप्लाई के प्लान के बारे में बताया कि सर्दियों में जब ट्रेनों में पानी की मांग काफी कम हो जाती है तो इस दौरान आईआरसीटीसी योजनाबद्ध तरीके से काम करता है। सर्दियों में वाटर प्रोडक्शन हाउस को बंद नहीं किया जाता है बल्कि हर रोज वाटर प्रोडक्शन जारी रखा जाता है। इस बार भी एक लाख 72 हजार लीटर क्षमता से पानी की बोतल का प्रोडक्शन रोजाना ही जारी रहा। उनका कहना है कि गर्मियों के लिए पहले से ही आईआरसीटीसी ने जो वेयरहाउस ले रखे हैं, उनमें पानी की बोतलें स्टोर कर दी हैं। कई रेलवे स्टेशन हैं जिनके आसपास आईआरसीटीसी ने वेयर हाउस किराए पर ले रखा है, वहीं से ट्रेनों में रेल नीर की आपूर्ति हो जाती है। ट्रेनों में गर्मी के दौरान तीन से चार गुना पानी की सप्लाई करनी पड़ती है तो ऐसे में ठंड में स्टोर किया गया पानी ही गर्मी में काम आता है।

बस स्टेशन परिसर के अंदर सवारी भरती रही प्राइवेट बस, सोते रहे रोडवेज के अधिकारी, कर्मचारी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। पिछले माह विधानसभा सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी की बागी विधायक पल्लवी पटेल ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से सवाल किया था कि प्रदेश में खूब डग्गेमारी हो रही है सरकार इस डग्गेमारी पर नियंत्रण कैसे स्थापित कर रही है? तब बुलंद आवाज में परिवहन मंत्री ने जवाब दिया था कि आपको डग्गामार की परिभाषा भी मालूम है? प्रदेश में एक डग्गामार बस नहीं चल रही है। उस समय तो परिवहन मंत्री ने सदन के अंदर ऐसा बयान देकर वाहवाही तो लूट ली, लेकिन हकीकत यही है कि डग्गामारी तो भरपूर हो रही है, वह भी रोडवेज अधिकारियों और कर्मचारियों की नाक के नीचे। इसके लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के पीपीपी मॉडल पर बने पहले बस स्टेशन आलमबाग तक ही जाना होगा। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें साफ तौर पर नजर आ रहा है कि आलमबाग बस स्टेशन परिसर के अंदर वकायदा रोडवेज बसों के बीच एक प्राइवेट बस सवारिया बैठ रही है प्राइवेट बस सवारी भर रही है और स्टेशन के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी सो रहे हैं फिलहाल इस वीडियो ने परिवहन मंत्री के उसे बयान पर भी प्रश्न चिन्ह लगा दिया है और रोडवेज अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो बीती 22 मार्च रात 8:36 का बताया जा रहा है। उस समय बस स्टेशन पर आशीष सिंह और वसीम सिद्दीकी की ड्यूटी थी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होना लाजमी है कि जब बस स्टेशन पर दिन-रात अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है तो फिर बस स्टेशन परिसर के अंदर ही प्राइवेट बसों के सवारी भरने से मना क्यों नहीं किया जा रहा है? क्यों उसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से नहीं की जा रही है। अब यह वायरल वीडियो परिवहन निगम में चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल, अब परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने इस वीडियो को संज्ञान में लेते हुए मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं और दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही है। आलमबाग बस स्टेशन परिसर के अंदर जाकर प्राइवेट बस के सवारी भरने का वीडियो वायरल हुआ है तो लखनऊ का ही अवध बस स्टेशन भी इससे बिल्कुल अछूता नहीं है। यहां पर बस स्टेशन के ठीक सामने ही बड़ी-बड़ी लग्जरी बसें लगती हैं और यहीं से सवारियां भरती हैं। इन पर कार्रवाई करने की रोडवेज के अधिकारी जहमत तक नहीं उठाते हैं। यही बसें परिवहन निगम को हर माह लाखों करोड़ों की चपत लगा रही हैं।

क्या कहते हैं एमडी रोडवेज

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर का कहना है कि बस स्टेशन परिसर के अंदर एक प्राइवेट बस के सवारी भरने वाले मामले की जांच कराई जाएगी। जो भी जिम्मेदार होंगे उन पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

पटरी पर लौटीं लखनऊ मंडल की आठ ट्रेनें, यात्रियों को मिली राहत

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के लखनऊ-कानपुर रेलखण्ड पर स्थित गंगा ब्रिज के मेंटेनेंस का समय एक घंटा कम कर दिया गया है। इससे लखनऊ मंडल की आठ ट्रेनें बहाल हो गई हैं। काम को और गति दी जा रही है, इससे मरम्मत कार्य तय समय से पहले पूरा कर लिया जाएगा। जब काम की गति तेज होगी तो कई अन्य ट्रेनों के बहाल होने का रास्ता साफ होगा। उत्तर रेलवे के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने बुधवार को हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि लखनऊ कानपुर रेलखंड पर गंगा ब्रिज की मरम्मत 29 साल बाद हो रही है। यह काम 42 दिनों तक चलना है। इस दौरान 74 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो रहा था, लेकिन काम की स्पीड तेज होने के कारण मरम्मत के समय को कम कर दिया गया है। पहले यह रोजाना नौ घंटे हो रहा था, जिसे घटाकर अब आठ घंटे कर दिया गया है। इससे शताब्दी, कानपुर मेमू समेत आठ ट्रेनों का ऑपरेशन बहाल कर दिया गया है। मरम्मत के कार्य को अभी और तेज की जाएगी। इससे आठ से 10 ट्रेनों का संचालन और सामान्य हो सकेगा और यात्रियों को राहत मिलेगी।

कॉशन घटेंगे, 160 किमी प्रति घंटे होगी रफ्तार

डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि लखनऊ कानपुर रेलखंड की स्पीड 160 किमी प्रति घंटे तक हो सकेगी। कानपुर तक अभी तीन कॉशन हैं, जहां ट्रेनों की स्पीड कम करनी पड़ती है। इन्हें घटाया जा रहा है। ट्रैक स्पीड बढ़ने से हाईस्पीड ट्रेनों के संचालन का रास्ता साफ हो जाएगा। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक दौड़ सकेंगी।

परिवहन मंत्री ने लांच की रोडवेज की स्मार्ट एमएसटी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की सिटी बसों की ही तरह अब उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की रोडवेज बसों में भी एमएसटी कार्ड बनेंगे। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बुधवार को स्मार्ट कार्ड एमएसटी की सुविधा का शुभारंभ किया। परिवहन निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान परिवहन मंत्री ने महाकुंभ समेत सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को भी गिनाया। इस मौके पर यूपीएसआरटीसी के एमडी मासूम अली सरवर के साथ ही रोडवेज तमाम अधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने आम यात्रियों और छात्रों के लिए अलग-अलग एमएसटी कार्ड जारी किए हैं। इसमें छात्र एमएसटी कार्ड पर 25 यात्राओं का किराया लिया जाएगा। अधिकतम 60 किलोमीटर की दूरी तय की जा सकेगी। महीने में 60 यात्राओं की अनुमति होगी। इसके लिए छात्र पहचान पत्र अनिवार्य होगा। सामान्य एमएसटी में 36 यात्राओं का किराया लिया जाएगा। अधिकतम 100 किलोमीटर की यात्रा की जा सकेगी। महीने में 60 यात्राओं की अनुमति होगी। पास जारी करते समय 50 रुपये जमा करना होगा। इन एमएसटी से सामान्य यात्राओं की तुलना में करीब 40 फीसदी तक की बचत होगी। स्मार्ट कार्ड एमएसटी किसी भी बस स्टेशन पर बनवाई जा सकेगी।

गिनाई सरकार की उपलब्धिया

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि 2025-26 के बजट में 700 करोड़ रुपये परिवहन निगम को मिले हैं।150 करोड़ रुपये से बस स्टेशनों और डिपो को आधुनिक बनाया जाएगा। 400 करोड़ रुपये से बस बेड़ा अपग्रेड होगा। 100 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री ग्राम जोड़ो योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। 50 करोड़ रुपये से चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके पहले भी परिवहन निगम को वित्तीय सहयोग दिया जा चुका है। राजधानी बसों समेत कई सेवाओं को शुरू किया गया। महाकुंभ मेला के दौरान 8500 बसों का संचालन किया गया। प्रयागराज नगर में 500 बसें चलाई गईं। अस्थाई बस स्टेशन बनाकर यात्रियों को सफल यात्राएं कराई गईं। खास बात ये रही कि इतने विशाल आयोजन में रोडवेज बसों से एक भी दुर्घटना नहीं हुई।

ये भी किया साझा

- महिला सशक्तिकरण की दिशा में यूपी ग्रामीण आजिविका मिशन के साथ एमओयू, महिला चालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा
- 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्रा की तैयारी, अनुपूरक बजट मिला, एसओपी तैयार की जा रही है
- रक्षाबंधन पर महिलाओं को निशुल्क यात्राएं कराई गई, लाखों महिलाओं ने लाभ लिया
- सुरक्षा के लिहाज से बसों में पैनिक बटन, वीएलटीडी और एंटी स्लीप डिवाइस लग रहीं हैं
- 202 बस स्टेशनों पर दिव्यांगों के लिए सुविधाओं को अपग्रेड किया गया।
- दुर्घटना के बाद मिलने वाली मुआवजा राशि को बढ़ाया गया
- कर्मचारियों के लिए बीमा कवर के लिए एमओयू
- रोड सेफ्टी और फ्यूल एफिशिएंसी के लिए अवॉर्ड मिला
- निर्भया फंड के अंतर्गत 50 पिंक सेवाएं चलाई गईं
- प्रदेश के 50 प्रमुख बस स्टेशनों पर शिशु देखभाल कक्ष बनाया गया
- परिवहन निगम व कौशल विकास मिशन के संयुक्त प्रयास से 17 महिला चालकों को प्रशिक्षण देकर बस संचालन में लगाया
- महिला परिचालकों की नियुक्ति

अलर्ट: वक्फ संसोधन बिल को लेकर राजधानी पुलिस थी 'अलर्ट-मोड' पर

» पुलिस बल तैनात किए गए थे, किया फ्लैग मार्च
» सभी थाना क्षेत्रों में चला चेकिंग अभियान

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। काफी दिनों से वक्फ संसोधन को लेकर चल रही बहस का मंगलवार को अंतिम दिन था। इस दौरान पक्ष-विपक्ष के बीच खूब जुबानी जंग देखने व सुनने को मिली। यह दिन रोज की तरह सी नहीं दिख रही थी। आंख खोलते ही राजधानी ने अपने रास्तों पर अजीब सी कसमसाहट और बेचैनी महसूस की। बाजार और दफ्तर कहने को खुले थे, लेकिन चहल-पहल रोज के मुकाबले खासी फीकी थी। ऐसा हम नहीं कह रहे, लोगों का कहना था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि आला अधिकारियों ने उन्हें अलर्ट रहने के लिए कहा है और चेकिंग का आदेश दिया गया है। मंगलवार को वक्फ संसोधन बिल पास होने की सुगबुगाहट शुरू होते ही सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस के आलाधिकारी और कर्मचारी सड़क पर उतर आए। अफसरों ने सुरक्षा के मद्देनजर राजधानी के अलावा करीब सभी राज्यों में हाईअलर्ट जारी कर दिया था। कदम-कदम पर चेकिंग, चारों ओर अर्धसैनिक बल और पुलिस के मुस्तैद जवान दिखे। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने जनता में विश्वास डालने के लिए भारी पुलिस फोर्स के साथ फ्लैग मार्च भी किया। 'आम' दिनों में यहां रहने वाली चहल-पहल मंगलवार को देखने को नहीं मिली। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे ही पक्ष-विपक्ष के सांसदों एवं सदस्यों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुरक्षा के मद्देनजर संसद भवन के आसपास बैरिकेडिंग लगी थी और वहां पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इसी को लेकर लखनऊ में भी पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया था। पश्चिमी जोन में संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने पैदल-मार्च किया। वहीं मध्य जोन, दक्षिण जोन, उत्तरी जोन, पूर्वी जोन में भी भारी पुलिस फोर्स के साथ फ्लैग मार्च व फूटपेट्रोलिंग की गई।

वक्फ बिल को लेकर राजधानी पुलिस एलर्ट

वक्फ बिल को लेकर राजधानी पुलिस एलर्ट। चप्पे चप्पे पर पुलिस की रही निगरानी। बताया गया है कि पुलिस को अलर्ट जारी कर स्थानीय पुलिस, पीएसी, एसएसबी के जवानों के साथ फ्लैग मार्च किए। पुराने लखनऊ ठाकुरगंज, चौक, नक्खास के इलाके में विशेष निगरानी रखी गई थी। ड्रोन कमरों से भी नजर रखी गई।

आला अधिकारी सड़कों पर रहे मौजूद

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव, एडीसीपी पश्चिम धनंजय सिंह कुशवाहा, डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव, एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह, डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल, डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह, डीसीपी उत्तरी समेत पुलिस फोर्स फ्लैग मार्च में शामिल हुए। पश्चिमी जोन में रूमी गेट से शुरू हुआ फ्लैग मार्च। यहां छोटा इमामबाड़ा, घंटाघर,जामा मस्जिद, टीले वाली मस्जिद, नदवा कॉलेज इलाको में की गई फुट पेट्रोलिंग।

बैंक से गायब लाखों रुपए के जेवरात न मिलने से परेशान वृद्ध ने की खुदकुशी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। चिनहट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आनंद लोक कॉलोनी निवासी बुजुर्ग ने बीते मंगलवार को घर में फंदा लगाकर जान दे दी। बैंक में रखे लाखों रुपए के जेवर गायब हो गए थे। इसी से आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया। ऐसा मृतक के परिजनों का कहना था। हालांकि पुलिस इस मामलें में जांच-पड़ताल करने में लगी हुई है। बताया जा रहा है कि चिनहट कोतवाली क्षेत्र में स्थित मटियारी में इंडियन ओवरसीज बैंक से मृतक का लॉकर भी चोरी हुआ था, जिसमें 26 लाख रुपये के जेवर थे। परिवारीजनों का आरोप है कि उन्होंने लॉकर के जेवरात न मिलने से क्षुब्ध होकर जान दे दी। वहीं, साल 2020 में उनकी पत्नी की मौत हो गई थी, जिसके बाद वह परेशान रहते थे। इस बारे में पुलिस का कहना है कि छानबीन की जा रही है। बीते साल 21 दिसंबर को मटियारी पुलिस चौकी से कुठ दूर चोरों ने इंडियन ओवरसीज बैंक के 42 लॉकर काट लिए थे। पुलिस अब तक करीब इन लॉकरों में रखा 6 किलो सोना, 14 किलो चांदी और 13 लाख रुपये नकद बरामद कर चुकी है। इसमें लॉकर नंबर 57 आनंद लोक कॉलोनी इलाके निवासी कुलदीप राज (73) का था। वह एचएएल से रिटायर्ड थे। एचएएल में कार्यरत उनके बेटे विकास ने बताया कि लॉकर में करीब 26 लाख रुपये की जूलरी थी। विकास ने बताया कि वह मंगलवार को ड्यूटी पर गए थे। शाम 5:30 बजे घर पहुंचे तो लॉबी में पिता का शव पंखे से फंदे के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची चिनहट पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इस मामलें में विकास ने बताया कि साल 2020 में उनकी मां की मौत हो गई थी। इसके बाद से पिता कुलदीप राज परेशान रहने लगे थे। इसी बीच आईओबी के लॉकर से 26 लाख रुपये के जेवर चोरी हो गए तो वह और परेशान रहने लगे। उन्होंने जेवर पाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। विकास का कहना है कि जेवर न मिलने सेक्षुब्ध होकर पिता कुलदीप ने जान दे दी।

जमीनी विवाद में महिला का सिर फोड़ा लहूलुहान

» बंथरा इलाके की घटना
» मुकदमा दर्ज, जांच-पड़ताल शुरू

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बंथरा के लतीफनगर निवासी बुजुर्ग विधवा शिव देवी ने परिवार के ही गुड्डू और शनि के खिलाफ गाली-गलौज, सिर पर फावड़े से हमला और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा लतीफ़नगर निवासी विधवा महिला शिवदेवी का कहना है कि बीते 31मार्च की शाम करीब 6बजे वह अपने दरवाजे पर थी। तभी वहां पहुंचे गुड्डू और उसका बेटा सनी खेत बेचने की बात कहते हुए उससे रुपए मांगते हुए घर के सामने डाली गई मिट्टी को लेकर गाली-गलौज करने लगे। शिवदेवी का आरोप है कि वह जब तक कुछ समझ पाती तब तक गुड्डू ने उसके सिर पर फावड़े से हमला कर दिया। जिससे वह जमीन पर गिर पड़ी और सिर से खून बहने लगा। लहूलुहान हालात में देख ग्रामीण दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए। पीड़िता का कहना है कि उसने देखभाल के लिए अपनी बहन की बेटी को घर में रखा है। आरोपी उससे और बहन की बेटी से आए दिन गाली-गलौज करते हैं। फिलहाल बंथरा पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

समक्ष पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय उ0प्र0 23 ए0पी0सेन रोड, लखनऊ।

संख्या 213/श्र0 न्या0ल0
दिनांक 19-3-25

नोटिस (प्रकाशन)

वि0 वि0 संख्या-38/19

1- श्रवण कुमार व अन्य द्वारा मो0 तारिक (एडवोकेट)
2- नन्दलाल जयसवाल (बिल्डर्स) 3/140, विक्रांत खंड, गोमती नगर लखनऊ।
3- सुशील कुमार वर्मा (ठेकेदार/ लेबर सप्लायर) 2/319, विशाल खंड, गोमती नगर, लखनऊ- 226010

विषयः-

आपको सूचित किया जाता है कि उक्त वाद आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 21.4.25 प्रातः 10.30 बजे निश्चय किया है उक्त दिनांक को लिखित कथन, प्रति उत्तर प्रत्रजात दाखिल करने सेवायोजकों के प्रार्थना पत्र के निस्तारण गवाही बहस हेतु निश्चित की गयी है। आप उक्त निर्धारित तिथि और समय पर न्यायालय के समक्ष उपस्थित हो। यदि आप निश्चित तिथि और समय पर उपस्थित न हुये तो वाद की कार्यवाही आपकी अनुपस्थित में एक पक्षीय कर दी जायेगी।

यह ध्यान रहे कि समय-समय पर वाद में तिथि निश्चित की जाती है और आदेश दिये जाते हैं उसकी जानकारी की जिम्मेदारी पक्षों पर है। यह कार्यालय इस प्रकार का कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा। अतः आप प्रत्येक निश्चित तिथि पर वाद की सुनवाई हेतु उपस्थित हों।

न्यायालय की आज्ञा से
व0 सहायक (न्यायालय)

राशन वितरण में उत्तर प्रदेश सरकार की पारदर्शी व्यवस्था से लाखों लाभान्वितों को मिल रहा सीधा लाभ

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में गरीबों और जरूरतमंदों तक राशन पहुंचाने की प्रक्रिया को न केवल प्रभावी बनाया है, बल्कि इसे डिजिटल तकनीकों के माध्यम से पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त भी किया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गई है। सेवा, सुरक्षा और सुशासन के मूल मंत्र को साकार करते हुए उप्र सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के जरिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के 1.15 करोड़ से अधिक राशन कार्डधारकों को मिल रहा है। एक बयान के मुताबिक प्रदेश सरकार ने राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए ई-केवाईसी और आधार सत्यापन प्रणाली को लागू किया है, जिसके तहत राशन कार्ड धारकों को अब देश के किसी भी उचित दर दुकान पर ई-केवाईसी कराने की सुविधा प्राप्त हो रही है। खाद्य एवं रसद विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक प्रदेश के 77.37 प्रतिशत लाभार्थियों (1,15,37,940 राशन कार्डधारक) ने अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है। बयान में कहा गया है कि खास बात यह है कि 10.02 लाख लाभार्थियों ने अन्य राज्यों में भी अपनी ई-केवाईसी कराई, जो इस व्यवस्था की व्यापक पहुंच सुनिश्चित कर रहा है। यही नहीं इस डिजिटल पहल ने अपात्र कार्डधारकों की पहचान कर उन्हें सिस्टम से हटाने में मदद की, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों तक खाद्यान्न पहुंच सुनिश्चित हुआ। सरकार का लक्ष्य शत-प्रतिशत लाभार्थियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूरी करना है, ताकि वितरण प्रणाली और अधिक मजबूत हो सके।

कार्यालय सहायक अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-अमेठी।

पताः- सहायक अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, गौरीगंज, अमेठी।

निविदा सूचना

पत्रांक 36 /ग्रा0अ0वि0/निविदा सूचना/पत्रा0सं0 204/2024–25 दिनांक 26.03.2025

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से सहायक अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अमेठी द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में श्रेणी ए0,बी0,सी0 डी0 एवं ई0 में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से मैन्यूवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिये निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
		आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना				
1	अमेठी	विकासखण्ड भेटुआ में कोरारी गिरधरशाह, गौरीगंज में सरायभागमानी एवं शुकुलबाजार में महोना पश्चिम डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
2	अमेठी	विकासखण्ड मुसाफिरखाना में केशवपुर, मानामदनपुर, एवं पिण्डारा ठाकुर, में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
3	अमेठी	विकासखण्ड जगदीशपुर में महमदपुर एवं कटेहटी में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.04	0.021	677	दो माह
5	अमेठी	विकासखण्ड तिलोई में डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम सैमबसी एवं नसरतपुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.04	0.021	677	दो माह
6	अमेठी	विकास खण्ड जामों में बरौलिय, कपासी एवं नीमी, में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
7	अमेठी	विकास खण्ड जामों में सूरतगढ, गोरियबाद एवं वर्रा में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
8	अमेठी	विकास खण्ड जामों में हेरूआ, पूरे चितई एवं दूरामऊ में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
9	अमेठी	विकास खण्ड संग्रामपुर में बदलापुर, करनाईपुर एवं तारापुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
10	अमेठी	विकास खण्ड संग्रामपुर में साकरमानापट्टी, मधुपुर खदरी एवं कंसापुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
11	अमेठी	विकास खण्ड संग्रामपुर में भैरवपुर, कनू एवं सरैया बडगांव में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
12	अमेठी	विकास खण्ड भादर में नेवढिया, भावापुर एवं दुलहिनपुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
13	अमेठी	विकास खण्ड भादर में त्रिसुण्डी, दहियावां एवं रामचन्द्रपुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
14	अमेठी	विकास खण्ड भादर में अग्रेसर, मवइया एवं त्रिलोकपुर में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
15	अमेठी	विकासखण्ड भादर के गोकुला एवं खाझा में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह
16	अमेठी	विकासखण्ड भादर के सिंगठी एवं भोजपुर, में आंगनबाडी केन्द्र भवन में इण्डिया मार्क–2 हैण्ड पम्प स्थापना का कार्य।	1.56	0.032	677	दो माह

2. निविदा सूचना में अंकित कार्यालय में बिड डाक्यूमेट की उपलब्धता की तिथि 06.04.2025 से 21.04.2025 तक।
3. निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समयः 21.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे व स्थान सहायक अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अमेठी, अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–अयोध्या एवं जिलाधिकारी जनपद–अमेठी।
4. निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि 21.04.2025 एवं समय अपरान्ह 3:30 बजे।
5. अधिक जानकारी के लिये कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अमेठी से सम्पर्क करें।

सहायक अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अमेठी।

www.upidadv.gov.in
UPID : 231820 Dt. : 28/03/2025

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-अम्बेडकरनगर।

पताः-विकास भवन, निकट कलक्ट्रेट अम्बेडकरनगर।

पत्रांक 1295/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्राली/अनु0सहायक/2024-25/ **दिनांक 29.03.2025**

–: ई– प्रोक्योरमेण्ट नोटिस कॉल निविदा :–

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अम्बेडकरनगर पूर्वान्चल क्षेत्र विकास निधि निधियोजनान्तर्गत निर्माण कार्यो की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति की प्रत्याशा मे ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विड डाक्यूमेण्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वांटिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी0सी0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बेडकर नगर	ग्रामसभा दरगाहशाह रमजान में आलमपुर आखई पिच रोड से इनरवा होते हुए रामनाथ प्रजापति के घर तक सी.सी. रोड कार्य।	14.96	0.30	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
2	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा राजेपुर धावां में रंजीत के खेत से विजय बहादुर के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	11.05	0.23	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
3	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा दौलतपुर महमूदपुर में नहर से अरविन्द त्रिपाठी के घर तक सी०सी० एवं नाली निर्माण कार्य।	9.45	0.20	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
4	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा खोजातपुर में पंचायत भवन से पूर्व प्रधान शेषनाथ त्रिपाठी के घर तक इंटरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	8.48	0.17	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
5	अम्बेडकर नगर	मिझौडा तिवारीपुर मार्ग से पोस्ट आफिस तक सी0सी0 रोड।	18.08	0.37	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
6	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा नेवरी में रफीगंज मार्ग पर बाबा ट्रेडर्स के बगल से गोविन्द साहब मार्ग तक पिच मार्ग निर्माण कार्य।	13.59	0.28	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
7	अम्बेडकर नगर	ग्रामसभा अधियरवा में पिच रोड दुर्गा मंदिर से हरिजन बस्ती में वासुदेव के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	10.60	0.22	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
8	अम्बेडकर नगर	घरवासपुर चौबे बडेरिया पिचमार्ग से श्री राम मनोरथ निषाद के घर होते हुए सं० मार्ग तक सोलिंग कार्य।	15.57	0.32	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
9	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत चांदपुर महमूदपुर काली माता जी के चौरा से दरवन नाला तक सोलिंग कार्य।	12.88	0.26	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
10	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत अवसानपुर श्री भगौती निषाद के घर से श्री रामशंकर यादव के खेत तक सोलिंग कार्य।	10.62	0.22	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
11	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत बलरामपुर दसवां से यादवपुर नहर के पुल से होते हुये बडी नहर तक सोलिंग कार्य।	11.27	0.23	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
12	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत पमौली में पुरवा बहवा गॉव श्री काशीराम निषाद के खेत से श्री मनोहर पाण्डेय के पूरा तक सोलिंग कार्य।	14.10	0.29	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
13	अम्बेडकर नगर	उमरावॉं बौरे पिचमार्ग प्रा०वि० सझवा होते हुए दलित बस्ती सुरेश के घर की तरफ इण्टर लाकिंग कार्य।	17.77	0.36	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
14	अम्बेडकर नगर	ग्राम मंथनपुर में अजय के घर से मंधंनपुर सं0मार्ग तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	10.70	0.22	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
15	अम्बेडकर नगर	पंथीपुर मोहिद्दीनपुर माइनर से विमल मौर्या के घर तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	8.72	0.18	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
16	अम्बेडकर नगर	ग्राम बबूरा से जगन्नाथ के घर से प्राथमिक पाठशाला तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	8.63	0.18	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
17	अम्बेडकर नगर	ग्राम आलमपुर गोमानपुर में सिकन्दरपुर पिच रोड से लालमनी तिवारी के घर होते हुए गोमनपुर पिच मार्ग पर लाल बहादुर एवं रामबहादुर के चक के पास पिच तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	10.79	0.22	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
18	अम्बेडकर नगर	मालीपुर धमरूआ मुख्य मार्ग से उमरबान चौहान बस्ती तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	9.88	0.20	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
19	अम्बेडकर नगर	ग्राम कजपुरा गरेडीया का पूरा में अकबरपुर जलालपुर मेंन पिच रोड से स्व0शिवपूजन विश्वकर्मा के घर होते हुए खण्डजे तक इण्टरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	9.43	0.19	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
20	अम्बेडकर नगर	ग्राम रोशनगढ़ पिच रोड से शिवकुमार के घर होत हुए राम अनुज यादव के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	8.56	0.18	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
21	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा लोदी सुल्तानपुर राम आशीष के घर से से राधे के घर के आगे तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग कार्य।	9.61	0.20	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
22	अम्बेडकर नगर	ग्राम बरामदपुर लोहरा मंशापुर सिवरा नाली सम्पर्क मार्ग से जग्गीराम निषाद के घर तक सी0सी0 रोड कार्य।	10.46	0.21	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
23	अम्बेडकर नगर	ग्राम पक्खनपुर होरिलपुर कुर्चा पिच रोड से अशोक यादव के घर तक मिट्टी एवं खण्डजा कार्य।	11.12	0.23	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
24	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा वाजिदपुर में पिच रोड से मोहम्मद अब्बास के घर होते हुए अशोक कहार के घर तक सी0सी0 रोड कार्य।	11.69	0.24	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
25	अम्बेडकर नगर	ग्राम इमादपुर में गोविन्द साहब मुख्य मार्ग से बाबू लाल यादव के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	11.06	0.23	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
26	अम्बेडकर नगर	नगर पंचायत जहॉगीरगंज के ग्राम ककरापार में राजेसुल्तानपुर मार्ग से राज्यवर्धन पाण्डेय के घर होते हुए कलावती पाण्डेय के घ तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	10.06	0.21	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
27	अम्बेडकर नगर	नगरपंचायत जहॉगीरगंज के ग्राम जगदीशपुर में घनश्याम यादव के घर से पूरब मंगला यादव के घर होते हुए राधेश्याम यादव के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	12.17	0.25	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
28	अम्बेडकर नगर	विकास खण्ड जहॉगीरगंज के ग्राम बनकटा बुजुर्ग में राजचन्दर यादव के घर से झीनक यादव के घर तमक इण्टरलाकिंग कार्य।	13.77	0.28	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
29	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत जमालापट्टी नसीरपुर (पिपरपुर) में श्री सुशील यादव के घर से अमरनाथ मिश्र के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	11.53	0.24	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
30	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत बेलवरिया में पिच मार्ग से सुनील यादव के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	8.58	0.18	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
31	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत दाउतपुर तप्पा नेवरी में सन्तोष विश्वकर्मा के घर से प्राथमिक विद्यालय तिघरा दाउदपुर स्कूल के पिदे तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	8.91	0.18	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
32	अम्बेडकर नगर	विकास खण्ड रामनगर के ग्राम इसौरी नसीरपुर में चहोडा बिडहर मुख्य मार्ग पर ज्ञानचन्द यादव के खेत से मनोज गौतम के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	15.98	0.32	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
33	अम्बेडकर नगर	विकास खण्ड रामनगर के ग्राम हकीमपुर में बकडापुर रामबाग मार्ग पर अवध यादव के खेत से श्रीराम प्रजापति के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	9.23	0.19	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
34	अम्बेडकर नगर	ग्राम सभा सोनहन ब्लाक बसखारी में दलित बस्ती में फिर्तूराम के नहर के पास खण्डजा तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	12.20	0.25	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
35	अम्बेडकर नगर	ग्रामसमा छितूनी पिचरोड से रामसागर वर्मा के घर के आगे तक सी०सी० रोड।	14.55	0.30	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
36	अम्बेडकर नगर	ग्रामसभा चन्दनपुर कम्पोजिट विद्यालय से अनिल कुमार के घर के आगे तक सी०सी० रोड।	25.13	0.51	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
37	अम्बेडकर नगर	तवारीपुर चनहा मार्ग पर सया स्टेडियम से बीरसिंहपुर पिचमार्ग तक नव निर्माण कार्य।	30.33	0.61	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
38	अम्बेडकर नगर	महमदपुर चपरा चौराहे से अतरडीह रामबाबा सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	23.91	0.48	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
39	अम्बेडकर नगर	गोशाईगंज सेनपुर मार्ग से सरैया मुस्तफाबाद सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	20.57	0.42	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
40	अम्बेडकर नगर	महरूआ दोस्तपुर मार्ग से नसेडी मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	20.09	0.41	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
41	अम्बेडकर नगर	यादव नगर मिझौडा मार्ग सोनावा सम्पर्क मार्ग का मिसिंग भाग का नवनिर्माण कार्य।	11.55	0.24	500.00+225.00+ 42.00=767.00	3 माह
42	अम्बेडकर नगर	दौलतपुर सिसवां में हनीफ के चक से पप्पू के घर तक सी०सी० रोड का निर्माण	19.87	0.40	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
43	अम्बेडकर नगर	ग्राम दर्जीपुर धुरहू साव के खेत से मेवालाल के घर के आगे तक शून्य से डामरीकरण। लेपन का कार्य	20.29	0.42	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह
44	अम्बेडकर नगर	ग्राम कुकरा मार्ग पिच से श्री राम पाण्डेय के घर तक सी०सी० कार्य	19.16	0.40	500.00+300.00+ 54.00=854.00	3 माह
45	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत नगपुर बाजार से मधौवा मन्दिर होते हुए आलीपुर नगपुर सं0 मार्ग तक लेपन कार्य।	31.24	0.61	2000.00+300.00+ 54.00=2354.00	3 माह

2. वेवसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः–08.04.2025 से 07.05.2025 तक
3. विड् डाक्यूमेण्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः 09.04.2025 को प्रातः 11.00 बजे से ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि एवं समयः 10.04.2025 को प्रातः 10.00 बजे से ।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि एवं समयः 07.05.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे तक ।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 07.05.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे ।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ–पत्र मान्य नही होगा ।
8. निविदा आनलाइन वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा ।
9. निविदा आमंत्रण कर्ता को आई0टी0बी0 के क्लाज 09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है। जो किसी भी समाचार–पत्र मे प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदा दाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी हेतु कृपया वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें। सभी सम्भावित निविदा–दाताओं को सलाह दी जाती है कि विड् सम्मिट करने से पूर्व विड् डाक्यूमेण्ट को भली–भॉति पढ़ लें।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर ।
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से

www.upidadv.gov.in
UPID : 231872 Dt. : 02/04/2025

शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष की जमानत याचिका पर सुनवाई चार अप्रैल तक टली

संभल। संभल स्थित शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण चार अप्रैल तक के लिए टाल दी गई। एक वकील ने बुधवार को बताया कि शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उनकी जमानत याचिका पर पहले 27 मार्च को सुनवाई होनी थी। उस दिन चंदौसी में न्यायाधीश निर्भय नारायण राय की एडीजे-2 अदालत ने अली की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उनकी स्थाई जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए दो अप्रैल की तारीख तय की थी। उन्होंने बताया कि हालांकि, केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण मामले को अब चार अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश सैनी ने बताया, आज की सुनवाई के दौरान

बचाव पक्ष के वकील ने केस डायरी नहीं होने का हवाला देते हुए जफर अली को अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। हालांकि, मैंने दलील दी कि उनकी अंतरिम जमानत पहले ही खारिज हो चुकी है, इसलिए याचिका को फिर से खारिज किया जाना चाहिए। न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार करते हुए अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि अदालत ने अब निर्देश दिया है कि चार अप्रैल तक केस डायरी उपलब्ध कराई जाए और तब स्थाई जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। अली को मुगलकालीन मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के विरोध में 24 नवंबर को हुई हिंसा के संबंध में पूछताछ के बाद 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उसी दिन चंदौसी की एक अदालत ने अली की जमानत याचिका खारिज कर दी और उसे दो दिन की न्यायिक हिरासत में मुरादाबाद जेल भेज दिया। अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।(**भाषा**)

नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम जामा मस्जिद मामले की सुनवाई 21 अप्रैल तक स्थगित

बदायूं। नीलकंठ महादेव मंदिर और शम्सी जामा मस्जिद से संबंधित विवाद की स्थानीय अदालत में जारी सुनवाई न्यायाधीश के स्थानांतरण के कारण बुधवार को स्थगित कर दी गई। एक वकील ने यह जानकारी दी। वकील ने बताया कि मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति अमित कुमार का तबादला भदोही कर दिया गया है और उनकी अदालत रिक्त है, इसलिए मामले की सुनवाई 21 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। न्यायाधीश अमित कुमार की त्वरित अदालत ने इससे पहले मुस्लिम पक्ष को अदालत में उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया था। मुस्लिम पक्ष के कानूनी प्रतिनिधि अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। अदालत की ओर से लगातार समन भेजे जाने के बावजूद मस्जिद की प्रबंधन समिति के वकील उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद न्यायाधीश ने उन्हें अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए अंतिम अवसर के रूप में 11 फरवरी की तारीख तय की थी। हालांकि वकीलों की हड़ताल के कारण सुनवाई 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई और फिर इसे 20 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मंदिर पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील वेद प्रकाश साहू के अनुसार, शम्सी जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के वकील अनवर आलम 20 मार्च को अदालत में उपस्थित हुए थे और एक आवेदन प्रस्तुत किया था। साहू ने कहा था कि आलम ने उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला दिया और तर्क दिया कि अधीनस्थ अदालतें ऐसे मामलों में निर्णय नहीं दे सकते। इस पर विचार करते हुए न्यायाधीश कुमार ने अगली तारीख दो अप्रैल तय की। (**भाषा**)

परिवहन नियमों को ताख पर रख कर सड़कों पर दौड़ा रहे ई-रिक्शा, ई रिक्शा की टक्कर से घायल हुई मासूम बच्ची

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। बुधवार को ई-रिक्शा के चलते एक दर्दनाक सडक हादसा सामने आया दस वर्षीय डाली अपने पिता के साथ कस्बा फतेहपुर आई थी की सड़क पार करते समय ई रिक्शा के ठोकर मारने से वह घायल हो गई। मालूम हो कि थाना रामनगर क्षेत्र के गौरा चक निवासी मयाराम अपनी पुत्री डाली दस वर्षीय का आधार कार्ड बनवाने कस्बा फतेहपुर आए थे पटेल चौराहे पर मयाराम ने डाली को मोटरसाइकिल से उतार कर जरुरी काम से सड़क पार कर दूसरी तरफ जाने को कहा। डाली जैसे ही सड़क पार कर थी कि उसी समय आ रहे तेज रफ्तार ई रिक्शा ने उसे जोरदार टक्कर मारकर

उसके हाथों के ऊपर पहिया निकाल कर मौके से फरार हो गया। टक्कर लगने से डाली लहुलुहान हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चीं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में लाकर भर्ती कराया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने घायल बच्ची का इलाज शुरू किया। पिता मायाराम ने अभी तक पुलिस में कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत

मथुरा। जिले के बलदेव थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आगरा के सिकंदरा में स्थित एक जूता फैक्ट्री में काम करने वाले खंदौली के निवासी दो युवक मंगलवार शाम यमुना एक्सप्रेस-वे के रास्ते अपने गांव लौट रहे थे कि तभी बलदेव थानाक्षेत्र के निकट किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिसेन ने बताया कि मृतकों की पहचान खंदौली के निकट पैठं खेड़ा के निवासी तरुण कुमार (26) व जैकी उर्फ निर्मल (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है। (**भाषा**)

धीरे-धीरे तूल पकड़ रहा है मंदिर के पुजारी की भूमि का फर्जी रूप से बैनामा कराये जाने का मामला

» मुख्यमंत्री से मामले पर गौर किये जाने की मांग

रामनगर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। बुढ़िया माता मंदिर के पुजारी बिहारी दास की भूमि का फर्जी रुप से बैनामा कराये जाने का मामला धीरे धीरे तूल पकड़ रहा है। जालसाजों की ओर से हो रहे खेल के ऊपर खेल के मामले में प्रशासन अभी तक अनजान बना हुआ है। जिसके चलते क्षेत्र के सम्भ्रांतजनों और पीड़ित ने प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ से इस मामले पर गौर फरमाये जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रामनगर से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित रामनगर स्टेट की देवी बुढ़िया माता का मंदिर है। उसके पुजारी बिहारी दास की कच्चे सात बीघे भूमि का जालसाजों ने अवैध रुप से बैनामा करवा लिया।

पीड़ित श्री संत को जानकारी होने के बाद उन्होंने थाने पर शिकायत की।बताया जाता है कि क्रेता ने भी स्वंय के साथ भी फ्राड होने की तहरीर दी। जिसके बाद क्रेता और जालसाजों के साथ श्री संत के मध्य बैनामा कैंसिल कराये जाने की सहमती हुई। मगर यह क्या एक तरफ श्री संत को नाइंसाफी के प्रति आश्वस्त किया गया जिसके तहत मिले विवरण के मुताविक क्रेता ने अपनी ओर से शिविर कोर्ट में वाद दायर कर बैनामा कैंसिल की तैयारी शुरु करने का मामला प्रस्तुत किया तो दूसरी तरफ नायब तहसीलदार सूरतगंज के पास उक्त भूमि की खारिज दाखिल कराये जाने का वाद प्रस्तुत हो गया। अवैध रुप से हुए बैनामे और उसके समझौते के रुप मे हुए दूसरे बार के छल का समय एक सप्ताह गुजर चुका है। जिसके चलते अवसाद के दौर गुजर रहे श्री संत बिहारी दास की हालत अच्छी नही दिखाई पड़ रही थी। हमारे संवाददाता को रामनगर स्टेट के सचिव के साथ वह काफी ढूंढने पर जब मिल गये। तब हमारे संवाददाता ने उनसे दो दिन से लगातार चल रहे मोबाइल स्वीच आफ और फर्जी बैनामे के मामले की जानकारी चाही तो श्री संत का कहना था कि भईया मेरा दिमाग नहीं काम कर रहा है हरारत भी है अन्न ग्रहण एक टाईम करने लगा हू। मुझे अभी तक न्याय नहीं मिला अब अपनी रानी मृणालिनी सिंह और चेयरमैन रामशरण पाठक से न्याय की फरियाद की है।

छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ के तत्वाधान में संचालित छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला थाना से शुभारंभ किया गया द्य इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी शिवांगी त्रिपाठी , महिला थाना सह प्रभारी सुषमा मौर्या एवं जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. दिनेश वर्मा बी.एन.के.बी.पी.जी कॉलेज अकबरपुर उपस्थित होकर स्वयंसेवकों को आगामी प्रशिक्षण के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और उन्हें अगले एक महीने 120 घंटे के लिए प्रशिक्षण से संबंधित थानों में उपस्थित होकर पुलिस की कार्यात्मक प्रक्रिया और उनके कौशल को सीखने की बात कही साथ ही साथ छात्रों ने महिला थाने में उपस्थित होकर कार्यालय, जनसुनवाई कक्ष, साइबर सेल, महिला हेल्पडेस्क आदि का भ्रमण किया । साथ ही महिला थाना प्रभारी शिवांगी त्रिपाठी द्वारा बच्चों को प्रेरित किया गया।

दुपट्टा थ्रेसर में फंसने से घायल हुई बालिका की इलाज के दौरान मौत

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना सफदरगंज इलाके की मौलाबाद गांव में गेहूं की मड़ाई के दौरान एक बालिका का दुपट्टा थ्रेसर में फसने से गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनो ने सफेदाबाद स्थित हिंद अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार की शाम को मौलाबाद गांव के रहने वाले ओम प्रकाश खेत में ट्रैक्टर से चलने वाले थ्रेसर से से गेहूं की मडाई कर रहे थे। पास में उनकी 11 वर्षीय पुत्री रिया खेल रही थी। परिजन मड़ाई के काम में व्यस्त थे। इसबीच उसका दुपट्टा थ्रेसर में आने से फस गया। दुपट्टा गले में पड़ा था। कई राउंड घूमने के बाद बालिका मौके पर ही गिर गई। चीखने की आवाज से परिजनों का ध्यान उधर गया। आनन फानन मे परिजनों ने सफेदाबाद स्थित हिंद अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पारिवारिक जनों ने बिना पुलिस के सूचना के अंतिम संस्कार कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

मंगेतर से फोन पर बात करने के तुरंत बाद बीएससी छात्रा ने खुदकुशी कर ली

जौनपुर। जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में जैवप्रौद्योगिकी की अंतिम वर्ष की बीएससी छात्रा ने अपने मंगेतर से फोन पर बात करने के तुरंत बाद छात्रावास के कमरे में फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कौस्तुभ ने बताया कि घटना मंगलवार रात की है जब शिवांगी मिश्रा (22) ने कथित तौर पर यह कदम उठाया। शिवांगी 25 नवंबर को शादी करने वाली थी। जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर गांव की निवासी शिवांगी, लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास के कमरा नंबर 35 में रह रही थी। छात्रावास में रहने वाली उसकी सहपाठियों के अनुसार, शिवांगी रात करीब 11 बजे जोर-जोर से बात कर रही थी। जब शोर कम हुआ तो उन्होंने उसे बुलाया, लेकिन शिवांगी ने कोई जवाब नहीं दिया। सहपाठियों के अनुसार, काफी देर तक दरवाजा भी खटखटाया लेकिन तब भी जवाब नहीं आया तो उन्होंने वार्डन को सूचना दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के अधिकारियों को भी सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दरवाजा तोड़ने पर पाया कि वह पंखे पर दुपट्टे से बने फंदे में लटकी हुई थी। शिवांगी को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि वह अपनी शादी को लेकर तनाव में थी। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। (**भाषा**)

वेतन मांगने पर मालकिन ने सहेली संग मिलकर पीटा, मामला दर्ज

नोएडा। नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक घरेलू सहायिका ने अपनी मालकिन और उसकी सहेली पर उससे मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईकोटेक-3 के थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि घरेलू सहायिका रजनी ने मंगलवार रात को इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसने ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र अंतर्गत एक सोसाइटी में रहने वाली महिला के घर पर एक महीने तक काम किया, लेकिन जब उसने अपना 15 हजार रुपए का मेहनताना मांगा तो चेतना आनंद नामक महिला और उसकी सहेली डिंपल बजाज ने उससे मारपीट की जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के अनुसार, उसने 22 फरवरी से 22 मार्च तक आरोपी महिला के घर पर काम किया। वह 31 मार्च को अपना वेतन लेने के लिए चेतना आनंद की सोसाइटी में गई थी, लेकिन चेतना ने उसे गाली देना शुरू कर दिया और अपनी सहेली डिंपल बजाज के साथ मिलकर उससे मारपीट की। उन्होंने बताया कि पीड़िता के अनुसार सुरक्षा गार्ड और महिला सुरक्षा गार्ड ने उसे दोनों महिलाओं से बचाया। अधिकारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज का पुलिस मामले की जांच कर रही है।(**भाषा**)

अमेठी में पार्किंग विवाद में युवक को गोली मारी गई, गंभीर रूप से घायल

अमेठी। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के इटरोर गांव में कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद में 27 वर्षीय युवक को गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार शाम को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के इटरूर गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान इटरूर गांव निवासी इरफान (27) के रूप में हुई है। वह एक दुकान के पास खड़ा था, तभी तेज रफ्तार कार उसके पास आकर रुकी और धूल उड़ाती हुई पार्किंग के लिए चली गई। इरफान ने इसका विरोध किया, जिसके बाद कार में बैठे लोगों से उसका विवाद हो गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान आरोपी ने इरफान पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इरफान को जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) हरेंद्र कुमार ने बताया कि इरफान के निचले जबड़े में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि हमलावरों को पकडने के लिए एक टीम गठित की गई है और सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य माध्यमों से उनकी पहचान करने के प्रयास जारी हैं।(**भाषा**)

मुजफ्फरनगर में कार ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मारी, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर। जिले में बरला-बसेड़ा मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार के ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी जिससे एक परिवार के दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार रात की है जिसमें मेरठ जिले की निवासी खुशनुमा (35), सानिया (15), तैयबा (3) और मिरहा (2) की मौत हो गई। ये सभी कार में सवार थे। उसने बताया कि तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना उस समय हुई जब जुनेद के परिवार के सदस्य ईद के मौके पर रिश्तेदारों से मिलने के लिए कमालपुर (मेरठ) से सहारनपुर के गोपाली गांव जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।(**भाषा**)

वक्फ बिल संशोधन बिल भारत के संवैधानिक ढांचे पर आक्रमण : डॉ. विजय शंकर तिवारी

अम्बेडकर नगर, (ग्रुप 5 सं.)। संसद में पेश हुआ वक्फ संशोधन बिल भारत के संवैधानिक ढांचे पर करारा प्रहार है। जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस सदस्य डॉ. विजय शंकर तिवारी ने भाजपा सरकार द्वारा संसद में पेश वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को संविधान प्रदत्त मूल अधिकारों को कमजोर करने की साज़िश करार देते हुए कहा कि भाजपा और उसके आनुषंगिक संगठनों ने लगातार अल्पसंख्यक समुदाय और वक्फ बोर्ड के विषय में समाज में भ्रामक बातें फैलाई। डॉ. विजय शंकर तिवारी ने कहा कि आज संसद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने स्पष्ट कर दिया है कांग्रेस समाज में दूरियां फैलानेवाली, नफरत और झूठ फैलाने वाले हर कानून का जोरदार विरोध करती है,। संसद और देश

चलाने के लिए हमारे पास भारतीय संविधान का मूलमंत्र है।डॉ.विजय शंकर तिवारी ने कहा कि देश संविधान से चलेगा जो कि सबको समानता का अधिकार देता है गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर गठित जेपीसी की रिपोर्ट से कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सुझावों को सत्ता के अहंकार में चूर भाजपा ने हटा दिया था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परिपत्र का आक्टा की बैठक से कोई संबंध नहीं : आक्टा

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ (आक्टा) ने स्पष्ट किया है संस्थान की छवि खराब करने वाली किसी भी टिप्पणी, लेख और विचार प्रिंट या डिजिटल मीडिया में देने पर रोक संबंधी विश्वविद्यालय की अधिसूचना का उसकी बैठक में उठाई गई शिक्षकों की समस्याओं से कोई कोई संबंध नहीं है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की ओर से 29 मार्च, 2025 को एक अधिसूचना जारी कर कहा गया था कि विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर शिक्षण कार्य से जुड़े सभी सदस्य प्रिंट या डिजिटल मीडिया में ऐसे किसी भी लेख, समाचार, टिप्पणी या विचार देने से दूर रहें जिससे विश्वविद्यालय की छवि खराब हो। इस अधिसूचना

में यह भी कहा गया कि उक्त निर्देश का अनुपालन करने में विफल रहने वाले सदस्यों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। आक्टा के अध्यक्ष उमेश पी. सिंह ने स्पष्ट किया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की इस अधिसूचना का आक्टा की बैठक में उठाए गए मुद्दों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि यद्यपि संविधान व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता अपने संस्थान को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं होनी चाहिए। यदि कोई शिक्षक या गैर शिक्षक अपनी टिप्पणी से संस्थान की छवि को नुकसान पहुंचाता है तो उस पर रोक लगनी ही चाहिए। सिंह ने कहा, हालांकि, यदि विश्वविद्यालय में किसी चीज को लेकर लेट लतीफी होती है तो शिक्षक संगठन या गैर शिक्षक संगठन उस बात को जरूर रेखांकित करेगा। शिक्षक संघ की बैठक में शिक्षक अपनी समस्याएं रखते हैं और इसकी सूचना समाचार पत्रों को दी जाती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जगत तारन डिग्री कॉलेज के शिक्षकों की प्रोन्नति की फाइलें विश्वविद्यालय में साल भर से लंबित हैं। इसी तरह, अन्य कई संबद्ध महाविद्यालयों में प्रोन्नति के मामले लंबित हैं। सिंह ने बताया कि प्रोन्नति के अलावा नियुक्ति के मामले में ईसीसी में प्रधानाचार्य पद के लिए पिछले वर्ष जून जुलाई में विज्ञापन जारी हुआ था। नियुक्ति के लिए स्क्रीनिंग का नियम है जिसमें कुलपति स्क्रीनिंग के लिए दो विशेषज्ञ भेजता है। इस संबंध में फाइल छह महीने से लंबित है और पिछले पांच सालों से कार्यवाहक प्रधानाचार्य काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले 25 मार्च को आक्टा ने आम बैठक के बाद एक विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि संबद्ध महाविद्यालयों की फाइलें कुलपति के कार्यालय में महीनों से लंबित रहने के कारण कई शिक्षक नाराज हैं और उन्हें मामूली कार्य के लिए भी कुलपति कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।(**भाषा**)

जिले में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे पूरे देश के हैंडबॉल खिलाड़ी

देश के 31 प्रदेशों की टीम करेगी प्रतिभाग

» 20 से 24 अप्रैल तक आयोजित होगी ऑल इंडिया हैंडबॉल प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जनपद में आयोजित होने वाले 47वें ऑल इंडिया बॉयस हैंडबॉल चैंपियनशिप के सफल आयोजन के संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद वासियों के लिए बड़े ही हर्ष का विषय है कि यहां आगामी 20 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक बालक वर्ग की राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहली बार जनपद में इतने बड़े राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया

जा रहा है। व्यापक खेल हित में जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अनुरोध पर हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा यह प्रतियोगिता जनपद को एलाट की गई है, बेहतर तरीके से प्रतियोगिता संपन्न कराने को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री खेल और खिलाड़ियों के हित के लिए सब कुछ कर रहे हैं उन्हीं की प्रेरणा से जनपद में यह प्रतियोगिता कराई जा रही है,। खेल की यह बड़ी प्रतियोगिता है जिसमें देश भर से खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत ही बेहतर तरीके से कार्यक्रम होना है जिससे पूरे देश में हमारे जनपद से अच्छा संदेश जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी आनंद शुक्ल द्वारा भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। मीटिंग का संचालन कर रहे अपर जिलाधिकारी सदानंद गुप्ता द्वारा पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को संपन्न कराने हेतु विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया। जिलाधिकारी ने प्रत्येक समिति में सम्मिलित अधिकारियों को अपने-अपने समिति से संबंधित कार्यों की तैयारी को तत्काल प्रारंभ कर देने की निर्देश दिए। एडीएम ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां आज से शुरू कर दी गई हैं। बैठक में मौजूद यूपी हैंडबॉल संघ के आर्गनाइजिंग सचिव अमित पांडे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, मणिपुर, चंडीगढ़, पांडिचेरी, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, उड़ीसा, जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात, बिहार, केरल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब, झारखंड, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, मुंबई हैंडबॉल अकैडमी, स्पोर्ट्स कैस्टल, असम, आर्यावर्त, यशस्वी एकेडमी, एसएन पांडे हैंडबॉल एकेडमी, दमन एवं दीव, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, पांडिचेरी और नागालैंड की टीमें प्रतिभाग करेंगी।

किराना गोदाम मे अज्ञात कारणों के चलते लगी आग

रामनगर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। किराना के गोदाम पर अज्ञात कारणों से आग लग गयी।जिसमें रक्खा हजारों रुपयो का सामान जलकर राख हो गया।धुंआ उठता देख आसपास के लोगो ने दौड़कर आग बुझाई।नगर पंचायत के मोहल्ला कादिराबाद दो निवासी एंव व्यापार मंडल के अध्यक्ष रविशंकर पाण्डेय की रामनगर बदोसराय मार्ग पर किराना की दुकान संचालित है दुकानो के ऊपर दूसरी मंजिल पर गोदाम है।जिसमे किराना का सामान रखा था।बुधवार की दोपहर अचानक गोदाम में आग लग गयी।जिससे उसमें रखा सामान जलने लगा।मार्केट के अन्य

दुकानदारों ने धुँआ उठता देखा तो इसकी जानकारी दुकानदार मालिक को दी।वहां मौके पर मौजूद लोगो ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।पीड़ित दुकानदार के मुताबिक आग में करीब 20 हजार रुपए का सामान जला है।

वक्फ विधेयक : मुजफ्फरनगर में सुरक्षा बढ़ाई गई

मुजफ्फरनगर। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किए जाने के बाद एहतियात के तौर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में संवेदनशील स्थानों पर बुधवार को सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। अधिकारियों ने बताया कि खालापार इलाके समेत प्रमुख इलाकों तक फ्लैग मार्च किया गया। स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन से निगरानी भी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुजफ्फरनगर में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।(**भाषा**)

संक्षिप्त समाचार

आयु सीमा की अनिवार्यता से खाली न हो जाए स्कूल

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरूआत मंगलवार से हो गई है। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों में छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए प्रवेश उत्सव की भी शुरूआत हो गई है। लेकिन कक्षा एक में दाखिले के लिए बच्चे की आयु छह वर्ष अनिवार्य करने से शिक्षकों को चिंता सता रही है। शिक्षकों का कहना है कि आयु सीमा में अनिवार्यता से कई बच्चे प्रवेश से वंचित हो सकते हैं। आयु सीमा की अनिवार्यता को खत्म करने के लिए उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से कई बार विभागीय अधिकारियों को पत्र भी दिया गया है। संगठन के प्रांतीय पदाधिकारी मनोज तिवारी ने बताया, कक्षा एक में प्रवेश को लेकर छह वर्ष की आयु की बाध्यता के कारण शिक्षकों में बेचैनी का आलम है। पहले से ही कम छात्र नामांकन से जूझ रहे सरकारी विद्यालयों में इस आदेश से शिक्षकों की चिंता और बढ़ गई है। ऐसे में इस नियमावली के संशोधन की मांग के लिए निदेशालय को कई बार पत्र लिखा गया है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि जिन बच्चों की दो अप्रैल या उसके बाद छह साल पूरी होती है तो क्या वह पूरे साल भर विद्यालय में प्रवेश से वंचित रहेंगे।

मेयर ने दो टीबी रोगियों को गोद लिया

देहरादून, एजेंसी। मेयर सौरभ थपलियाल ने दो टीबी मरीजों को गोद लिया है। वे इन मरीजों के पोषाहार की जिम्मेदारी उठाएंगे। वरिष्ठ जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा ने उन्हें निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत करवाया। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि उत्तराखंड को टीबी मुक्त करने का अभियान सिर्फ विभागीय अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक जनचेतना एवं मानवीय उत्तरदायित्व का अभियान भी है। उन्होंने पार्षदों से भी टीबी मुक्त भारत अभियान में जुड़ने का आग्रह किया। इस दौरान मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खन्ना आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव से मिले डिप्लोमा फार्मासिस्ट के पदाधिकारी

देहरादून, एजेंसी। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तराखंड के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त मुख्य सचिव आनंद वर्धन से मुलाकात की। इस दौरान फार्मा कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा की गई। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष सुधा कुकरेती ने कहा कि प्रदेश के नए मुख्य सचिव ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास के रास्ते पर चलेगा। साथ ही उन्होंने अपनी मांगों को भी मुख्य सचिव के सामने रखा। 10, 16 और 26 वर्ष की सेवा करने के बाद पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पद के अनुरूप वेतन देने की मांग की।

आवास से लैपटॉप, नकदी चोरी

देहरादून, एजेंसी। सेंट जोसेफ अकादमी परिसर के ब्रदर आवास से लैपटॉप और पांच हजार रुपये नकद चोरी हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अकादमी के ब्रदर एस्टिनस ने शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि 28 मार्च को दोपहर के समय एक अज्ञात व्यक्ति ने स्कूल परिसर से उनके घर गया और लैपटॉप और पांच हजार रुपये नकद चोरी कर लिए।

जलभराव से निपटने के लिए कार्ययोजना बनाएं अधिकारी : मेयर

देहरादून, एजेंसी। मेयर सौरभ थपलियाल ने सिंचाई विभाग और निगम के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बरसात के दौरान शहर में होने वाले जलभराव से निपटने पर मंथन किया। समस्या को दूर करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि हर साल मानसून में शहरवासियों को जलभराव का सामना करना पड़ता है। सिंचाई विभाग ने अपनी कार्ययोजना बताई। कहा, दो महीने में मानसून आने वाला है और कार्ययोजना को अमल में लाने के लिए डेढ़-दो साल का समय लग सकता है। ऐसे में मेयर ने ऐसी जगहों की जानकारी मांगी, जहां फौरी तौर पर काम शुरू कराकर जलभराव से बचा जा सकता है। कहा कि जलभराव वाली जगहों को चिह्नित किया जाए।

उत्तराखंड में सियासत की भेंट चढ़ा मार्च का महीना

मंत्री के इस्तीफे से लेकर चर्चा में रहे कई मामले

देहरादून, एजेंसी।
वित्तीय वर्ष 2024-25 का आखिरी महीना उत्तराखंड के लिए काफी चर्चाओं भरा रहा. मार्च शुरुआत से महीना खत्म होने के दौरान तमाम मुद्दे ऐसे रहे जिनसे न सिर्फ राजनीति गर्माती दिखाई दी, बल्कि तमाम मुद्दों ने देश भर का ध्यान भी अपनी ओर आकर्षित किया. इसके साथ ही अपने एक विवादित बयान के चलते कैबिनेट मंत्री को अपने मंत्री पद से भी इस्तीफा देना पड़ा. कुल मिलाकर बीता मार्च का महीना राजनीतिक लिहाज से काफी अधिक चर्चाओं भरा रहा है.

मार्च में हुई राजनीति घमासान- फरवरी महीने में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के भीतर तात्कालिक संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की ओर से दिए गए विवादित बयान के बाद राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई. साथ ही प्रदेश में पहाड़ी और प्लेन के विवाद ने जन्म ले लिया. आलम ये हो गया कि मार्च का महीना शुरू होते-होते ये विवाद और अधिक गहरा गया और प्रदेश भर में चर्चाओं का विषय बन गया. इसने देशभर का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया. इस पूरे मामले में सरकार और पार्टी की काफी अधिक फजीहत हुई. दरअसल शुरुआती दौर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी प्रेमचंद अग्रवाल को बचाते नजर आए थे.

विधानसभा में विवादित बयान से घिरे प्रेमचंद अग्रवाल: महेंद्र भट्ट के सड़क छाप नेता वाले बयान पर मचा घमासान- प्रदेश भर में प्रेमचंद अग्रवाल के मामले को लेकर राजनीतिक सियासत गरमाई हुई थी. तमाम विपक्षी दल और सामाजिक संगठन लगातार प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफा की मांग कर रहे थे. इसी बीच गैरसैंण में तमाम राज्य आंदोलनकारी, पूर्व सैनिक और रिटायर्ड कर्मचारी भी प्रेमचंद अग्रवाल के बयान का विरोध करते हुए धरना प्रदर्शन कर रहे थे. इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि जो नेता धरना दे रहे हैं वह आगामी 2027

विधानसभा चुनाव को लेकर कर रहे हैं और यह सभी लोग सड़क छाप नेता हैं. इसके चलते प्रदेश में महेंद्र भट्ट के बयान के बाद और अधिक विवाद गहरा गया.

प्रेमचंद अग्रवाल को आखिरकार इस्तीफा देना पड़ा : उत्तराखंड राज्य में पहाड़ी प्लेन का विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि इससे सरकार और संगठन की फजीहत होने लगी. यही नहीं यह पूरा मामला भाजपा आलाकमान तक भी पहुंच गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार कुछ निर्णय लेती, इससे पहले ही भाजपा आलाकमान की ओर से एक बड़ा निर्णय लिया गया, जिसके चलते कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा. इसके चलते 16 मार्च को तत्कालीन कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रेस वार्ता कर प्रदेश की जनता से खेद व्यक्त किया. साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात कर मंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया.

कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं हुई तेज : उत्तराखंड में जब प्लेन-पहाड़ विवाद चल रहा था, इसी दौरान मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं भी जोरों से चल रही थी. 16 मार्च को प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं और अधिक तेज हो गई. उसी दौरान संभावना जताई जा रही थी कि धामी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हो सकता है, लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दिया. राजनीतिक गलियारों में ये चर्चाएं थी कि मार्च का महीना खत्म होते-होते धामी मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरे शामिल हो सकते हैं. ऐसे में अब संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल महीने में ही न सिर्फ मंत्रिमंडल का विस्तार होगा, बल्कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चयन के साथ ही तमाम बड़े नेताओं को दायित्व से नवाजा जा सकता है. सरकार के 3 साल, सीएम धामी ने प्लेन पहाड़ विवाद पर पहली बार दिया बयान- उत्तराखंड में लंबे समय से क्षेत्रवाद को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ था. इसी क्षेत्रवाद के विवाद के चलते मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा. बावजूद इसके यह मामला शांत नहीं हो पाया था. ऐसे में धामी सरकार 2.0 के कार्यकाल को 3 साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 23 मार्च को जहां तमाम बड़ी घोषणाएं की, वहीं क्षेत्रवाद और जातिवाद को लेकर भी बड़ा तंज कसा था. उन्होंने कहा कि ÷कुछ लोग जो बोलने में सावधानी नहीं रखते हैं, उनके कारण प्रदेश में कभी-कभी जातिवाद और क्षेत्रवाद सुनाई पड़ता है.÷ इसके बाद प्रदेश में एक और राजनीतिक बहस छिड़ गई. लेकिन धीरे-धीरे प्रदेश में पहाड़ी और प्लेन का विवाद शांत होने लगा. उत्तराखंड में पिछले डेढ़ महीने से अवैध रूप से संचालित मदरसों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है. जब उत्तराखंड में पहाड़-प्लेन का विवाद चर्चाओं में था, इसी दौरान मदरसों पर हो रहे कार्रवाई का मामला भी गरमा गया. दरअसल, पिछले डेढ़ महीने के भीतर प्रदेश के कई जिलों में 160 से अधिक मदरसों पर कार्रवाई की जा चुकी है. सरकार का मानना है कि जिन मदरसों पर कार्रवाई की गई है, वो सभी मदरसे अवैध रूप से संचालित हो रहे थे. धामी सरकार को इन अवैध मदरसों को हवाला के जरिए फंडिंग मिलने का शक था, जिसकी जांच चल रही है.

देहरादून में संदिग्ध परिस्थितियों में 20 साल के युवक की मौत

देहरादून, एजेंसी।
राजधानी देहरादून में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत का मामला सामने आया है. मामला देहरादून कोतवाली नगर क्षेत्र के मोती बाजार इलाके का है. बताया जा रहा है कि टमाटर वाली गली में दुकान से संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव बरामद हुआ है.

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की. आसपास के लोगों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. मृतक का नाम मदन था, जिसकी उम्र करीब 20 साल थी. मदन कोटि कानासर का रहने वाला और देहरादून के एक होटल में काम करता था. पुलिस ने बताया कि मदन दुकान में ही सोता था. बुधवार सुबह को जब मदन के साथी उसे उठाने

गए तो देखा कि वो बेहोशी हालत में पड़ा हुआ है. मदन के गले में एक रुमाल भी लिपटा हुआ था. हालांकि मदन के शरीर पर चोट या मारपीट के कोई निशान नहीं पाए गए हैं. पुलिस ने बताया कि उन्हें आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि मदन एक युवती के संपर्क में था, जो करीब एक माह पहले उसे छोड़कर चली गई थी. इसलिए पुलिस तमाम एगल से मामले की जांच रही है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा. फिलहाल पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी साथ ही मृतक के भाई ने थाने में कोई तहरीर नहीं दी है.

किमाड़ी में दोस्तों के साथ घूमने गए युवक की डूबने से मौत

देहरादून, एजेंसी। किमाड़ी में दोस्तों के साथ घूमने गए युवक की झरने में डूबने से मौत हो गई। युवक ने अपने दूसरे दोस्त के साथ करीब 20 फीट ऊपर से पानी में छलांग लगाई थी। दोस्त तो पानी से बाहर निकल गया, लेकिन वह निकलने में असमर्थ रहा। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तलाश कर शव को कब्जे में ले लिया है। सोमवार को दोपहर के समय पटेलनगर से करीब चार से पांच युवक किमाड़ी घूमने गए थे। इसी दौरान युवक आवेश मंसूरी निवासी लोहिया नगर, पटेलनगर अपने दूसरे दोस्त के साथ झरने में गया और वहां से छलांग लगा दी। इस दौरान उसका दोस्त तो बाहर निकल गया, लेकिन आवेश पानी में ही डूब गया।

इंतजार खत्म ! धामी सरकार का बड़ा फैसला, नेताओं को सौंपे गए दायित्व

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में दायित्व बंटवारे की आस लगाए बैठे नेताओं का इंतजार खत्म हो गया है. धामी सरकार ने दायित्व बंटवारे की सूची जारी कर दी है. इस संबंध में सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने जानकारी देते हुए दायित्व धारियों की सूची जारी की है. जारी सूची के मुताबिक, चमोली के हरक सिंह नेगी को उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद का जिम्मा सौंपा गया है. रुद्रप्रयाग की ऐश्वर्या रावत को उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग का दायित्व सौंपा गया है. अल्मोड़ा की गंगा बिष्ट को उपाध्यक्ष राज्य महिला उद्यमिता परिषद का दायित्व दिया गया है. वहीं, देहरादून के श्याम अग्रवाल को उपाध्यक्ष उत्तराखंड आवास सलाहकार परिषद, नैनीताल की शांति मेहरा को उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, देहरादून के भगवत प्रसाद मकवाना को उपाध्यक्ष उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग, पिथौरागढ़ के हेमराज बिष्ट को उपाध्यक्ष उत्तराखंड राज्य स्तरीय खेल परिषद, चमोली के रामचंद्र गौड को अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद की जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा अल्मोड़ा के पूरन चंद नैलवाल को उपाध्यक्ष प्रवासी उत्तराखंड परिषद, उत्तरकाशी के रामसुंदर नौटियाल को उपाध्यक्ष भागीरथी नदी घाटी प्राधिकरण, उधम सिंह नगर की सायरा बानो उपाध्यक्ष उत्तराखंड राज्य महिला आयोग।

विकासनगर में परचून गोदाम में लगी भीषण आग, सारा सामान और एक बाइक जलकर राख

विकासनगर, एजेंसी।
विकासनगर क्षेत्र के एटनबाग में परचून की दुकान के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई. आग लगने से सारा सामान और एक बाइक जलकर राख हो गई. सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर बमुश्किल काबू पाया. वहीं आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई. फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की पड़ताल कर रही है.

गोदाम में आग लगने से मचा हड़कंप- विकासनगर क्षेत्र में बीती देर रात एक परचून गोदाम में आग लगने से मौके पर अफरातफरी मच गई. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया. आग लगने की घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी. सूचना पर हर्बटपुर, विकासनगर से पुलिस व दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और डाकपत्थर और सेलाकुई से दो वाहन फायर ब्रिगेड बुलाए गए. दमकल कर्मियों ने आग पर बमुश्किल काबू पाया. जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो गया. एक मोटरसाइकिल भी आग से जलकर राख हो गई. सूचना पर सीओ विकासनगर भास्कर लाल शाह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण लिया. गनीमत रही कि समय रहते दमकल कर्मियों ने आगजनी पर काबू पा लिया और कोई जनहानि नहीं हुई. सीओ विकासनगर बीएल शाह ने बताया कि 112 से सूचना मिली थी की गोदाम में आग लगी है. जिस पर डाकपत्थर और सेलाकुई से दो वाहन फायर टेंडरों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया. आग लगने के कारणों का पता किया जा रहा है. घटना में हुए नुकसान का राजस्व विभाग और अग्निशमन विभाग आकलन कर रहा है, साथ ही स्थिति नियंत्रण में है.

उत्तराखंड में निजी स्कूलों और बुक सेलर्स की मनमानी, देहरादून में 4 दुकानें सील, हल्द्वानी में 3 जगह छापा

देहरादून/हल्द्वानी, एजेंसी।
प्राइवेट स्कूलों और पुस्तक विक्रेताओं की मनमानी से उत्तराखंड के अभिभावक बेहद परेशान हैं. गढ़वाल से लेकर कुमाऊं मंडल तक शिक्षा विभाग के पास ढेरों शिकायतें आ रही हैं. शिक्षा विभाग निजी स्कूलों के साथ बैठक कर रहा है. लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही नजर आ रहा है.

देहरादून में 4 बुक सेलर्स पर मुकदमा- देहरादून नगर कोतवाली क्षेत्र के अंर्तगत चार दुकानों में बेचे जा रही स्कूली किताबों में अनियमितता पाये जाने पर उनके खिलाफ कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया गया. इसके साथ ही एसएसपी ने चारों पुस्तक भण्डारों को सील करा दिया है. मुकदमा दर्ज होने के बाद भी चारों दुकानों द्वारा लगातार किताबें बेची जा रही थी.

शहर में चार किताबों की दुकानों पर प्रशासन और राज्य कर विभाग की टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था. इस दौरान अलग-अलग कक्षाओं की पाठ्य पुस्तकों में ढ्ढस्ह्क्क नम्बर और बार कोड न होने सहित अन्य अनियमितताएं मिलने के सम्बन्ध में कोतवाली नगर पर 04 अलग-अलग मुकदमे पंजीकृत कराये गये थे. मुकदमा पंजीकृत होने के बाद भी दुकानों के संचालकों द्वारा लगातार किताबों की बिक्री की जा रही थी. इसके सम्बन्ध में एसएसपी को प्राप्त सूचना पर

अपराध की पुनरावृत्ति होने और रोकने के लिए प्रशासनिक टीम गठित करने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी देहरादून को रिपोर्ट भेजी गई थी. पुलिस द्वारा भेजी गई रिपोर्ट पर जिलाधिकारी देहरादून द्वारा चारों प्रतिष्ठानों को सील करने के आदेश जारी किये गये.

इसके साथ ही निजी स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से अभिभावकों से फीस वसूलने के खिलाफ देहरादून जिला प्रशासन एक्शन की तैयारी में लग गया है. निजी स्कूलों को हिदायत दी गई है कि फीस स्ट्रक्चर मानक के तहत नहीं हुए, तो लाइसेंस रद्द किया जाएगा. साथ ही डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने स्कूलों में फीस स्ट्रक्चर की समीक्षा करने के बाद कई प्रतिष्ठित स्कूलों की फीस स्ट्रक्चर नियम के खिलाफ पायी है. इन स्कूलों को फीस स्ट्रक्चर ठीक करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं. बता दें कि देहरादून जिले में निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस बढ़ाने की शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को सीडीओ ने अलग-अलग निजी स्कूल संचालकों के साथ वार्ता की. इस दौरान निजी विद्यालयों के पिछले पांच सालों के फीस स्ट्रक्चर की जांच की गई. सीडीओ ने निजी स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत दी कि स्कूल फीस के लिए आरटीई एक्ट और प्रोविजन के अनुसार ही काम करें.

इसके साथ ही अभिभावकों और छात्रों को किसी एक निश्चित दुकान से किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए भी बाध्य न किया जाए.

सिर पर चारधाम यात्रा, बीकेटीसी को अभी भी नहीं मिला अध्यक्ष, कैसे होंगी व्यवस्थाएं

देहरादून, एजेंसी।
लंबे इंतजार के बाद धामी सरकार ने दायित्व बांट दिये हैं. बीते रोज धामी सरकार ने दायित्व बंटवारे की लिस्ट जारी की. जिसमें प्रदेश भर में 20 नेताओं को अलग अलग दायित्व दिये गये हैं. इसमें तीन तलाक के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली सायरा बानो को उत्तराखंड राज्य महिला आयोग का फिर से उपाध्यक्ष बनाया गया है. कर्नल अजय कोठियाल को सैनिक कल्याण की जिम्मेदारी दी गई है. इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण दायित्व भी धामी सरकार ने बांटे हैं. इसके बाद भी नजरें बदरीनाथ-केदानाथ मंदिर कमेटी (बीकेटीसी) पर टिकी हुई हैं.

आगामी 30 अप्रैल से प्रदेश में चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है. इस यात्रा के लिए सरकार तमाम तरह की व्यवस्थाओं में लगी है. चारधाम में व्यवस्थाओं के लिए बीकेटीसी ही सबसे अहम रोल निभाता है. हालांकि, वर्तमान समय में बीकेटीसी में कोई अध्यक्ष नहीं है. ऐसे में सवाल ये उठता है कि बिना अध्यक्ष के बीकेटीसी चारधाम यात्रा कैसे संचालित करेगा.

बता दें, धामी सरकार ने अजेंद्र अजय को बदरी-केदार मंदिर समिति का अध्यक्ष बनाया था. 3 साल बाद बीते जनवरी महीने में अजेंद्र अजय का कार्यकाल समाप्त हो गया है. सभी को उम्मीद थी कि जल्द ही बीकेटीसी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन अभी फिलहाल ऐसा नहीं हुआ.

इसके अलावा बाल अधिकार संरक्षण आयोग व राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यकाल भी जनवरी महीने में ही पूरा हो गया था, लेकिन फरवरी महीने में सरकार ने इन दोनों महत्वपूर्ण पदों पर अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ा दिया था. फिलहाल उत्तराखंड

बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी गीता खन्ना के पास है जबकि राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल हैं. दोनों अध्यक्षों को 2022 में पहली बार ये जिम्मेदारी सौंपी गई थी.

देवस्थानम बोर्ड भंग करने के बाद अजेंद्र अजय को सौंपी थी जिम्मेदारी : अजेंद्र अजय को भी बीकेटीसी अध्यक्ष पद साल 2022 में सौंपा गया था. उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड भंग करने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया था. वहीं, फिलहाल बीकेटीसी को लेकर न तो अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ाया गया है और न ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है. दरअसल, बीकेटीसी पद काफी महत्वपूर्ण हैं जिसे लंबे समय तक खाली नहीं छोड़ा जा सकता.

दायित्वधारियों की तीसरी सूची जारी : बीती देर रात ही धामी सरकार की ओर से 20 दायित्वधारियों की तीसरी सूची जारी की गई है. इससे पहले 10 दायित्वधारियों की पहली सूची विधानसभा चुनाव 2022 के बाद 27 सितंबर 2023 को जारी हुई थी, फिर 14 दिसंबर 2023 को 11 नेताओं की दूसरी लिस्ट जारी की गई थी.

क्या काम करता है बीकेटीसी- बीकेटीसी मतलब बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति है. ये समिति बदरीनाथ और केदारनाथ में धार्मिक, पर्यटन के साथ ही दूसरी व्यवस्थाएं देखती है. मंदिरों के रखरखाव के साथ ही उनके जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी बीकेटीसी की होती है. सरकार के समन्वय बनाते हुए चारधाम यात्रा अरेजमेंट्स, नियमों का पालन, बजट की व्यवस्था कराना भी बीकेटीसी का काम है. बीकेटीसी दोनों धामों के पंडा पुरोहितों और सरकार के बीच पुल का काम करता है.

सम्पादकीय

मानव के लिए खतरे की घंटी

सैयद अहमर हसनैन

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्नअध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्त्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

आस्था-स्थल

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

ललित गर्ग

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है...

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्मायें, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, ये कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और

धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है।

प्रधान समाज की विडंबना या आधुनिकता का प्रभाव

मलिन होता समाज

बृजेंद्र राय

आधुनिकता से ओतप्रोत आज की युवा पीढ़ी न संस्कृतियों का सम्मान करना जानती है, न ही संस्कारों का अनुपालन वरना युगों युगांतरों से पतियों के लिए अपने रोम-रोम में प्रेम रखने वाली स्त्री कब से खुद के पति की कातिल होने लग गई? ये सब आज के आधुनिक युग में ही देखने को मिल रहा है। एक तरफ दहेज को गलत बताने वाला तबका आज के आधुनिक दौर में एलोमनी के नाम पर मोटे पैसे ऐंठने को तैयार बैठा है तो वहीं दूसरी तरफ किसी और के लिए अपने पति की जीवन लीला को अंधकारमय करने वाला तबका जिसे न समाज की चिंता है न ही परिवार की। आज के इस वीभत्स दौर में प्यार, व्यापार का अच्छा जरिए बनता जा रहा है, जहां कुछ भी सच्चा नहीं है। सब फरेब है तभी तो एक पति को सिर्फ इसलिए थाने के बाहर धरने पर बैठना पड़ता है ताकि उसकी जान बच सके क्योंकि उसकी अपनी पत्नी शादी के बाद तीन-चार आशिकों से बातें करती है। बीते कुछ दिनों पहले जब उत्तर प्रदेश के मेरठ से मुस्कान का अपने पति के मर्डर की खबर सामने आई तो प्रिंट समेत डिजिटल मीडिया पर हर जगह छाई रही। जिसने ये सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या प्रेम विवाह के बाद भी शादियां सुरक्षित नहीं है? एक लड़का जिसने प्यार किया, शादी की और विदेश जाकर नौकर करता रहा...

वह समाज जिसे देश का प्रधान बताया जाता है, वह समाज जिसे घर परिवार का जिम्मेदार समझा जाता है, वह समाज जिसका बैंक बैलेंस देख कर उसके घर परिवार की इज्जत निर्धारित की जाती है, वह समाज जिसे मजबूत बताया जाता है, वह समाज जिसे उसकी एक छोटी सी गलती की वजह से जीवन भर कोसा जाता है, वह समाज जिसे बदलते वक्त और आधुनिकता के इस दौर में उपयोग किया जाने लगा है, आज इस मजबूर स्थिति में है कि आगे कुआं पीछे खाई कहना जरा भी अतिश्योक्ति नहीं है क्योंकि पुरुष प्रधान इस देश में वर्तमान नारी शक्तियों का ऐसा तांडव युगों युगांतरों में पहली बार देखने या सुनने को मिला है। प्यार में अंधा यह पुरुष समाज आज उस बुरे दौर से गुजर रहा है जहां से रिवर्स कर पाना उतना ही मुश्किल है जितना रेत टाइमर में नीचे गिरी हुई रेत। बदलते वक्त और हालात में लोगों ने प्यार तो सीख लिया लेकिन सबसे सच्चे और सबसे अच्छे इश्क को महसूस करने के लिए कभी डिब्बे में मौत देखी तो कभी कत्ल की हसीन रातों से सामना करना पड़ा और तो और कभी मुस्कुराता हुआ बेदाग चेहरा भी मुस्कान नाम की एक हसीना से हार गया। हालात इतने बुरे हो चले हैं कि आज की युवा पीढ़ी जिसे शादी के बंधन में बंधना है वो सदमे के दौर से गुजर रही है।

बीते वर्ष नवंबर व दिसंबर में जिन 48 लाख शादियों का अनुमान कन्फेडेरशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार था उनके पूरा होने और उनके सफल होने का आकलन तो अब आने वाले वक्त में ही लगाया जा सकेगा लेकिन वर्तमान समय में बिगड़ते शादीशुदा जोड़ों के हालात वीभत्स कलयुग दौर की गाथा के आगाज सा प्रतीत होने लगा है। जहां पत्नियां कभी अपने मायके वालों के साथ मिलकर, कभी प्रेमी के साथ मिलकर तो कभी किसी अनजान को सुपारी देकर अपने पतियों को मार रही हैं और पति बेचारा असहाय कभी डब्बे में, कभी बोरे में, कभी कब्र में तो कभी तालाब में ऐसे डाल दिए जा रहे जैसे पालतू जानवरों के मरने पर किया जाता है। आधुनिकता से ओतप्रोत आज की युवा पीढ़ी न संस्कृतियों का सम्मान करना जानती है, न ही संस्कारों का अनुपालन वरना युगों युगांतरों से पतियों के लिए अपने रोम-रोम में प्रेम रखने वाली स्त्री कब से खुद के पति की कातिल होने लग गई? ये सब आज के आधुनिक युग में ही देखने को मिल रहा है। एक तरफ दहेज को गलत बताने वाला तबका आज के आधुनिक दौर में एलोमनी के नाम पर मोटे पैसे ऐंठने को तैयार बैठा है तो वहीं दूसरी तरफ किसी और के लिए अपने पति की जीवन लीला को अंधकारमय करने वाला तबका जिसे न समाज की चिंता है न ही परिवार की। आज के इस वीभत्स दौर में प्यार, व्यापार का अच्छा जरिए बनता जा रहा है, जहां कुछ भी सच्चा नहीं है। सब फरेब है तभी तो एक पति को सिर्फ इसलिए थाने के बाहर धरने पर बैठना पड़ता है ताकि उसकी जान बच सके क्योंकि उसकी अपनी पत्नी शादी के बाद तीन-चार आशिकों से बातें करती है। बीते कुछ दिनों पहले जब उत्तर प्रदेश के मेरठ से मुस्कान का अपने पति के मर्डर की खबर सामने आई तो प्रिंट समेत डिजिटल मीडिया पर हर जगह छाई रही। जिसने ये सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या प्रेम विवाह के बाद भी शादियां सुरक्षित नहीं है? एक लड़का जिसने प्यार किया, शादी की और विदेश जाकर नौकर करता रहा और हजारों रुपए खर्च करने को अपनी पत्नी (प्रेमिका) को भेजता

रहा फिर भी वह अपनी पत्नी का खौफनाक रूप देखता है जहां उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है और उससे भी वीभत्स कि उसकी शरीर को एक डब्बे में डाल कर सीमेंट से जमा दिया जाता है और फिर अपने नए नवेले आशिक के साथ घूमने, फिरने और पार्टी करना ये दर्शाता है कि आज के दौर में किसी रूप में इंसानियत नहीं बची। ये कोई इकलौता मामला नहीं है जिससे महिलाओं पर आरोप लगाए गए हों बल्कि ऐसे अनेकों मामले है जहां महिलाएं अपने सहूलियत के हिसाब से शादी के बाद भी किसी ना किसी के साथ प्रेम जाल में रहती हैं और फिर इन्हीं प्रेमी के साथ मिल कर अपने सातों वचनों को तोड़ देती हैं और बन जाती है कातिल। कहानी कितनी भी पुरानी उठाई जाए जहां इंसानियत और मानवता दोनों शर्मसार हुई और उससे भी ज्यादा कुछ नीलम हुआ तो वो इज्जत थी लेकिन आज का ये दौर और भी आगे निकल चुका है जहां इमोशंस सामने वाले व्यक्ति को देख कर हर वक्त बदल जाता है। एक घटना ऐसी भी है कि एक औरत पहले अपने पति के बॉस से प्यार करती है, संबंध बनता है और जब औरत को एक और नया जीवन (पेट में पल रहे बच्चे) का पता चलता है तो अपने पति के बॉस को ब्लैकमेल करके शादी करने को बोलती है लेकिन जब पति का बॉस इस बात से इंकार करता है तो सारी कहानी अपने पति को बता देती है और फिर दोनों मिल कर अपने बॉस को ही मार देते हैं और इत्तेफाक ये है कि ऐसा सब कुछ हुआ एक सरकारी विभाग में। वह विभाग जिसकी जिम्मेदारी होती है इस देश की रक्षा करना मतलब बात साफ है कहीं कोई भी पाक साफ नहीं है क्योंकि कलयुग का ये वीभत्स दौर चल रहा है। अपने चेहरे को खुश रख कर सबके चेहरे पर मुस्कुराहट बिखेरने वाला ये पुरुष समाज आज के इस वीभत्स हालात में बेरंग और मटमैला हो चला है। जहां जयपुर, राजस्थान में अपने से 12 साल छोटे आशिक के साथ मिल कर एक महिला अपने पति की बेरहमी से हत्या कर देती है और शव को बोरे में भर कर दोनों सुनसान इलाके में छोड़ देते हैं ताकि किसी को पता ना लग सके। ऐसी घटनाओं से प्रतीत होने लगा है कि आज के दौर में पुरुष समाज बेरंग होता हो चुका है। कुछ ऐसा ही एक मामला हरिद्वार, उत्तराखंड से आया की पत्नी अपने प्रेमी के साथ मिल कर अपने पति की हत्या कर देती है। ऐसे अनगिनत मामले हैं जहां पत्नियां अपने प्रेमी के साथ मिल कर पतियों को मौत के घाट उतारती जा रही हैं। जी हां, सही पढ़ा आपने हमारे संस्कार और हमारी संस्कृति तलाक लेने या देने की सिख तो नहीं देते लेकिन अफसोस कि आधुनिकता के इस दौर में नई पीढ़ी को धोखा देने या मर्डर करने में कोई बुराई नजर नहीं आती है। हम सभी ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां एक लड़का पैदा होने पर उसे सिर आंखों पर बैठाया जाता है, उसके बड़े होने तक अच्छी अच्छी सुख सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, अच्छे रोजगार या नौकरी के बंदोबस्त का भी खूब ख्याल रखा जाता है।

आत्मरक्षा की जरूरत

कन्याओं को पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

अशोक मधुप

रविवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए । नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्वरुपा कन्याओं को पूजा जाता है।उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें।उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादति के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादति का मुकाबला भी करना सिखाएं। नवरात्र देश भर में अलग -अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चना की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करे। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां ,महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं। कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ- साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई,अनाज पिसाई, छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नहीं था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला । महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं। समय के साथ- साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे।परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़ ,यौन शोषण चलता रहा।देश में चेतना आई ,शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नही हुए।हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गई, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गई।आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। येवे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर ,युवती की स्मिता की बातकर घटनांए दबाली जाती हैं। अब तक बच्चियों को गाने, बजाने, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बताएं। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है।नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की।

आज का राशिफल

मेषः किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभः स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुनः घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क :लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी।

सिंहः रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्याः बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है।

तुलाः सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। झंझटों में न पड़ें। ईर्ष्यालु सक्रिय रहेंगे।

वृश्चिक : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी।

धनुः यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी।

मकरः अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें।

मीनः घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है।

आज का पंचांग

अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि और गुरुवार का दिन है। षष्ठी तिथि आज रात 9 बजकर 42 मिनट तक रहेगी। आज चैत्र नवरात्र का छठा दिन है। आज स्कन्द षष्ठी मनायी जाएगी। आज रात 12 बजकर 2 मिनट तक सौभाग्य योग रहेगा। इसके अलावा आज पूरा दिन, पूरी रात पर कर कल सुबह 5 बजकर 51 मिनट तक मृगाशिरा नक्षत्र रहेगा। 03 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि- 03 अप्रैल 2025 को रात 9 बजकर 42 मिनट तक रहेगी

सौभाग्य योग- 03 अप्रैल 2025 को रात 12 बजकर 2 मिनट तक

मृगाशिरा नक्षत्र- 03 अप्रैल 2025 पूरी रात पर कर कल सुबह 5 बजकर 51 मिनट तक

03 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- नवरात्रि का छठा दिन, आज स्कन्द षष्ठी भी मनाई जाएगी

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 7:09बजे

सूर्यास्त- शाम 6:39बजे

जानकारी

नारी का गुरुत्व

एक बार तुलसीदास जी के नारी को हठी तथा पराभव का कारक कहने पर कुछ समतावादी उनके रचे हुए पर काफी तीखी प्रतिक्रिया करने लगे। लोग उनके समीप जाकर उन पर आरोपण भी करने लगे कि तुलसीदास जी ने जानकी महिमा तो खूब गाई मगर बाकी नारियों का अपमान किया। इन आरोपों पर तुलसीदास जी ने अपने शांत भाव से कहा कि ऐसा नहीं है मैं तो नारी को अपना गुरु मानता हूं। आप सभी को विदित है कि मेरी अपनी पत्नी रत्नावली से ही मुझे अनंत प्रेम भी था और उसी ने तो मुझे फटकार कर सही राह भी सुझाई। अगर वह न होती तो जीवन में प्रबोधन न हो सकता था।

मुट्ठीभर कैलिफोर्निया बादाम के साथ बढ़ाएं अपनी संपूर्ण सेहत

भोपाल। हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे यह याद दिलाता है कि अच्छी सेहत का मतलब सिर्फ लंबा जीवन नहीं, बल्कि स्वस्थ और बेहतर जीवन जीना है। इसके लिए सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है पोषण, क्योंकि संतुलित आहार हमारी समग्र सेहत की बुनियाद है। पोषण पाने का एक आसान लेकिन असरदार तरीका है अपने रोज़मर्रा के आहार में कैलिफोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना। भारत में सबसे लोकप्रिय कैलिफोर्निया बादाम, प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ई सहित 15 जरूरी पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत हैं, जो सेहतमंद जीवनशैली का समझदारी भरा हिस्सा बन सकते हैं ।हमारी दादी–नानी सदियों से बादाम खाने की सलाह देती आई हैं, और अब विज्ञान भी उनके अनुभवों की पुष्टि करता है। 200 से अधिक प्रकाशित रिसर्च में यह सामने आया है कि बादाम न केवल ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि दिल की सेहत, ब्लड शुगर कंट्रोल और वज़न प्रबंधन में भी मददगार हैं। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में रीजनल हेड, डाइटीटिक्स ऋतिका समद्दार कहती हैं, भारत में खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज़ बढ़ रही हैं। ऐसे में समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और छोटे लेकिन समझदारी भरे फैसले लेना जरूरी है, जैसे बादाम, फल और सब्ज़ियाँ अपनी डाइट में शामिल करना। बादाम खासकर दिल की सेहत के लिए लाभकारी हैं, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करने और सूजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

सैमसंग ने अपने सैमसंग केयर+ के साथ घरेलू उपकरणों पर विशेष एक्सटेंडेड वारंटी का तोहफा दिया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने चुनिंदा रेफ्रिजरेटर्स और फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सैमसंग केयर+ के साथ देशभर में एक विशेष एक्सटेंडेड वारंटी कैंपेन शुरू किया है। यह ऑफर 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है, जिससे उपभोक्ताओं को ज्यादा आकर्षक और किफायती मूल्य पर अपने उपकरणों के लिए बेहतर सुरक्षा मिलेगी। उपकरणों को खरीदने के दौरान ड्यूरैबिलिटी सबसे प्रमुख कारक है, यह पहल सैमसंग की विश्वसनीय आफ्टर–सेल्स सेवा के साथ उपभोक्ताओं को ज्यादा सुविधा और लंबे समय में आश्वासन प्रदान करती है। इस विशेष ऑफर के तहत, उपभोक्ता चुनिंदा फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सिर्फ 499 रुपये के विशेष मूल्य पर 4,290 रुपये की सैमसंग केयर+ के साथ 2 साल की एक्सटेंडेड एवं कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, रेफ्रिजरेटर्स की बात करें तो, सैमसंग फ्रेंच डोर और साइड–बाय–साइड (एसबीएस) मॉडलों पर 4490 रुपये की वारंटी के लिए 449 रुपये और 500 लीटर से नीचे के फ्रॉस्ट फ्री मॉडलों पर 1270 रुपये की वारंटी के लिए 349 रुपये के विशेष मूल्य पर 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी दे रहा है। उपभोक्ता सैमसंग के रिटेल स्टोर्स, सैमसंग डाट काम और देश भर की दूसरी रिटेल दुकानों में इस सीमित समय के ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग का कहना है कि वे ग्राहकों को नए–नए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद और बिक्री के बाद अच्छी सेवाएं देना चाहते हैं। वे हमेशा नए और भरोसेमंद उत्पाद बनाते हैं, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो सके और ग्राहक पूरी तरह संतुष्ट हों।

पेनी स्टॉक ने किया एक महीने में पैसा डबल

10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर बना रॉकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। नए वित्त वर्ष के पहले दिन एक अप्रैल को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई थी। वहीं बुधवार को इसमें कुछ सुधार दिया। हालांकि स्टॉक मार्केट में कुछ शेयर पर इस गिरावट का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। गिरावट से अलग इनमें लगातार अपर सर्किट लग रहा है। ऐसा ही एक शेयर स्टॉक मार्केट में बुलिश बना हुआ है। इसमें लगातार तेजी आ रही है। बुधवार को भी इसमें मार्केट खुलते ही 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस पेनी स्टॉक की कीमत 10 रुपये से कम है।

इस पेनी स्टॉक का नाम स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड है। बुधवार को इस पेनी स्टॉक में मार्केट खुलते ही तेजी आ गई। इस शेयर में पिछले कई दिनों से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। बुधवार सुबह 11 बजे यह शेयर करीब 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 6.26 रुपये पर पहुंच गया। यानी 10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है।शेयर बाजार में हाहाकार के बीच उछला यह जूलरी स्टॉक, प्रमोटर्स ने छुड़ाए सारे गिरवी शेयर, 5 साल में 1750 प्रतिशत तेजी

- **52 हफ्ते के शिखर पर–** यह शेयर इस समय अपने 52 हफ्ते के शिखर पर है। वहीं कंपनी का 52 हफ्ते का निम्नतम स्तर 2.10 रुपये है। यह शेयर अपने निम्नतम स्तर पर 8 अप्रैल 2024 को आया था। इसके बाद से इसमें तेजी बनी हुई है।
- **क्या है कंपनी का काम–** स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड कंपनी कपड़ों से जुड़ा कारोबार करती है। यह कंपनी टेक्सटाइल और ट्रेडिंग सेगमेंट के जरिए कारोबार को ऑपरेट करती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 6.77 करोड़ रुपये है।

- **एक महीने में दोगुना पैसा–** इस शेयर ने एक महीने में ही निवेशकों को दोगुना रिटर्न दे दिया है। एक महीने पहले इसकी कीमत 3.06 रुपये थी। अब 6.26 रुपये है। ऐसे में एक महीने में इसका रिटर्न 104.58 प्रतिशत रहा है। अगर आपने एक महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज आपकी वह रकम बढ़कर 2.04 लाख रुपये हो चुकी होती। यानी एक साल में आपको एक लाख रुपये के निवेश पर एक लाख रुपये से ज्यादा का फायदा हो चुका होता।
- **एक साल में छप्परफाड़ रिटर्न–** एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। एक साल पहले इसकी कीमत 2.10 रुपये थी। यानी तब से लेकर अब तक देखें तो इसका रिटर्न करीब 200 फीसदी रहा है। एक साल में इसने एक लाख रुपये को 3 लाख रुपये में बदल दिया है।

ईवी खरीद रहे हैं तो इन खर्चों को भी जान लीजिए

कोई कार डीलर आपको नहीं बताएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लेकर लोगों में एक उम्मीद रहती है कि ये लम्बे समय में पैसे बचाएंगी। लेकिन, कुछ ईवी मालिकों का कहना है कि इसमें कुछ ऐसे छुपे हुए खर्चे भी होते हैं, जो इसे उम्मीद से ज़्यादा महंगा बना सकते हैं। देखने में तो इनकी कीमत ठीक लगती है, पर कुछ छुपे हुए खर्चों की वजह से बचत होने से पहले ही ये महंगी लगने लगती हैं।

उदित गोयनका ने बताया

एंजल इन्वेस्टर, उदित गोयनका ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर कुछ ऐसी ही बातें बताई हैं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि गाड़ी खरीदने वाले लोग अक्सर इंस्टालेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्चों को नहीं समझ पाते। गोयनका ने कहा, इन अनचाहे छुपे हुए खर्चों की वजह से आपको कम से कम 6,000 किलोमीटर चलने के बाद ही पैसे बचने शुरू होते हैं।

एक और यूजर का छलका दर्द– उनकी इस बात पर एक यूज़र ने स्कूटर के बारे में भी ऐसी ही बात कही। उन्होंने कहा, मैंने एक ईवी स्कूटी का हिसाब लगाया। एक ष्ह्लद्ब1ड्ड जो 1 लाख रुपये की है, वो 5 साल बाद फायदे में आएगी अगर उसे हर महीने 500 किलोमीटर चलाया जाए। ईवी स्कूटी पैसे बचाने के लिए ठीक नहीं है। इसका बस एक ही फायदा है कि आप पर्यावरण के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन जो बिजली इस्तेमाल होती है वो शायद थर्मल पावर से आती है...

- **ईवी रखने के और भी खर्चे हैं–** ईवी रखने के खर्चे इंस्टालेशन के बाद भी खत्म नहीं होते। चार्जिंग का खर्चा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग होता है। बिजली की दरें और टाइम-ऑफ़-यूज़ प्लान बदलते रहते हैं, जिससे मालिकों को हर महीने का खर्चा पता नहीं चल पाता।
- **इसे उदाहरण से समझें–** एक उदाहरण के तौर पर, मान लीजिए आपने एक चमचमाती नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी। डीलर ने आपको खूब सपने दिखाए कि कैसे आप पेट्रोल के खर्च से बचेंगे और पर्यावरण को भी साफ रखेंगे। लेकिन, जब आप गाड़ी लेकर घर पहुंचे, तो असली कहानी शुरू होती है। सबसे पहले तो आपको घर पर चार्जिंग स्टेशन लगवाना पड़ेगा। अब ये चार्जिंग स्टेशन क्या है ये एक तरह का बिजली का सॉकेट है, जिससे आप अपनी गाड़ी को चार्ज करेंगे। लेकिन, ये सॉकेट लगवाना इतना आसान नहीं है। इसके लिए आपको बिजली कंपनी से परमिशन लेनी होगी, मीटर बदलवाना होगा और फिर एक इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर चार्जिंग स्टेशन लगवाना होगा। इन सब में आपके 30-40 हज़ार रुपये तो आराम से लग जाएंगे।
- **फिर होगा लाखों का खर्चा–** अब आप सोच रहे होंगे कि चलो, एक बार इतना खर्चा हो गया तो हो गया, बाद में तो बचत ही बचत है। लेकिन, ऐसा नहीं है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बैटरी होती है, जो कुछ सालों बाद खराब हो जाती है। इस बैटरी को बदलवाने में आपको 50 हज़ार से लेकर 2 लाख रुपये तक का खर्चा आ सकता है।

मूडीज रिपोर्ट: विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी भारत की वृद्धि दर

टैरिफ का कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वृद्धि दर कर उपायों और निरंतर मौद्रिक सहजता के दम पर एक अप्रैल से शुरू नएवित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी, जो विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक होगी। इसके साथ ही, देश पूंजी आकर्षित करना जारी रखेगा और किसी भी विदेशी पूंजी निकासी को आसानी से झेल सकेगा। मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, अमेरिकी नीतियों में अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा, लेकिन भारत और ब्राजील जैसे बड़े उभरते बाजार अपनी घरेलू उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, बड़े घरेलू पूंजी बाजारों, नीति विश्वसनीयता व पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर ऐसे हालात में वैश्विक पूंजी आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, सबसे तेजी से बढ़ती

मार्च में जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सरकार ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए।

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया।

मार्च के दौरान कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सस्टेनेबल सोया फूड्स से भारत में प्रोटीन की कमी हो सकती है पूरी

इंदौर। समाज में हो रहे आर्थिक बदलावों के साथ–साथ दुनिया की बढ़ती आबादी के चलते खेती के ज़रूरी संसाधनों, जैसे ज़मीन और पानी, पर दबाव बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आबादी को 70 प्रतिशत ज़्यादा प्रोटीन की ज़रूरत होगी, और विज्ञान कहता है कि सोयाबीन प्रोटीन का एक आदर्श स्रोत है। एक स्वस्थ समाज के लिए प्रोटीन एक आवश्यक तत्व है, लेकिन यदि यह ज़रूरत केवल जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन से पूरी की गई, तो पर्यावरण को नुकसान होगा, ज्यादा ग्रीनहाउस गैसें निकलेंगी और अधिक पानी व ज़मीन की आवश्यकता होगी। इसलिए, हमें प्रोटीन के मौजूदा स्रोतों को बेहतर बनाने और इंसानों के लिए नए, अच्छे और किफायती प्रोटीन विकल्प खोजने की ज़रूरत है, और यहाँ पर सोया एक आदर्श विकल्प बनकर सामने आया है। भारत में किए गए एक सर्वे के अनुसार, 85 प्रतिशत भारतीयों में प्रोटीन की कमी है। यहाँ तक कि 80 प्रतिशत मांसाहारी लोगों में भी प्रोटीन की कमी पाई गई है। प्रोटीन की कमी से शरीर के विकास और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए, खाने में अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती प्रोटीन स्रोतों को शामिल करना आवश्यक है। सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन एक इंटरनेशनल सोया कांफ्रेंस कर रहा है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में सोया खाने की नई जानकारियाँ बाँटना और पोषण में सोया की भूमिका पर चर्चा करना है। इस कॉन्फ्रेंस में सोया खाने की नई और उभरती प्रवृत्तियाँ, सोया खाना बनाने में नई तकनीकी प्रगति, सोया के पोषण और सेहत के फायदे और सोया से जुड़े नए बिजनेस के मौकों पर विचार किया जाएगा। भारत की बड़ी सोया उत्पादक कंपनियाँ, जैसे यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल, सोनिक बायोकेम, विप्पी सोय पतंजलि फूड्स, मैरिको, सॉलिडारिडाड, सेवर, पीसीके, सीएसके फूडटेक, और बायोन्यूट्रिएंट्स इस कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के वक्ता और प्रतिभागी शामिल होंगे। एसफपीडब्ल्यूए के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू, यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रोपके, एसफपीडब्ल्यूए के मुख्य संरक्षक श्री गिरीश मतलानी, और पतंजलि फूड्स के सीईओ श्री संजीव अस्थाना इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। 25 से अधिक वक्ता सोयाबीन को ह्यूमन फूड के रूप में उपयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सोया खाद्य व्यवसायों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। सोयाबीन एक बहुत सस्टेनेबल प्रोटीन वाली फसल है, जो खराब मौसम में भी अच्छी तरह उग जाती है और पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाती है। आजकल के प्रोटीन उत्पादन को बनाए रखने से ज़मीन, पानी और फॉसिल फ्यूल्स जैसे संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। सोयाबीन का उत्पादन अधिक अच्छा और पर्यावरण के लिए टिकाऊ माना जाता है, क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन होता है और यह बहुत पौष्टिक भी है। इसके साथ ही, सोयाबीन के उत्पादन में ज़मीन, पानी और ऊर्जा का उपयोग भी कम होता है।

400 वर्ग फीट कमरे में ऐसी कौन सी खेती कर डाली अब 50 लाख सालाना की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर के एक कपल ने कमाल कर दिखाया है। अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले ने एक ऐसा काम किया है, जो सुनने में नामुमकिन लगता है। उन्होंने नागपुर जैसे शहर में केसर की खेती की है। यह शहर भीषण गर्मी के लिए जाना जाता है। उन्होंने न केवल केसर उगाया है, बल्कि इसे एक लाभदायक व्यवसाय भी बना दिया है। वे एक छोटे से 400 वर्ग फीट के कमरे में बिना मिट्टी और पानी के दुनिया का सबसे महंगा मसाला उगा रहे हैं।

उन्होंने एरोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल करके कश्मीर की ठंडी और धुंधली परिस्थितियों को बनाया है। इससे वे सालाना 50 लाख रुपये कमा रहे हैं। अक्षय बीबीए ग्रेजुएट हैं और दिव्या बैंकर। दोनों ने 2020 में यह सफर शुरू किया था। उनका टारगेट था कि भारत में केसर की मांग को पूरा किया जाए क्योंकि यहां इसका उत्पादन

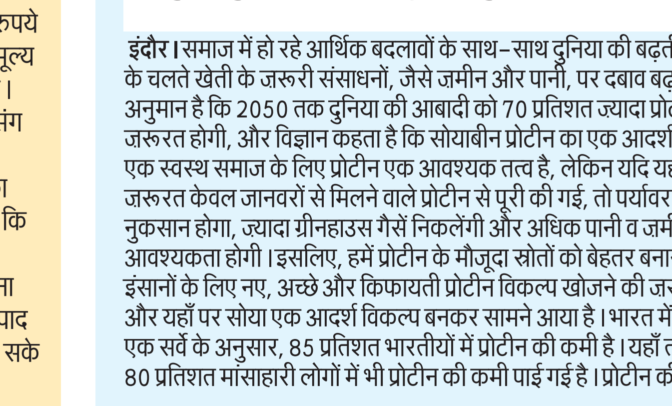

कम होता है। आइए, यहां अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कसिानों से खेती के बारे में सीखा–

अक्षय और दिव्या ने केसर की खेती करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि यह महंगा होता है। इसकी मांग भी बहुत ज्यादा है। लेकिन, भारत में इसका उत्पादन कम है। केसर की खेती को समझने के लिए कपल ने कश्मीर में ढाई महीने बिताए। उन्होंने अनुभवी किसानों से केसर की खेती के बारे में सीखा। उन्होंने सिर्फ 100 केसर बीज से शुरुआत की, जो लगभग 1 किलो थे। पहले साइकिल में उन्हें कुछ ग्राम ही केसर मिला। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी और अपने काम को आगे बढ़ाया।

- **पिछले दो सालों में बंपर कमाई–** अक्षय और दिव्या ने 350 किलो बीज में निवेश किया। अगली फसल में उन्हें लगभग 1,600 ग्राम केसर मिला। इससे उत्साहित होकर उन्होंने अपने काम को और बढ़ाया। उन्होंने हिंगना में 400 वर्ग फीट की एक यूनिट स्थापित की। इसके साथ ही उन्होंने 480 वर्ग मीटर की एक और यूनिट भी लगाई। दोनों की मेहनत रंग लाई। पिछले दो सालों में उनकी कमाई 40 से 50 लाख रुपये के बीच रही है। उन्होंने 150 लोगों को ट्रेनिंग दी है। उनमें से 29 लोगों ने अपनी केसर यूनिटें लगाई हैं। अक्षय और दिव्या ट्रेनिंग के लिए 15,000 रुपये लेते हैं।
- **बनाया सफल बिजनेस मॉडल–** पिछले साल पति–पत्नी की यूनिट और पार्टनर यूनिटों को मिलाकर 45 किलो केसर का उत्पादन हुआ था। 100 वर्ग फीट की यूनिट लगाने में लगभग 10 लाख रुपये का खर्च आता है। इससे सालाना 5 लाख रुपये की कमाई हो सकती है। यह एक बार का निवेश है। बीज सिर्फ एक बार खरीदना होता है। एक बीज से तीन से पांच फूल निकलते हैं। प्रत्येक फूल में तीन केसर के धागे होते हैं। अक्षय और दिव्या इच्छुक किसानों को केसर की यूनिट लगाने में मदद करते हैं। वे इन किसानों से केसर खरीदते हैं और उसे पैक करके बेचते हैं। इससे उन्होंने एक अच्छा बिजनेस मॉडल बनाया है।

1200 रुपये तक जा सकता है टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- खरीदो शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर बुधवार को क्क्स्श्व में 7 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 1073.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स की रेटिंग अपग्रेड कर दी है और कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस 15 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा दिया है। टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1247.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 884 रुपये है।

बाय रेटिंग के साथ 1200 रुपये का टारगेट प्राइस

इंटरनेशनल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज करके 1200 रुपये कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों के लिए 1040 रुपये का टारगेट दिया था। मंगलवार के क्लोजिंग लेवल के मुकाबले टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों में 21 पर्सेंट का उछाल आ सकता है।

पांच साल में 300 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर– टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 300 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 3 अप्रैल 2020 को 263.97 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल 2025 को 1073.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

आईपीएल 2025:

श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन

लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतक से एक साथ तोड़ा धोनी-गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 13वें मुकाबले में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने बड़ी ही आसानी से 8 विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स का ये इस लीग में दूसरा लीग मैच मैच था और दोनों ही मैचों में इस टीम को जीत मिली। पंजाब की बैटिंग इस मैच में धाकड़ रही और इस टीम ने 172 रन के टारगेट को 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

लखनऊ के खिलाफ इस मैच में पंजाब के ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (69 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन) ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जबकि चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए नेहर वढेरा (43 रन) भी नाबाद रहे।

पंजाब के लिए इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह काफी असरदार रहे और अपनी टीम के लिए 3 विकेट लेने में सफलता हासिल की। प्रभसिमरन सिंह को उनकी तेज बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया तो वहीं कमाल की लय में चल रहे कप्तान श्रेयस ने नाबाद पारी के दम पर एमएस धोनी और एडम गिलक्रिस्ट के बड़े रिकॉर्ड को तोड़न में सफलता हासिल की।

श्रेयस अय्यर ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई और बतौर कप्तान एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बना ली।

बतौर कप्तान श्रेयस की आईपीएल में ये लगातार 8वीं जीत रही और उन्होंने एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने कप्तान के रूप में साल 2013 में लगातार 7 मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं श्रेयस ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली जिन्होंने साल 2008 में लगातार 8 मैच जीते थे।

आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)

श्रेयस ने तोड़ा एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के खिलाफ हुए मैच में 30 गेंदों पर 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.33 का रहा। अपनी पारी में लगाए 4 छक्कों के दम पर श्रेयस अय्यर आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए और एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया।

श्रेयस ने बतौर कप्तान इस लीग में अब तक 83 छक्के लगाए हैं जबकि गिलक्रिस्ट ने 79 सिक्स जड़े थे। इस सूची में पहले स्थान पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने 218 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के (पारी)

218 - एमएस धोनी (196)
168 - विराट कोहली (142)
158 - रोहित शर्मा (157)
109 - डेविड वॉर्नर (83)
105 - केएल राहुल (64)
91 - संजू सैमसन (60)
83 - श्रेयस अय्यर (71)
79 - एडम गिलक्रिस्ट (74)

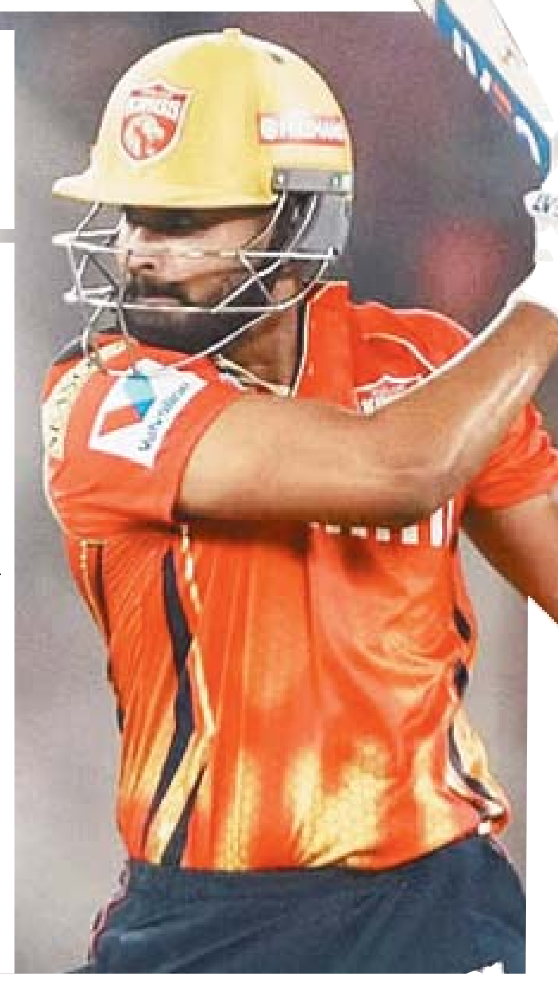

बीसीसीआई ने फिर दिखाया ईशान किशन को ठेंगा

टीम इंडिया में वापसी, अब तो भूल ही जाओ!

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो + ग्रेड में बने रहने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है. इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है. याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था. स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है. दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे.

ईशान किशन को करना पड़ेगा इंतजार

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा. उन्होंने दिक्कतों को सुधारा है, लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके. बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के बाद ईशान किशन ने आईपीएल 2024 में सिर्फ 23 के औसत से 320 रन बनाए थे. इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों में भी किशन कमाल का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. साल 2024 से किशन का टी20 में औसत सिर्फ 28.04 का रहा है.

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज से बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चैंपियनशिप से बाहर

लंदन, एजेंसी। भारत बनाम इंग्लैड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगे।

ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड का टेस्ट समर 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के मद्देनजर स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने सोमवार से डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान का न्यूजीलैंड में बना तमाशा

दूसरे वनडे में हार के साथ गंवाई सीरीज, इस गेंदबाज ने मिटाई सारी कसक

हेमिल्टन, एजेंसी। लो भइया, हार गया एक और मैच, एक और सीरीज पाकिस्तान. न्यूजीलैंड में बन गया तमाशा, पाकिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम का. टी20 सीरीज तो हार ही गए थे. हैमिल्टन वनडे में मिली हार के बाद अब उन्होंने वनडे सीरीज भी गंवा दी है. 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है न्यूजीलैंड, जिसकी कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की एक ना चली.

बेशक 300 रनों से कम का टारगेट था तो मौका लग रहा था. लेकिन, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उस मौके को उनकी पहुंच से दूर कर दिया. खासकर 27 साल के बेन सियर्स ने, जिन्होंने इस मैच में अपनी सारी कसक मिटा ली. उन्होंने अपने वनडे करियर के पहले विकेट से लेकर 5 शिकार करने तक, सब इसी मैच में किए. हैमिल्टन में खेले दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रन से हराया. पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 292 रन बनाए थे.

जवाब में 292 रन का पीछा करने उतरी पाक टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. 41.2 ओवर में ही 208 रन पर उसकी पारी का अंत हो गया. इससे पहले नेपियर में खेले पहले वनडे में पाकिस्तान को 90 रन से हार मिली थी.

बेन सियर्स ने पाकिस्तान का खोला 'पंजा', मिटाई कसक: पाकिस्तान की टीम को लक्ष्य से 84 रन दूर रोकने में सबसे बड़ी भूमिका अपने तीसरा वनडे मैच खेल रहे गेंदबाज बेन सियर्स की रही. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने हैमिल्टन वनडे में कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 9.2 ओवरों में 59 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया. बेन सियर्स ने जहां पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, वहीं उन्होंने इस मैच में अपने वनडे करियर का पहला विकेट भी लिया. इससे पहले खेले 2 वनडे में उनके नाम कोई विकेट नहीं था.

हैमिल्टन वनडे में पाकिस्तान की हार की सबसे बड़ी वजह उसके टॉप के 5 बल्लेबाजों की नाकामी रही, जिनके लिए दहाई का आंकड़ा छूना पहाड़ चढ़ने जैसा रहा. टॉप ऑर्डर का कोई बल्लेबाज डबल डिजीट में रन नहीं बना सका, फिर चाहे वो बाबर आजम हों, इमाम-उल-हक, अब्दुल्लाह शफीक या मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा, सबके सब सिंगल डिजीट स्कोर पर आउट हुए. ये सभी बल्लेबाज 50 रन के अंदर मतलब सिर्फ 32 रन पर पवेलियन लौट चुके थे.

जिस टीम ने सड़क से उठाया, अब उसे ही छोड़ना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल , चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी अगर किसी टीम में रहे तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा रहती है क्योंकि वो एक मैच विनर हैं. लेकिन अब इस मैच विनर बल्लेबाज ने अपनी टीम छोड़ने की इजाजत मांगी है. खबर बेहद चौंकाने वाली है, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल मुंबई रणजी टीम को छोड़ना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगी है. यशस्वी जायसवाल ने इसकी निजी वजह बताई है.

किस टीम से खेलेंगे जायसवाल?

रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया है. वो आने वाले रणजी सीजन में गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. पृथ्वी शॉ से पहले मुंबई के कई क्रिकेटर गोवा खेलने गए हैं. इसमें एक पॉपुलर नाम अर्जुन तेंदुलकर हैं जो कि पहले मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेलते थे लेकिन अब पिछले 3 सीजन से वो गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं. अब यशस्वी जायसवाल भी इसी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं.

ऐसी खबरें हैं कि यशस्वी जायसवाल गोवा के कप्तान बन सकते हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये जरूर है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी के लिए ईमेल किया है.

2019 में किया था मुंबई के लिए डेब्यू

यशस्वी जायसवाल ने साल 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था. फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला मैच उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला. पहले मैच में ये खिलाड़ी कुछ खास कमाल नहीं कर पाया लेकिन इसके बाद जायसवाल ने रनों का अंबार लगा दिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 36 फर्स्ट क्लास मैचों में 60 से ज्यादा की औसत से 3712 रन बनाए हैं. जायसवाल के बल्ले से 13 शतक और 12 अर्धशतक निकले हैं. बता दें यशस्वी जायसवाल को मुंबई की टीम ने ही मौका दिया जिसके बाद वो इतना बड़ा नाम बने. मुंबई ने इस खिलाड़ी को पूरा सपोर्ट किया, उन्हें टॉप ऑर्डर में जगह दी और अब ये खिलाड़ी इस टीम को छोड़ने वाला है.

भारत का सबसे युवा प्रोफेशनल बॉक्सर अब भी देख रहा ओलंपिक मेडल जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव मेडल के दावेदार थे लेकिन वह अपने ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गए। इस हार ने निशांत का दिल तोड़ दिया। वह परिणाम से संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगा कि परिणाम उनके पक्ष में आना चाहिए था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद वह कुछ समय के लिए ब्रेक पर गए। कुछ समय बाद खबर आई की निशांत प्रोफेशनल बॉक्सर बनने वाले हैं। निशांत ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई। निशांत यादव के मुताबिक जब वह 15 साल के थे तबसे

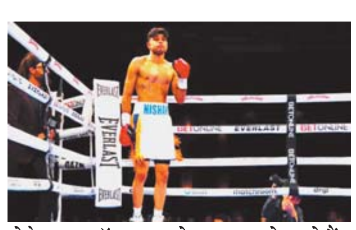

प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर मोहम्मद अली, माइक टाइसन और कॉर्नर मैकग्रेगर की वीडियो देखी और सपना देखने लगे कि एक दिन वह भी ऐसे ही प्रोफेशनल बॉक्सर बनेंगे।

पेरिस ओलंपिक की हार नहीं प्रोफेशनल बनने की वजह

उन्होंने कहा, मेरे चाचा, जो जर्मनी में रहते थे, उन्होंने मुझे प्रोफेशनल बॉक्सिंग की कहानियां सुनाई, और तब से मेरा सपना शुरू हुआज्मैं 15 साल का था।

यह एक गलत धारणा है कि मैं ओलंपिक में मार्को (वर्डे) से हारने के कारण प्रोफेशवल मुक्केबाज बन गया। हां, हार निराशाजनक थी, और उस हार के बाद मैं बहुत बुरी स्थिति में था, लेकिन प्रोफेनल बनने का फैसला मैंने बहुत कर लिया था।'

लॉस एंजेलिस में शुरू हुआ सफर

उन्होंने कहा, पेरिस मेरे लिए मुश्किल था। मेरा पूरा परिवार वहां मौजूद था, और यह मेरे लिए बहुत बड़ी हार थी। जब परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया, तो मैं पूरी तरह से खो गया। लेकिन मेरा परिवार मेरे साथ है, इसलिए उन्होंने मेरा ख्याल रखा।

जब मैं भारत लौटा, तब भी सभी ने यही पूछा, और मैं किसी भी बात का जवाब नहीं देना चाहता था। इसी दौरान उन्हें सबसे पहले कोच रोनाल्ड का फोन आया जो कि खुद एक प्रोफेशनल बॉक्सर रहे हैं।

कोरोना काल में ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद, अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं।

पीएम राहत कोष में दिए थे रुपये

वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी

तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा। राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मझे यह खेल बहत पसंद है।

टाइगर वुड्स और विराट हैं आदर्श

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं। अर्जुन ने कहा, टाइगर वडस बहत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप: विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत, लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस

ट्राउब्रिज से होगा। निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भारवर्गों में खेलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर: दो एसपी समेत 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर सरकार ने दो जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) सहित 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा कि जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक शेख मोहम्मद जाकिर को काकचिंग जिले के एसपी के रूप में स्थानांतरित किया गया है। आदेश के अनुसार, काकचिंग की एसपी प्रियदर्शिनी लैशराम जिरीबाम की नयी एसपी होंगी। यारीपोक के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गौरव डोगरा को सिंगजामेई में तैनाती दी गई है, जबकि सहायक कमांडेंट प्रथम मणिपुर राइफल्स के अभिनव कांगपोकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। अकोईजाम सदानंद सिंह नए अतिरिक्त एसपी यातायात (इंफाल ईस्ट) होंगे, जबकि केशम बोजौकुमार सिंह अतिरिक्त एसपी (सतर्कता) होंगे। वहीं रत्ताना नगासेकपम नए अतिरिक्त एसपी अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) (एसडी) होंगे।

विदेश भेजने के नाम पर भदोही की दलित महिला से ढाई लाख रुपये ठगे

भदोही, एजेंसी। भदोही की एक दलित महिला के पति को विदेश भेजने के नाम पर ढाई लाख रुपये की ठगी करने के एक मामले में यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर आरोपी व्यक्ति और उसके पिता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि औराई थाना क्षेत्र में खेतल पुर गांव निवासी मैना देवी (30) ने भदोही की विशेष अदालत (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) (एससी/एसटी) में चार मार्च, 2025 को एक याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि अदालत के निर्देश पर प्रयागराज के करैली थाना अंतर्गत जे. के. नगर निवासी मोहम्मद खालिद (50) और उसके बेटे राजू (25) के विरुद्ध मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (2) (धोखाधड़ी), 335 (झूठे दस्तावेज बनाना), 336 (2) (जालसाजी), 316 (2) (विश्वासघात), 352 (शांति भंग करने के इरादे से अपमानित करना) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मैना देवी के पति प्रदीप कुमार को विदेश में एसी और कूलर बनाने वाली कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर खालिद और उसके बेटे राजू ने अपने खाते में मार्च, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच दो लाख रुपये हस्तांतरित करवाए थे।

कर्मचारियों की मेहनत को सलाम, काबरा ज्वेल्स ने गिफ्ट की कारें

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में कर्मचारियों की मेहनत की सराहना करने और उन्हें शानदार तोहफे देने की परंपरा जारी है। सूरत के हीरा व्यापारी सावजी ढोलकिया की तरह, अब अहमदाबाद के प्रसिद्ध आभूषण व्यवसायी कैलाश काबरा ने भी अपनी कंपनी काबरा ज्वेल्स लिमिटेड के 12 वरिष्ठ कर्मचारियों को नई कारें गिफ्ट में दी हैं। यह कदम कंपनी द्वारा 200 करोड़ रुपये का कारोबार पूरा करने के जश्न का हिस्सा है। काबरा ज्वेल्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक कैलाश काबरा ने बताया कि उन्होंने 2006 में मात्र 2 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 12 सदस्यों की टीम के साथ इस व्यवसाय की शुरुआत की थी। आज उनकी टीम 140 सदस्यों तक पहुंच गई है और कंपनी ने 2024-25 में 200 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। काबरा ने कहा, यह उपलब्धि मेरी टीम के अथक प्रयासों के बिना संभव नहीं थी। अपने लिए एक लग्जरी कार खरीदने के बजाय, मैं उन कर्मचारियों को सम्मानित करना चाहता था, जिन्होंने इस सफर में अहम भूमिका निभाई है। कैलाश काबरा ने 12 टीम सदस्यों को महिंद्रा एक्सयूवी 700, टोयोटा इनोवा, हुंडई आई10, हुंडई एक्सेंट, मारुति सुजुकी अर्टिगा और ब्रेजा जैसी कारें भेंट कीं। इसके अलावा, कंपनी के अन्य कर्मचारियों को टू-व्हीलर, मोबाइल फोन, फैमिली हॉलीडे पैकेज और सोने-चांदी के सिक्के भी उपहार में दिए गए।

गुजरात में कांग्रेस की सियासी परीक्षा

64 साल बाद अहमदाबाद में होगा अधिवेशन

अहमदाबाद, एजेंसी।
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8 और 9 अप्रैल 2025 को अहमदाबाद में आयोजित होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने की कोशिश करेगी। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को

साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित किया जाएगा। बीते एक दशक में भाजपा ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन करना महज संयोग नहीं माना जा रहा। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा, आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर होती जा रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए भी एक शुरुआती कदम है। कांग्रेस पिछले कई चुनावों में गुजरात में खराब प्रदर्शन से जूझ रही है। हाल के नगर निगम चुनावों में भी उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में यह सत्र पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और संगठन को मजबूत करने का प्रयास होगा। इस सत्र में देशभर से करीब 3,000 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

नूंह को केंद्र सरकार का गिफ्ट, अलवर बॉर्डर तक बनेंगे 9 फ्लाईओवर

नूंह , एजेंसी। नूंह जिले के लोगों के लिए अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाईवे) के नूंह से फिरोजपुर झिरका तक के हिस्से को चौड़ा करने और मजबूत बनाने के लिए मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट के तहत सड़क को चार लेन में विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रा आसान और सुरक्षित होगी। मंगलवार को जिला नूंह के उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने इसकी पुष्टि की है।

केंद्र सरकार ने इस परियोजना के लिए 480.44 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जो पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत है। इस संबंध में केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हरियाणा सरकार के लोक निर्माण विभाग को आधिकारिक पत्र भेजा है। यह पत्र 31 मार्च 2025 को उत्तर क्षेत्र-1, परिवहन भवन, नई दिल्ली से जारी किया गया। उपायुक्त का कहना है कि सड़क के चौड़ीकरण से नूंह और फिरोजपुर झिरका के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि इससे यातायात सुगम होगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

दरअसल, गुरुग्राम-जयपुर नेशनल हाईवे के सोहना मोड़ से सोहना तक एलिवेटिड पुल है, उसके बाद सोहना से जिला नूंह मुख्यालय तक नेशनल हाईवे करीब 17 किलोमीटर चार लेन है। इसके बाद राजस्थान के अलवर सीमा तक करीब 48 किलोमीटर सिंगल रोड है। सड़क भी बदहाल है और सड़क के साथ काफी गांव होने की वजह से वाहनों का दबाव भी रहता है। जिसके चलत काफी धीमी गति से वाहन चलाने पड़ते हैं।

नूंह से अलवर सीमा तक करीब 48 किलोमीटर तक उपरोक्त हाईवे के साथ दोनों तरफ करीब 50 गांव लगते हैं। कई जगह गांव के बाजार हाईवे कर साथ बने हुए हैं। इस वजह से वहां लोगों की भीड़ ज्यादा रहती है। लिहाजा, वहां नौ फ्लाइओवर (व्हीकल अंडर पास) बनाए जाएंगे। उपरोक्त हाईवे के साथ दो बाइपास बनाए जाने प्रस्तावित हैं।

नोएडा में 16 वर्षों में साढ़े चार गुना महंगी हुई आवासीय संपत्ति, घर बनाना अब सपने जैसा

नोएडा , एजेंसी। शहर में वर्ष 2008-9 में बिल्डरों के कदम रखने के बाद संपत्तियों के रेट में इजाफा होना शुरू हो गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बीते 16 वर्षों में आवासीय संपत्ति करीब साढ़े चार गुना महंगी हो गई। बीते छह-सात सालों में संपत्ति की दरें करीब दोगुना हुईं। निजी रूप से संपत्ति की दरें इससे कहीं तेजी से बढ़ रही हैं।

यह हाल तब है, जब कोविड की वजह से वर्ष 2020 और 2021 में प्राधिकरण ने आवंटन दरों में कोई इजाफा नहीं किया गया। पिछले साल प्राधिकरण ने अलग-अलग श्रेणी में छह से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। अब बीते शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में आवासीय संपत्तियों की दरों में छह प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई। ये आवंटन दरें बोर्ड बैठक के मिनट्स जारी होते ही लागू हो जाएंगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2008-9 में सबसे पहले ए श्रेणी के सेक्टर की आवंटन दर 39,600 और सस्ते यानि ई श्रेणी के सेक्टर की आवंटन दर 14,400 रुपये प्रति वर्ग मीटर थी। वर्ष 2015-16 में सबसे महंगे ए श्रेणी के सेक्टर की आवंटन दर 81,400 और सस्ते सेक्टर की आवंटन दर 29,600 रुपये प्रतिवर्ग मीटर थी। प्राधिकरण ने वर्ष 2019-20 में सेक्टर की नई ए प्लस श्रेणी बना दी। इसमें सेक्टर-14ए, 15ए, 44 के ए और बी ब्लॉक रखे गए। अब इन सेक्टर की आवंटन दर 1,75,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। ए श्रेणी के सेक्टर की आवंटन दर अब बढ़कर 1,32,860 हो गई है। इनके अलावा सबसे सस्ते यानि ई श्रेणी के सेक्टर की आवंटन दर 51,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर तक पहुंच गई है। बाजार में इससे अधिक संपत्ति की दरें हैं। जानकारों का कहना है कि श्रेणी ए प्लस के सेक्टर का रेट चार से पांच लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर है।

हरियाणा में बिजली महंगी हुई, नई दरें जारी की गई

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने 2025-26 के लिए नयी बिजली दरों की घोषणा की है जिसके तहत घरेलू और औद्योगिक श्रेणियों के लिए शुल्क में पिछले वर्ष की तुलना में 20 से 30 पैसे प्रति किलोवाट/केवीएएच तक की बढ़ोतरी की गई है। एचईआरसी का आदेश मंगलवार देर रात जारी किया गया। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एचईआरसी ने बिजली की दर में 20 पैसे प्रति किलोवाट की बढ़ोतरी की है। शून्य से 50 यूनिट के स्लैब में दर दो रुपये प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 2.20 रुपये कर दी गई है।

इसी तरह, 51-100 यूनिट स्लैब में भी दर 2.50 रुपये प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 2.70 रुपये की गई है। प्रति माह 100 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं को शून्य से 150 यूनिट के स्लैब में अब 2.75 के बजाय 2.95 रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से भुगतान करना होगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में श्रेणी-एक के लिए शुल्क 2.70 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर दो रुपये (0-50 यूनिट प्रति माह) कर दिया गया था और 51 से 100 यूनिट स्लैब में शुल्क 4.50 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 2.50 रुपये किया गया था, जिन्हें अब नवीनतम आदेश में 2.20 रुपये और 2.70 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है।

बयान में कहा गया, ''इसके अलावा, बिजली

दरों का यह नया ढांचा न्यूनतम मासिक शुल्क (एमएमसी) के बोझ को खत्म करके लोगों को तत्काल राहत प्रदान करता है। हालांकि, दो तरह की शुल्क व्यवस्था शुरू की गई है, जिसमें 300 यूनिट तक मासिक बिजली खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं पर कोई निर्धारित शुल्क नहीं लगाया जाएगा।''

आधिकारिक बयान में कहा गया, ''श्रेणी-एक के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए शुल्क अभी भी पड़ोसी राज्यों की तुलना में सबसे कम है।'' इस बीच, 151-300 यूनिट के स्लैब के लिए दर 5.25 रुपये, 301 से 500 यूनिट तक के लिए 6.45 रुपये और 500 यूनिट से अधिक की खपत के लिए 7.10 रुपये प्रति किलोवाट होगी।

एचईआरसी ने पांच किलोवाट से अधिक लोड वाले उपभोक्ताओं के लिए एक नयी श्रेणी भी बनाई है। शून्य से 500 यूनिट स्लैब के लिए दर 6.50 रुपये, 501 से 1,000 यूनिट के लिए 7.15 रुपये और 1,000 यूनिट से अधिक के लिए 7.50 रुपये प्रति किलोवाट होगी।

इसके अलावा, 301 से 500 तथा 500 यूनिट से अधिक स्लैब में 50 रुपये प्रति किलोवाट का निर्धारित शुल्क लगाया गया है। औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए, 11 केवीएएच आपूर्ति श्रेणी में दर 6.65 रुपये प्रति केवीएएच (किलोवोल्ट-एम्पीयर घंटा) से बढाकर 6.95 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, इस श्रेणी में निर्धारित शुल्क 165 रुपये प्रति केवीए (किलोवोल्ट एम्पीयर) प्रति माह से बढ़ाकर 290 रुपये कर दिया गया है। किसानों को राहत देने के लिए मीटर शन वाली कृषि श्रेणी के शुल्क में कमी की गई है। लोड के अनुसार, न्यूनतम मासिक शुल्क प्रति बीएचपी सालाना 200 रुपये प्रति केवीए से घटाकर 180/144 रुपये कर दिया गया है। मशरूम कम्पोस्ट और स्पॉन, अत्याधुनिक हाइड्रोपोनिक्स, एरोपोनिक्स और शीत भंडारण जैसे उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि उद्योग/एफपीओ के वास्ते 20 किलोवाट से ऊपर का एक नया स्लैब बनाया गया है जिसके लिए शुल्क 6.50 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है। अभी 20 किलोवाट से अधिक लोड वाले एफपीओ का बिल एलटी आपूर्ति श्रेणी के शुल्क के अनुसार दिया जा रहा था।

गुरुग्राम निगम के पास पैसे नहीं, जीएमडीए ने भेजा 164 करोड़ बकाए का नोटिस

गुरुग्राम , एजेंसी।
मिलेनियम सिटी के लोगों को आने वाले समय में पानी की किल्लत झेलनी पड़ सकती है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने एक बार फिर से निगम को पानी-सीवर के बिलों के भुगतान के लिए नोटिस भेज दिया है। जीएमडी द्वारा दिए गए नोटिस में निगम पर पानी-सीवर के 164 करोड़ रुपये बकाया भेजा है।

इस बार नोटिस में जीएमडीए ने यह भी चेतावनी दी है कि पानी के कनेक्शन काटने और सरचार्ज से बचने के लिए समय से बिलों का भुगतान किया जाए। हालांकि निगम के खातें में अब इतने पैसे नहीं बचे हैं कि वह जीएमडीए के 164 करोड़ रुपये का

भुगतान कर सके। ऐसे में अगर जीएमडीए निगम के पानी के कनेक्टशन काटता है तो शहर में पीने के पानी को लिए हाहाकार मच सकता है।

जीएमडीए ने मार्च माह के बिल के भी शामिल करके कुल 164 करोड़ रुपये का नोटिस निगम को ई-मेल के माध्यम से भेजा है। निगम के हालात अब यह हो गए हैं कि निगम की तरफ से करोड़ों रुपयों के इन बिलों का भुगतान के लिए बजट नहीं है। निगम के खाते में फिलहाल मुश्किल से 400 करोड़ रुपये की बचे हैं। अगर निगम जीएमडीए के पानी-सीवर के बिलों का भुगतान कर देता है तो निगम के पास शहर के विकास कार्य और कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी रुपये नही बचेंगे। समय रहते अगर सरकार द्वारा निगम का लंबित 300 करोड़ रुपये का नहीं दिए तो अगले साल तक निगम में कर्मचारियों और अधिकारियों को वेतन देने के लिए भी रुपये नहीं बचेंगे।

नगर निगम के खातें में फिलहाल करीब 400 करोड़ रुपये ही बचे हुए हैं। इनमें से निगम को 164 करोड़ रुपये जीएमडीए का भुगतान करना है। 300 करोड़ रुपये श्रीशीतला माता मेडिकल कॉलेज के निर्माण का भी भुगतान किया जाना है। करीब 200 करोड़ रुपये निगम कार्यलय इस साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका भी भुगतान निगम को करना है।

भूपेश बघेल की बढ़ीं मुश्किलें

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने महादेव ऐप घोटाले में उन्हें आरोपी बनाया है। 6000 करोड़ के ऑनलाइन सट्टा घोटाले से जुड़े केस में सीबीआई ने बघेल का नाम एफआईआर में शामिल किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब एक सप्ताह पहले एजेंसी ने चार राज्यों में 60 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें बघेल का आवास, कुछ नौकरशाह और पुलिस अधिकारियों के घर शामिल थे।

एफआईआर में कहा गया है कि महादेव बुक ऐप के मालिकों ने पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों को प्रोटेक्शन मनी के तौर पर बड़ी रकम दी, ताकि उनकी अवैध गतिविधियों के खिलाफ ऐक्शन ना लिया जाए। यह पैसा हवाला के जरिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाया जाता था और फिर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों तक पहुंचता था। इस तरह कई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने खुद को फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी और हिन्दुस्तान टाइम्स ने 21 जनवरी को सबसे पहले यह बताया था कि सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पुलिस से जांच अपने हाथ में लेने के बाद बघेल को भी आरोपी बनाया है। भूपेश बघेल ने इस पर कहा, मुझे सीबीआई के एफआईआर की जानकारी नहीं है।

गुरुग्राम के पटौदी के होटल में फायरिंग, 3 गंभीर रूप से घायल

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के पटौदी में एक होटल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। होटल संचालक की फायरिंग में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोली चलाने वाले होटल मालिक को हिरासत में ले लिया। आरोपी के लाइसेंसी हथियार को कब्जे में लेकर पटौदी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पटौदी थाना पुलिस को सुबह करीब साढ़े 11 बजे सूचना मिली कि पटौदी के एक होटल में गोली चली है, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो सामने आया कि पटौदी क्षेत्र के एक किशोर और किशोरी घर से भागकर होटल में आ गए।

बताया जाता है कि इसकी जानकारी जब किशोरी के परिजनों को लगी तो वह किशोरी को ढूंढते हुए होटल पहुंच गए। इस दौरान उनके साथ काफी अधिक संख्या में लोग थे, जिन्होंने होटल में प्रवेश करने का प्रयास किया। आरोप है कि यह सभी किशोर और किशोरी को उनके हवाले करने की जिद् कर रहे थे। लेकिन, होटल संचालक द्वारा पुलिस को बुलाकर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया।

फरीदाबाद में दर्दनाक हादसा, डंपर ने स्कूल बस समेत तीन गाड़ियों को मारी टक्कर; एक की मौत

फरीदबाद , एजेंसी। फरीदबाद में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के सेक्टर-21सी के पास रेडलाइट चौराहे पर भयानक एक्सीडेंट हुआ है। एक तेज रफ्तार डंपर ने स्कूल बस समेत तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई और महिला के पति समते 6 लोग घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, जब ट्रक ने स्कूल बस को टक्कर मारी तो उसमें बच्चे नहीं सवार थे।

घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे यहां से एक ट्रक कई टन वेस्ट लेकर जा रहा था। इस दौरान डंपर एक बोलेरो से टकरा गया। इस दौरान बोलेरो पिकअप पलटकर रुक गया। इस दौरान पिकअप ड्राइवर का कंपार्टमें बच गया, लेकिन वाहन का पिछला हिस्सा डंपर से दब गया।

इस घटना की जानकारी देते हुए सूरजकुंड प्रभारी प्रह्लाद सिंह ने बताया कि मृतक महिला की पहचान सेक्टर-22 की रहने वाली स्वर्णा त्रिपाठी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वो अपने पति शिवांग कुमार के साथ कार से सेक्टर-21 स्थित जिम आई थीं। इस दौरान डंपर ने अनियंत्रित होकर सबसे पहले कार को टक्कर मारी, जिससे पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों की शादी को महज दो साल हुए थे। पुलिस ने बताया कि टक्कर लगने के बाद डंपर ट्रैफिक सिग्नल से टकराया और स्कूल बस से जाकर लड़ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूल बस की चेसिस मुड़ गई। इसके बाद आगे बढ़कर डंपर बोलेरो पिकअप पर पलट गया और उसको भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में स्कूल बस में बैठे दो लोग भी घायल हुए हैं। मृतक महिला के पति समेत सभी घायलों को सेक्टर-21ए के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि उसे नींद आ गई थी या कपल की कार अचानक दंपत्ति की कार गाड़ी के सामने आ गई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

संक्षिप्त समाचार

श्रीमद् भागवत कथा को लेकर हुई बैठक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। प्रखंड के बैगना गांव में वृंदावन के महान संत की ओर से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर आयोजक सेवानिवृत्त शिक्षक रामचंद्र राय के नेतृत्व में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें विधि व्यवस्था, ठहरने समेत अन्य कार्यों के लिए पर विचा-विमर्श किया गया। बताया कि वृंदावन के जगतगुरु राधा बल्लभ दास देवाचार्य महाराज के द्वारा 6 से 12 अप्रैल 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश शोभा यात्रा से होगा।

बक्सर में 90 वर्षीय शिक्षक ने किया देहदान

बक्सर, एजेंसी। बक्सर में पहली बार देहदान का ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और आदर्श इंटर कॉलेज, गहमर के पूर्व प्राचार्य रामछबिला सिंह(90)ने अपनी मृत्यु के बाद देहदान किया। उन्होंने चार साल पहले दधीचि देहदान समिति, बक्सर के जरिए देहदान का संकल्प लिया था। 31 मार्च को उनके निधन के बाद भतीजे सुजीत कुमार ने समिति की अध्यक्ष मीना सिंह को सूचना दी। बिहार समिति के साथ समन्वय के बाद उनके पार्थिव शरीर को एम्बुलेंस से इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना ले जाया गया। वहां एनाटॉमी विभाग को शरीर सौंपा गया। इस अवसर पर दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष और पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद मौजूद थे। साथ ही, पद्मश्री बिमल जैन, दीघा विधायक संजीव चौरसिया और आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार भी उपस्थित रहे। बक्सर इकाई की अध्यक्ष मीना सिंह, समिति के पदाधिकारी और मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पूरे सम्मान के साथ शरीर का दान किया गया।

बिहार में कपल के बीच कलह, दोनों ने खाया जहर, पत्नी की मौत

बांका, एजेंसी। बिहार में पति-पत्नी के आपसी कलह में बड़ी घटना हुई है। बांका जिले के पंजवारा थाना क्षेत्र के चचरा गांव में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी कलह में दोनों ने जहर खा लिया। जिसमें पत्नी कृति कुमारी (19 उम्र) की मौत हो गई। जबकि पति संतोष मंडल की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया है। कृति कुमारी का मायका बौंसी थाना क्षेत्र के झपनियां गाँव में है। कृति कुमारी की शादी एक साल पहले हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर पंजवारा पुलिस बुधवार को मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बांका में ऑटो-बाइक की टक्कर, चालक की मौके पर मौत

बांका, एजेंसी। बांका में मंगलवार रात एक सड़क हादसा हुआ। अमरपुर थाना क्षेत्र के इंग्लिशमोड़-अमरपुर मुख्य रास्ता पर विश्म्भरचक स्कूल के पास तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान किशनपुर गांव निवासी बेचन साह के 22 साल के बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। बाइक पर सवार दो अन्य युवक बेला गांव के श्रवण कुमार और फतेहपुर गांव के सूरज मंडल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे बाइक इंग्लिशमोड़ चौक की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष विक्की कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। रेफरल अस्पताल में डॉक्टर ज्योति भारती ने राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ऑटो चालक को हिरासत में ले लिया है और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर ने लॉन्च किया सोशल मीडिया अकाउंट्स

खेल संबंधी गतिविधियां और विवि की पहल की जानकारी दी जाएगी

नालंदा, एजेंसी। बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर ने अपनी पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट लॉन्च कर दिए हैं। विश्वविद्यालय अब फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर मौजूद है, जहां से खेल संबंधी गतिविधियों और विश्वविद्यालय की पहलों की जानकारी नियमित रूप से साझा की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव रजनीकांत, आईएएस (से.नि.) ने बताया कि डिजिटल युग में हमारी मौजूदगी सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हम न केवल युवाओं से संवाद स्थापित करेंगे, बल्कि बिहार के खेल इकोसिस्टम के विकास की यात्रा को भी साझा करेंगे। इसी कड़ी में माय जीओवी इंडिया ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की है, जिसमें उसकी आधारभूत संरचनाओं और सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया है।

विश्वस्तरीय अवसंरचना

90 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय का निर्माण 770 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। यह बिहार का पहला यूजीसी मान्यता प्राप्त खेल विश्वविद्यालय है जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी और क्रिकेट स्टेडियम सहित 23 अलग-अलग खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, यहां 38 खेलो इंडिया केंद्र और एक खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया गया है।

प्रशिक्षण और अनुसंधान का केंद्र

विश्वविद्यालय में तीन भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के प्रशिक्षण केंद्र हैं, जहां विशेषज्ञ कोचों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जाता है। खेल विज्ञान और खेल मनोविज्ञान में विशेष पाठ्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। प्रशिक्षकों के लिए विशेष कोचिंग, खेल प्रौद्योगिकी और पोषण पर उन्नत शोध केंद्र भी विश्वविद्यालय की विशेषताओं में शामिल हैं। खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण, विशेषज्ञ कोचिंग और आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

खेलों का विविध स्पेक्ट्रम

विश्वविद्यालय में ओलंपिक खेलों जैसे एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती और तैराकी के अलावा टीम स्पोर्ट्स में फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल और कबड्डी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष खेलों में तीरंदाजी, ताइक्वांडो, शूटिंग और साइक्लिंग भी शामिल हैं। राज्य सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्देश्य बिहार में खेल क्रांति लाना और युवाओं के सपनों को उड़ान देना है। राजगीर अब राज्य की खेल राजधानी के रूप में उभर रहा है, जहां युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

आकांक्षी खिलाड़ियों के लिए अवसर

सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, आगामी प्रतियोगिताओं, प्रवेश प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और खेल से जुड़े युवाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल मंचों पर उनकी उपस्थिति से बिहार के खेल परिदृश्य को एक नई पहचान मिलेगी और राज्य के युवाओं को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

बदमाशों ने रास्ते में रोककर बुलेट में लगाई आग

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में पांच लाख रुपया रंगदारी नहीं देने पर हथियार से लैस बदमाशों द्वारा रास्ते में रोक कर बुलेट बाइक में आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के वन्द्वार गांव की है। रात हुई इस घटना में धू-धू कर जलती बाइट का एक वीडियो भी काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस संबंध में पीड़ित पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि कल एक अप्रैल को मेरे छोटे बेटे मोनू उर्फ लक्ष्मीकांत गौतम के मोबाइल पर गांव के ही कन्हैया कुमार ने फोन करके पांच लाख रुपए रंगदारी मांगी। रंगदारी नहीं देने पर पूरे परिवारों को जान से मारने की धमकी दी। रात में मैं अपना हार्डवेयर का दुकान बंद करके बुलेट बाइक से घर जा रहा था।

नकद और जेवर की लूट: तभी कन्हैया कुमार घर से थोड़ी दूरी पर हथियार के बल पर रोक कर मारपीट करने लगा। मेरे पास से करीब 75 सौ रुपया और सोने का चेन छीन लिया। मौके पर उसके परिवार के लोग सहित कुछ अन्य लोग थे। इन लोगों ने जान मारने की नीयत से हमला कर दिया। इसके बाद बुलेट से उतर कर गाड़ी पर पेट्रोल छिड़क कर बुलेट में आग लगा दिया। आग लगाते ही हम जान बचाने के लिए वहां से भाग गए। घटना में बुलेट जलकर राख हो गया। घटनास्थल पर उपस्थित कुछ ग्रामीणों ने बाइक जलाने का वीडियो भी बना दिया। पुरुषोत्तम सिंह का कहना है कि आरोपियों पर पहले भी नीमा चांदपुरा थाना में केस दर्ज है। फिलहाल आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

17 से होगी शराब तस्करी में जब्त वाहनों की नीलामी

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में शराब तस्करी के मामलों में जब्त की गई 114 गाड़ियों की नीलामी होने जा रही है। यह नीलामी तीन चरणों में होगी। पहला चरण 17 अप्रैल को, दूसरा 24 अप्रैल को और तीसरा 2 मई को आयोजित किया जाएगा। इसमें छोटी बड़ी वाहन शामिल है। इसको लेकर सहरसा उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त संजीव ठाकुर ने बताया कि नीलामी सहरसा उत्पाद विभाग कार्यालय में होगी। इसमें ट्रक, टेंपो, कार, मोटरसाइकिल और साइकिल शामिल हैं। ये सभी वाहन वर्ष 2023-24 में बिहार मद्य निषेध और उत्पाद अधिनियम, 2016 के तहत जब्त किए गए थे। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक लोगों को 15 अप्रैल तक पंजीकरण कराना होगा। उन्हें उत्पाद विभाग कार्यालय और संबंधित थानों में जाकर वाहनों का निरीक्षण करना होगा। वाहन की मूल्यांकन राशि का कम से कम 20 प्रतिशत जमा करना अनिवार्य है।

एआईएमआईएम नेता बोले–हिन्दू मुस्लिम सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरा है वक्फ बिल: अख्तरुल ईमान

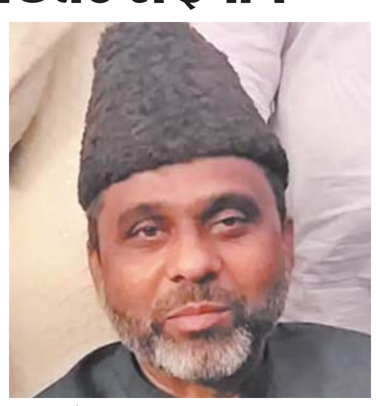

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के ठाकुरगंज में एआईएमआईएम पार्टी के सीमांचल प्रभारी गुलाम हसनैन ने मंगलवार शाम को ईद मिलन समारोह का आयोजन किया। इस दौरान एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने वक्फ बिल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। ईमान ने कहा कि वक्फ बिल सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरा है। उन्होंने इसे संविधान के मौलिक अधिकारों पर हमला बताया। उनका कहना है कि यह बिल देश में हिंदू-मुस्लिम के बीच सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के रोजगार, किसानों की समस्याओं और बढ़ती महंगाई पर ध्यान नहीं दे रही है।

लगातार गिर रही रुपए की कीमत

अख्तरुल ईमान ने कहा कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि जो सामान पहले 100 रुपए में मिलता था, वह अब 500 रुपए में भी नहीं मिलता। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है, मगर इसके बारे में मोदी जी को चिंता नहीं है। ईमान ने दावा किया कि इस बिल का विरोध सिर्फ मुस्लिम समुदाय ही नहीं, बल्कि गैर-मुस्लिम भी कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश में धर्मनिरपेक्षता अभी जीवित है, इसलिए यह बिल संसद में पारित नहीं होगा।

एकता बरकरार रखने के लिए किया आयोजन

एआईएमआईएम जिला महासचिव राहिल अख्तर और सीमांचल प्रभारी गुलाम हसनैन ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र में हिंदू मुस्लिम एकता को बरकार रखने के लिए किया गया है। जिसमें मुस्लिम भाइयों के साथ-साथ हिंदू भाई भी मौजूद होकर एकता का प्रतीक दिए है। इस दौरान गुलाम हसनैन ने कहा कि यह कार्यक्रम विधानसभा चुनाव का बिगुल को लेकर नहीं बल्कि सिर्फ एक मिलन समारोह है।

बगहा में स्कूल को जलाने का प्रयास:लोगों ने असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की

बिजली के तार भी जले सप्लाई बाधित

बगहा /बेतिया (पश्चिमी चंपारण)), एजेंसी। रामनगर थाना क्षेत्र के नरैनापुर प्राथमिक विद्यालय के पास असामाजिक तत्वों द्वारा आगजनी की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। दरअसल, असामाजिक तत्वों के द्वारा स्कूल को जलाने का प्रयास किया गया। आग इतनी भीषण थी कि आसपास के बिजली के तार भी चपेट में आ गए और जलने लगे। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया, और स्थानीय लोग भय से भर गए। दरअसल, मंगलवार की रात करीब 10 बजे अचानक नरैनापुर प्राथमिक विद्यालय के पास आग की तेज लपटें उठने लगीं। जिसके बाद लोग मौके पर पहुंचे और आग को बुझाने का प्रयास किया।

अंधेरे का फायदा उठाकर भागे

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया ह कुछ संदिग्ध लोगों को मौके पर देखा गया था, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वे भाग निकले। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के पेड़-पौधे और बिजली की तारें भी इसकी चपेट में आ गईं। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने का प्रयास किया। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक आग से काफी नुकसान हो चुका था। घटना के बाद उप प्रमुख प्रतिनिधि सुजल सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रशासन से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने कहा, कि ÷यह घटना बहुत गंभीर है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।÷ इधर पुलिस प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश जारी

थाना प्रभारी ने बताया कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से ही स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ गई हैं और पुलिस को इस पर सख्ती से नजर रखनी चाहिए। कई लोगों ने मांग की है कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समस्तीपुर में बनारस जैसी हुई गंगा आरती

समस्तीपुर, एजेंसी। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के नमामि गंगे परियोजना के तहत जिला गंगा समिति समस्तीपुर की ओर से मंगलवार शाम मोहनपुर प्रखंड से गुजरने वाली गंगा नदी के रसलपुर घाट पर गंगा आरती कार्यक्रम हुआ। बनारस के पंडितों को बुलाया गया था। गंगा आरती के दौरान मंत्र उच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का संचालन वरीय उप समाहर्ता स्नेहा कुमारी और पुस्पिता झा ने किया। गंगा आरती के मुख्य यजमान के रूप में स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह को बनाया गया। यह गंगा आरती बनारस के जैसे भव्य हुई।

ये लोग रहे उपस्थित

मुख्य रूप से उपस्थित जिला गंगा समिति के डीपीओ निरजेश कुमार, जदयू के मोहीउद्दीन नगर प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार सिंह गुल्लू, क्षत्रिय चेतना मंच के अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, घरनीपट्टी पूर्वी के मुखिया अमरेन्द्र कुमार सिंह, उप मुखिया अमरेन्द्र कुमार सिंह, भारतीय वन्यजीव संस्थान के जलज असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर कुणाल कुमार सिंह, गंगा समग्र के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह,पंचायत समिति सदस्य उमाकांत निषाद , नमामि गंगे के जिला संयोजक भाई रणधीर और धर्मवीर कुंवर आदि थे।

स्कूल मर्ज करने पर ग्रामीणों ने शिक्षकों को बनाया बंधक

अभिभावक बोले- बिना मर्जी का कर दिया मर्ज, बच्चे नहीं जाएंगे स्कूल; आंदोलन की चेतावनी

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले के नारायणपुर प्रखंड के नगरपारा उत्तर पंचायत में स्थित मध्य विद्यालय नारायणपुर को दूसरे स्कूल में मर्ज करने के फैसले का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। मंगलवार को दर्जनों ग्रामीणों ने स्कूल में पहुंचकर प्रदर्शन किया और शिक्षकों को बंधक बना लिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा विद्यालयों को मर्ज करने के लिए जो गाइडलाइन तय की गई है, उसके अनुसार यह स्कूल मर्ज होने के योग्य नहीं है, फिर भी इसे इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय नारायणपुर में मर्ज किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बिना ग्रामीणों की सहमति के गुपचुप तरीके से आम सभा कर मर्ज का फैसला ले लिया। ग्रामीणों ने बताया कि नया स्कूल यहां से काफी दूर है और वहां जाने के लिए बच्चों को राष्ट्रीय राजमार्ग ह॥-31 पार करना पड़ेगा। इससे उनकी सुरक्षा को गंभीर खतरा होगा और कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने सैकड़ों लोगों के हस्ताक्षर युक्त आवेदन जिलाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपकर इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान गुस्साए अभिभावकों ने साफ कह दिया कि उनके बच्चे इसी स्कूल में पढ़ेंगे, वरना वे उन्हें कहीं और नहीं भेजेंगे। घंटों चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बीच शिक्षकों को भी बंधक बना लिया गया।

स्कूल प्रशासन भी अनभिज्ञ, केवल आदेश का पालन कर रहे शिक्षक : विद्यालय के प्रभारी ने कहा कि उन्हें केवल व्हाट्सएप पर सूचना मिली थी कि यह स्कूल दूसरे विद्यालय में मर्ज किया जा रहा है। इससे पहले क्या योजना बनी थी, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वे केवल उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन कर रहे हैं।

मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी : इस मामले में प्रशासन की ओर से अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। फिलहाल, पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है और लोग प्रशासन के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

पटना के महावीर मंदिर में पूजा–पाठ हुआ महंगा, नैवेद्यम लड्डू के दाम भी बढ़े

पटना, एजेंसी। पटना स्थित महावीर मंदिर प्रबंधन ने एक अप्रैल से नैवेद्यम और मंदिर से जुड़े पूजा-पाठ की सेवाओं की दरों में बढ़ोतरी की है। नैवेद्यम की कीमतों में 30 रुपये प्रतिकिलो का इजाफा किया गया है। नई कीमत प्लास्टिक पैक में प्रतिकिलो 380 रुपये और कार्टन (गत्ते) के पैकेट में 360 रुपये प्रतिकिलो हो गया है। पहले प्लास्टिक पैक में नैवेद्यम की कीमत 350 रुपये किलो और गत्ते के डिब्बे में इसकी कीमत 330 रुपये प्रति किलो थी। न्यास समिति की बैठक में नैवेद्यम की दरें बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। न्याय समिति ने घी, चीनी, बेसन, काजू, किशमिश, इलायची आदि की दरों में बढ़ोतरी के कारण कीमतों में वृद्धि का फैसला लिया है। इसके पहले 23 अक्टूबर 2022 को नवैद्यम की कीमत में 30 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई थी।

पूजा अर्चना सहित अन्य दरें भी बढ़ीं : महावीर मंदिर में एक अप्रैल से पूजा-अर्चना, जप और पाठ, वाहन पूजा सहित अन्य चीजों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। रूद्राभिषेक (तीन घंटा) के लिए 51 सौ रुपये की जगह 5610 रुपये देने होंगे। सत्यनारायण पूजा की दर 11 सौ से बढ़ाकर 1210 रुपये कर दी गई है। रामार्चा पूजा और हनुमत पूजा के लिए 21 सौ की जगह 2310 रुपये देने होंगे। मुंडन के लिए 501 की जगह साढ़े पांच सौ लगेंगे। बाइक की पूजा के लिए 101 की जगह 115 रुपये और चारपहिया वाहन के लिए 251 की जगह 275 रुपये देने होंगे।

लापता लेडीज पर फिर लगा आइडिया चोरी करने का आरोप

विदेशी शॉर्ट फिल्म से मिलती है कहानी

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' एक बार फिर से चर्चा में है। आमिर खान प्रोड्यूस इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लग रहा है।

साल 2024 में किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। यह फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री के तौर पर भी शामिल हुई। लगभग एक साल बाद इस फिल्म की कहानी को चोरी का बताया जा रहा है। कुछ रेडिट पोस्ट में एक विदेशी फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी, सीन्स का जिक्र किया गया है, जो लगभग 'लापता लेडीज' से मिलते-जुलते हैं।

शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी

साल 2019 में एक विदेशी शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' रिलीज हुई, यह फिल्म 19 मिनट की है।

कहानी में मिडिल ईस्ट को दिखाया गया है, जहां एक व्यक्ति की नई दुल्हन किसी दूसरी महिला से बदल जाती है क्योंकि दोनों महिलाओं ने बुर्का पहना होता है। यह शॉर्ट फिल्म एक सटायर कॉमेडी थी। बिल्कुल इसी कहानी पर ही फिल्म 'लापता लेडीज' भी बनी है। किरण राव निर्देशित फिल्म में भी दो दुल्हनें इसलिए बदल जाती हैं क्योंकि उन्होंने घुंघट डाला हुआ था। इसके अलावा फिल्म में महिलाओं से जुड़े कई मुद्दों को भी दिखाया गया है।

पहले भी लगा है चोरी का आरोप

जब 'लापता लेडीज' रिलीज हो रही थी तब भी निर्देशक अनंत महादेवन ने इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लगाया था। अनंत का कहना था कि साल 1999 में उन्होंने एक फिल्म 'घूंघट के पट खोल' बनाई, इसकी कहानी भी दो दुल्हनों के बदल जाने और खुद के अस्तित्व को तलाशने की थी। उस समय भी किरण राव और आमिर खान ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध कर रखी थी।

गुस्से में सोशल मीडिया यूजर

अब एक बार फिर 'बुर्का सिटी' नाम की विदेश फिल्म की कहानी चोरी करने का आरोप 'लापता लेडीज' के मेकर्स पर लग रहा है तो सोशल मीडिया यूजर काफी नाराज हैं। कई यूजर्स का कहना है कि किसी से प्रेरित होना बुरी बात नहीं लेकिन कम से कम जिनका असल आइडिया है उनको क्रेडिट तो देना ही चाहिए था। कई यूजर्स इस तरह कहानी और सीन्स को चोरी करने की बात को बहुत ही निराशाजनक बताते हैं।

रणवीर सिंह का दिखेगा अलग अंदाज

बॉलीवुड के अभिनेता रणवीर सिंह के पास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनकी लंबी दाढ़ी वाला लुक चर्चा में है। इसके अलावा वह फरहान अख्तर के डायरेक्शन वाली डॉन 3 का भी हिस्सा हैं।

हालांकि, सबसे रोमांचक खबर ये है कि रणवीर अब जल्द ही एक जॉम्बी फिल्म में नजर आ सकते हैं, जिसे वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे।

जॉम्बी फिल्म की चल रही तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर अपनी जॉम्बी फिल्म पर जोर-शोर से काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे। अभी ये प्रोजेक्ट शुरुआती दौर में है और स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। रणवीर खुद स्क्रिप्ट में अपने सुझाव दे रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि साल के अंत तक स्क्रिप्ट फाइनल हो जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अगर सब ठीक रहा तो डॉन 3 के बाद ये उनकी अगली फिल्म हो सकती है। हालांकि, अभी कुछ भी पक्का नहीं है। अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा जुलाई 2024 में हुई थी। ये फिल्म 1970 और 1980 के दशक में भारतीय खुफिया एजेंसियों की दुनिया को दिखाएगी। इस फिल्म की शूटिंग मई तक खत्म होने की उम्मीद है, लेकिन रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई।

शबाना ने बताया, जीवन में अभी और क्या तलाशना बाकी है

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शबाना आजमी का कहना है कि, यह मानना ??अवास्तविक होगा कि उन्होंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। उनके अनुसार, अभी तो पूरा जीवन ही जानना बाकी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ऐसा कुछ है जो वह अभी भी नहीं जानती या जिसके बारे में वह जानना चाहती हैं, शबाना ने आईएएनएस को बताया- हां, संपूर्ण जीवन। क्योंकि यह सोचना बेकार है कि मैंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। हां, मैं अब ज़्यादा रोमांचक काम नहीं कर सकती। वो बेवकूफी होगी, लेकिन मैं फिर भी करना चाहती हूं। मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। अभिनेत्री ने 1974 में अंकुर से अपनी शुरुआत की थी। शोबिज की दुनिया में पांच दशक बिताने वाली इस अभिनेत्री की फिल्मोग्राफी में 160 से ज्यादा फिल्में शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर स्वतंत्र और नवयथार्थवादी समानांतर सिनेमा की हैं। उन्होंने मुख्यधारा की फिल्मों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट भी किए हैं। शबाना विभिन्न विधाओं में विशिष्ट, अक्सर अपरंपरागत महिला किरदारों के लिए लोकप्रिय हैं।

अपने दमदार अभिनय के कारण उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। अभिनेत्री को 1998 में पद्म श्री और 2012 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। पीछे मुड़कर देखें तो क्या ऐसी कोई भूमिका है जिसे न निभा पाने का उन्हें अफसोस है या कोई ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा आप बनना चाहती थीं? वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र मंच, अंतरा एजईजी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अभिनेत्री ने कहा अभिनेत्री ने कहा, मेरी एक दोस्त कहती है कि मेरी एक अजीब आदत है। मैं कभी-कभी कहती हूं, अच्छा हुआ मैंने वो फिल्म नहीं की। वो पूछती है, क्या तुम्हें वो फिल्म ऑफर हुई थी? मैं कहती हूं, नहीं। तो वो कहती है, फिर तुम क्यों खुश हो? मेरे दिमाग में एक ख्याल आता है कि अच्छा है कि मैंने वो फिल्म नहीं की, लेकिन जब मुझे वो मिली ही नहीं, तो मैं क्या ही कर लेती? वह दोस्त मेरी इस बात पर हमेशा हंसती है। काम की बात करें तो अभिनेत्री को आखिरी बार आर. बाल्की की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म घूमर में देखा गया था। इसमें अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और अंगद बेदी भी हैं।

बीते दिनों कंगना रनौत और हंसल मेहता के बीच सोशल मीडिया पर तकरार हुई। इस कहासुनी के बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अदाकारा की दिल खोलकर तारीफ की है और कहा कि वे उनका बहुत सम्मान करते हैं। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई।

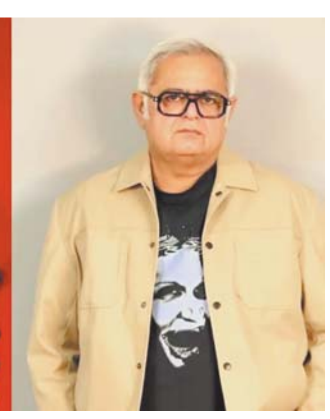

सोशल मीडिया पर तकरार के बाद हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल, बोले- उनका कायल हूं

दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है।

दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

बोले- कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

राम कथा सुनाएंगे बिग बी

रामनवमी के अवसर पर जियो-हॉटस्टार दर्शकों के लिए अयोध्या से एक विशेष लाइव स्ट्रीमिंग करेगा। इस दौरान अमिताभ बच्चन भगवान राम की प्रेरक कथा सुनाएंगे। साथ ही राम जन्मभूमि पर होने वाले सभी विशेष धार्मिक कार्यक्रमों को भी इस पर प्रसारित किया जाएगा। 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह स्ट्रीमिंग चलेगी।

स्ट्रीमिंग के दौरान अमिताभ बच्चन राम के मूल्यों पर चर्चा करेंगे। उत्सव में राम के जन्म, रामायण के सात कांडों और राम जन्मभूमि से जुड़ी कथा लाइव स्ट्रीम पर चलेगी। इसके अलावा अमिताभ बच्चन बच्चों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन भी करेंगे। जिसमें रामायण के कांडों की चुनिंदा कहानियों और दोहों को भी दिखाया जाएगा।

इस स्ट्रीमिंग के माध्यम से अयोध्या में की जाने वाली विशेष पूजा से लेकर, मंदिरों में पवित्र अनुष्ठान, भद्राचलम, पंचवटी, चित्रकूट और अयोध्या की लाइव आरती का आनंद दर्शक उठा पाएंगे। इसके अलावा भक्ति भजन, कैलाश खेर और मालिनी अवस्थी सहित मशहूर कलाकारों द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित होंगी।

प्रोजेक्ट को लेकर क्या कहा अमिताभ ने?

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अमिताभ बच्चन ने आभार जताया। बिग बी ने कहा, ऐसे पवित्र अवसर का हिस्सा बनना बड़ा सम्मान है। रामनवमी एक त्योहार से कहीं बढ़कर है। यह भगवान राम द्वारा बताए गए धर्म, भक्ति और धार्मिकता के आदर्शों को अपनाने का समय है। ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव देने का यह एक प्रयास है।

रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट टली

साउथ अभिनेता और मास महाराजा रवि तेजा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म मास जतारा का दमदार टीजर जारी किया गया था, जिसमें रवि पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आए। वहीं अब यह जानकारी आई है कि इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं।

साउथ अभिनेता रवि तेजा इन दिनों अपनी फिल्म मास जतारा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पुष्पा फेम अभिनेत्री श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म को भानु बोगावरापु द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। 123 डॉट कॉम के अनुसार, रवि तेजा की मास जतारा को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार फिल्म को अब 9 मई, 2025 की जगह जुलाई की किसी तारीख को रिलीज किया जाएगा।

क्यों रिलीज डेट में हुए बदलाब पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज डेट और रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट एक ही दिन होने के कारण ही इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। यानी की अब रवि तेजा की फिल्म के लिए फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि अब फिल्म मई की जगह जुलाई मे रिलीज होगी।

रिलीज की तारीख

रवि तेजा की मास जतारा की नई रिलीज डेट की जानकारी की घोषणा जल्द की जाएगी। फिल्म का संगीत भीम्स सेसिरोलेओ ने तैयार किया है। इस फिल्म को नागा वामसी और साई सौजन्या ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन भानु भोगवरपु कर रहे हैं।

चंकी पांडे को बेटी अनन्या पांडे पर है गर्व

हाल ही में हुए आईपीएल मैच की ओपनिंग सेरेमनी में अनन्या पांडे ने दमदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया, जिसे लेकर अब बॉलीवुड अभिनेता और अनन्या के पिता चंकी पांडे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है और साथ ही अपनी बेटी के लिए एक भावुक नोट भी लिखा है। हाल ही में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुंबई में आईपीएल मैच हुआ। मैच की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री और चंकी पांडे की बेटी अनन्या ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से वहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। अनन्या की इस परफॉर्मेंस के बाद उनके पिता चंकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी खुशी जाहिर की है।

चंकी का इंस्टाग्राम पोस्ट

चंकी पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की कई तस्वीरों को मिलाकर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें आईपीएल के दौरान अनन्या की कई शानदार तस्वीरें नजर आईं। इस खास वीडियो के साथ चंकी ने कैप्शन में लिखा, ढ्ढक्कहमेशा ही सेलिब्रेशन से भरा रहा है। मुझे तुम पर गर्व है अनन्या पांडे। सेलेब्स ने भी चंकी की इस पोस्ट पर दी अपनी प्रतिक्रिया - चंकी पांडे ने जैसे ही अनन्या के साथ अपनी इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर किया, वैसे ही कई बॉलीवुड सेलेब्स के कमेंट की बारिश होने लगी। चंकी की इस पोस्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी बनाकर अपना प्यार जताया। वहीं चंकी की इस पोस्ट पर उर्मिला मातोंडकर ने फायर और स्माइल हार्ट इमोजी बनाई है। इन दोनों के अलावा अनन्या की मां और चंकी की पत्नी भावना पांडे ने अपनी बेटी के इस गर्व भरे पोस्ट पर दो दिल वाले इमोजी बनाए हैं। इन सभी के अलावा द फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स सीरीज की अभिनेत्री महिप कपूर और सीमा सच्देह ने भी लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

साभार एजेंसी

ट्रंप प्रशासन को बेसहारा प्रवासी बच्चों को कानूनी सहायता बहाल करने का आदेश

» सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को मंगलवार को आदेश दिया कि वह उन हजारों प्रवासी बच्चों को अस्थाई रूप से कानूनी सहायता बहाल करे, जो बिना माता-पिता या अभिभावक के अमेरिका में रह रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाले प्रशासन ने 21 मार्च को अकेशिया सेंटर फॉर जस्टिस के साथ एक अनुबंध समाप्त कर दिया, जो उन कानूनी सहायता समूहों के एक नेटवर्क के माध्यम से 18 साल से कम उम्र के बेसहारा प्रवासी बच्चों को कानूनी सेवाएं प्रदान करता था, जिनका केंद्र के साथ उप-अनुबंध है। ऐसे 11 उप-अनुबंधकर्ता समूहों ने मुकदमा दायर किया, जिसमें कहा गया कि 26,000 बच्चों को अपने वकीलों को खोने का खतरा है। अकेशिया इसमें वादी नहीं है। उन समूहों ने दलील दी है कि 2008 के तस्करी विरोधी कानून के तहत बेसहारा बच्चों को कानूनी सलाह प्रदान करना सरकार का दायित्व है।

सैन फ्रांसिस्को की यूएस डिस्ट्रिक्ट जज अरसेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने मंगलवार देर रात एक अस्थाई स्थगन आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं ने इस बारे में वैध सवाल उठाए हैं कि क्या प्रशासन ने 2008 के कानून का उल्लंघन किया है, जिससे मामले के जारी रहने तक यथास्थिति पर लौटने की आवश्यकता है। यह आदेश बुधवार से लागू होगा और 16 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। न्यायमूर्ति मार्टिनेज-ओल्गुइन ने कहा, न्यायालय ने यह भी पाया है कि बेसहारा बच्चों को कानूनी प्रतिनिधित्व के लिए निरंतर वित्त पोषण आव्रजन प्रणाली के भीतर पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन के आव्रजन विरोधी अभियान के लिए

एक सप्ताह से भी कम समय में तीसरा कानूनी झटका है। शुक्रवार को बोस्टन में एक संघीय न्यायाधीश ने कहा कि अंतिम निर्वासन आदेश वाले व्यक्तियों को अपने देश के अलावा किसी अन्य देश में भेजे जाने के खिलाफ अपना पक्ष रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए। वहीं, सोमवार को सैन फ्रांसिस्को में एक अन्य संघीय न्यायाधीश ने हजारों वेनेजुएला वासियों के लिए सुरक्षा समाप्त करने की योजना पर रोक लगा दी थी, जिनमें 350,000 ऐसे लोग शामिल हैं, जिनके आवास की वैधानिक स्थिति सात अप्रैल को समाप्त होने वाली थी।

ट्रंप प्रशासन ने प्रिंस्टन विश्वविद्यालय में दर्जनों शोध अनुदान रोके

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने प्रिंस्टन विश्वविद्यालय में दर्जनों शोध अनुदानों को रोक दिया है, जो कि आइवी लीग में शामिल नवीनतम स्कूल है, जिससेविश्वविद्यालय को मिलने वाली संघीय वित्तीय मदद पर खतरा उत्पन्न हो गया है।आइवी लीग स्कूल पूर्वोत्तर अमेरिका में आठ प्रतिष्ठित, निजी अनुसंधान विश्वविद्यालयों का एक समूह है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष क्रिस्टोफर ईसग्रुबर द्वारा मंगलवार को भेजे गए परिसर संदेश के अनुसार, प्रिंस्टन को इस सप्ताह सूचित किया गया कि ऊर्जा विभाग, नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) और रक्षा विभाग सहित एजेंसियों द्वारा कई संघीय अनुदानों को निलंबित किया जा रहा है। ईसग्रुबर ने कहा कि तर्क पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि प्रिंस्टन कानून का पालन करेगा। यह स्कूल पिछले साल फलस्तीनी समर्थक विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुर्खियों में आया था और यहूदी विरोधी भावना को लेकर संघीय जांच का सामना कर रहे कई स्कूलों में से एक है। ईसग्रुबर ने लिखा, हम यहूदी विरोधी भावना और सभी प्रकार के भेदभाव से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा हम यहूदी विरोधी भावना से लड़ने में सरकार के साथ सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा, प्रिंस्टन इस विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता और उचित प्रक्रिया अधिकारों की भी दृढ़ता से रक्षा करेगा। अनुदान रोके जाने के संबंध में कोलंबिया विश्वविद्यालय को सबसे पहले निशाना बनाया गया था, जिसके कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय संघीय धन से मिलने वाले 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर से वंचित हो गया था।

नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत के तौर पर मैट व्हिटेकर के नाम पर मुहर

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के लिए अमेरिकी राजदूत के रूप में मैट व्हिटेकर के नाम पर मंगलवार देर रात मुहर लगाई। व्हिटेकर ने ट्रंप के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवाएं दीं थीं। उन्हें कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में लंबा अनुभव है। नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान व्हिटेकर ने सांसदों से कहा कि सैन्य गठबंधन के लिए ट्रंप प्रशासन की प्रतिबद्धता अटूट है। ट्रंप अनेक बार नाटो के प्रतिकूल विचार व्यक्त कर चुके हैं। नाटो को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और अन्य देशों ने तत्कालीन सोवियत संघ से संभावित खतरे को रोकने के लिए बनाया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए मैट व्हिटेकर के नाम की सिफारिश की थी और एक बयान में कहा था कि व्हिटेकर एक शक्तिशाली योद्धा और बड़े देशभक्त हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के हितों की अनदेखी नहीं हो और उनकी रक्षा हो।

आज दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचेंगे

प्रधानमंत्री मोदी थाईलैंड का दौरा करेंगे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

» बैंकॉक, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचेंगे। इस दौरान वह थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ वार्ता करेंगे और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। मोदी का थाईलैंड में भारतीय समुदाय द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। वह गवर्नमेंट हाउस में शिनावात्रा से मिलेंगे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बृहस्पतिवार की शाम को प्रधानमंत्री मोदी समुद्री सहयोग पर समझौते के लिए बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) नेताओं के साथ शामिल होंगे। इस सम्मेलन में थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमा और भूटान के नेता शिरकत करेंगे। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी की भेंट नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस सहित अन्य नेताओं से होगी।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि म्यांमा के सैन्य जुंटा नेता मिन आंग ह्लाइंग शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं। म्यांमा में पिछले सप्ताह आए भीषण भूकंप से देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले और अन्य हिस्सों में भीषण तबाही हुई। यह 2018 में नेपाल के काठमांडू में चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद बिम्सटेक नेताओं की प्रत्यक्ष रूप से पहली बैठक होगी। पिछला शिखर सम्मेलन मार्च 2022 में कोलंबो में वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित किया गया था। मोदी शुक्रवार को थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न (जिन्हें राम दसवें के नाम से भी जाना जाता है) और रानी सुथिदा से भी मुलाकात करेंगे। मोदी और थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा वाट फो का दौरा करेंगे जो थाईलैंड के शीर्ष छह मंदिरों में से एक है। यह जगह लेटे हुए बुद्ध की विशाल प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। लेटे हुए बुद्ध की विशाल प्रतिमा के अलावा, यह मंदिर अपने चारों ओर मौजूद बुद्ध की असंख्य प्रतिमाओं के लिए भी प्रसिद्ध है। यह थाईलैंड में सार्वजनिक शिक्षा के लिए पहला केंद्र था, जहां विज्ञान, धर्म और साहित्य के पाठ्यक्रम उपलब्ध थे। प्रधानमंत्री शुक्रवार सुबह बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां समूह द्वारा बैंकॉक विजन 2030 को स्वीकार किए जाने की संभावना है।

सिंगापुर एयरलाइंस की उड़ान में चालक दल सदस्य से छेड़छाड़ के मामले में भारतीय को नौ माह की जेल

» सिंगापुर, भाषा।

अमेरिका से सिंगापुर आ रही सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की उड़ान में चालक दल की चार महिला सदस्यों के साथ छेड़छाड़ करने के दोषी 73 वर्षीय भारतीय नागरिक को बुधवार को नौ महीने कारवास की सजा सुनाई गई। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। द स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के मुताबिक बालसुब्रमण्यम रमेश ने छेड़छाड़ के चार मामलों में दोष स्वीकार किया, जबकि एक पीड़िता से संबंधित तीन अतिरिक्त आरोपों पर विचार किया गया।

जिसके साथ उसने 18 नवंबर, 2024 की उड़ान के दौरान चार अलग-अलग मौकों पर छेड़छाड़ की थी। खबर के मुताबिक भारत में एक बैंक के भूतपूर्व प्रबंधक को बेंत लगाने की सजा नहीं दी जा सकती थी क्योंकि उसकी उम्र 50 वर्ष से अधिक है। सिंगापुर के कानून के तहत छेड़छाड़ के प्रत्एक मामले में अपराधी को तीन साल तक कारावास, जुर्माना या बेंत लगाने की सजा दी जा सकती है। खबर के मुताबिक बालसुब्रमण्यम ने सैन फ्रांसिस्को से सिंगापुर की 14 घंटे की उड़ान के दौरान चार महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की।

सिंगापुर में आंतरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत दो किशोरों को हिरासत में लिया गया

सिंगापुर। सिंगापुर ने आंतरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत दो किशोरों को हिरासत में लिया है। इनमें 15 वर्षीय लड़की को इस्लामिक स्टेट (आईएस) का समर्थक होने के कारण तथा 17 वर्षीय लड़के को ईस्ट एशियन सुपरमेसिस्ट का समर्थक होने तथा दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधाराओं से जुड़े होने के कारण पकड़ा गया है। आंतरिक सुरक्षा विभाग (आईएसडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, लड़की ऐसी पहली महिला और दूसरी सबसे कम उम्र की किशोरी है जिसके खिलाफ आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (आईएसए) के तहत प्रतिबंध आदेश लगाए जाएंगे। हिरासत में लिए गए किशोर की पहचान 18 वर्षीय निक ली जिंग किउ के ऑनलाइन संपर्क के रूप में की गई है। निक ली जिंग किउ हिंसक दक्षिणपंथी विचारधाराओं के संपर्क में आकर कट्टरपंथी बन गया था और पिछले साल दिसंबर में उसे हिरासत में लिया गया था। आंतरिक सुरक्षा विभाग (आईएसडी) ने कहा कि ली की तरह ही किशोर की पहचान ईस्ट एशियन सुपरमेसिस्ट के रूप में की गई थी और उसने सिंगापुर में कई मस्जिदों पर हमले की साजिश रची थी। सिंगापुर के गृह एवं विधि मंत्री के. षणमुगम ने बुधवार को मस्जिद मारूफ में संवाददाताओं से कहा कि सिंगापुर के लोगों को उग्रवाद और कट्टरपंथ के ऐसे मामलों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है, जहां हिरासत में लिए गए 17 वर्षीय किशोर ने हमला करने की साजिश रची थी।

डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थित सुसन क्रॉफोर्ड ने विस्कॉन्सिन सुप्रीम कोर्ट सीट पर जीत दर्ज की

मेडिसन (अमेरिका)। विस्कॉन्सिन सुप्रीम कोर्ट के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थित उम्मीदवार सुसन क्रॉफोर्ड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवं अरबपति एलन मस्क द्वारा समर्थित उम्मीदवार को हरा कर इस सीट से जीत दर्ज की है। क्रॉफोर्ड की इस जीत से कम से कम तीन वर्षों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थिति को मजबूती मिलेगी। डेन काउंटी की न्यायाधीश सुसन क्रॉफोर्ड ने रिपब्लिकन पार्टी समर्थित ब्रैड शिमेल को हराया। यह विस्कॉन्सिन सुप्रीम कोर्ट का अब तक का सबसे अधिक मतदान वाला चुनाव था। क्राफोर्ड ने यूनियन की ताकत और गर्भपात के अधिकारों की रक्षा के लिए तथा मतदाता पहचान पत्र के विरोध संबंधी कानूनी लड़ाई का नेतृत्व किया था। ट्रंप, मस्क और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेता राज्य के पूर्व अटॉर्नी जनरल शिमेल के समर्थन में थे। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और अरबपति मेगाडोनर जॉर्ज सोरोस सहित डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने क्रॉफोर्ड का समर्थन किया। नवंबर के बाद से देश में हुए पहले बड़े चुनाव को अग्निपरीक्षा के रूप में देखा जा रहा था कि मतदाता ट्रंप के कार्यालय में वापस आने के शुरुआती महीनों और मस्क की भूमिका के बारे में क्या महसूस करते हैं, जिनके सरकारी दक्षता विभाग ने संघीय एजेंसियों को तहस-नहस कर दिया है और हजारों श्रमिकों को नौकरी से निकाल दिया है। मस्क ने रविवार को विस्कॉन्सिन की यात्रा की और शिमेल के लिए एक प्रस्ताव रखा तथा मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से 10 लाख अमेरीकी डॉलर के चेक सौंपे। क्रॉफोर्ड को प्लांड पैरेंटहुड और गर्भपात के अधिकार के अन्य समर्थकों का समर्थन मिला और ऐसे विज्ञापन दिए गए जिनमें प्रक्रिया के प्रति शिमेल के विरोध को उजागर किया गया। उन्होंने मस्क और रिपब्लिकन पार्टी के साथ शिमेल के संबंधों के लिए भी उन पर हमला किया और एक बहस के दौरान मस्क को एलन शिमेल कहकर संबोधित किया। प्लान्ड पैरेंटहुड एक ऐसा संगठन है जो यौन स्वास्थ्य और प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी और सेवाएं प्रदान करता है। यह परिवार नियोजन और जन्म नियंत्रण को भी बढ़ावा देते हैं। शिमेल के अभियान ने क्रॉफोर्ड को अपराध के मामले में कमजोर और डेमोक्रेटिक पार्टी की कठपुतली के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया। क्रॉफोर्ड ने तीन के मुकाबले चार से जीत दर्ज की जिससे सुप्रीम कोर्ट में डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत बना रहेगा, जैसा कि 2023 से होता आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत और नेपाल ने सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए 10 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

» काठमांडू, भाषा।

भारत और नेपाल ने हिमालई देश में अत्याधिक प्रभाव डालने वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए 10 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं के लिए भारत 62.5 करोड़ नेपाली रुपए की मदद करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति क्षेत्रों में विकास के लिए मंगलवार को समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में बताया, इन उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) का निर्माण भारत सरकार की 62.5 करोड़ नेपाली रुपए की वित्तीय सहायता से नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति क्षेत्रों में किया जा रहा है। विज्ञप्ति के मुताबिक इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से नेपाल के लोगों को बेहतर शैक्षिक, स्वास्थ्य देखभाल और सांस्कृतिक सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं में तीन विद्यालयों, एक मठ, एक विद्यालय में एक ई-लाइब्रेरी तथा दो स्वास्थ्य केन्द्र भवनों का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही, भारत ने 2003 से अब तक नेपाल में 573 से अधिक एचआईसीडीपी परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें से 495 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

टॉप गन , बैटमैन के अभिनेता वैल किल्मर का निधन

» लॉस एंजिलिस, भाषा।

टॉप गन में आईसमैन का किरदार निभाकर दर्शकों के चहेते बने अभिनेता वैल किल्मर का निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। अभिनेता ने बैटमैन फॉरएवर में बैटमैन का किरदार निभाया था और द डोर्स में उन्होंने जिम मॉरिसन के किरदार को जीवंत किया था। किल्मर की बेटी मर्सिडीज किल्मर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को एक ईमेल में बताया कि मंगलवार रात लॉस एंजिलिस में उनका निधन हुआ। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य उनके साथ थे। किल्मर निमोनिया से पीड़ित थे।

2014 में गले के कैंसर के निदान के बाद वह ठीक हो गए थे। उन्होंने 1984 में जासूसी फिल्म टॉप सीक्रेट से शुरुआत की, उसके बाद 1985 में हास्य फिल्म रियल जीनियस में काम किया। बाद में किल्मर ने मैकग्रुबर और किस किस बैंग बैंग जैसी फिल्मों में फिर से अपनी कॉमेडी का जलवा दिखाया। 1990 के दशक के आरंभ में उनका फिल्मी करियर अपने शिखर पर था और उन्होंने एक आकर्षक नायक के रूप में अपनी पहचान बनाई।

इजराइल गाजा में बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करने के उद्देश्य से अभियान का विस्तार कर रहा : रक्षा मंत्री

» यरूशलम , भाषा।

गाजा पट्टी में बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करने के उद्देश्य से इजराइल अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। रक्षा मंत्री ने बुधवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री इजराइल कात्ज ने बुधवार को एक लिखित बयान में कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल अपने सैन्य अभियान का उग्रवादियों को खदेड़ने के उद्देश्य से विस्तार कर रहा है। इजराइल सरकार ने लंबे समय से गाजा के अंदर सुरक्षा बाड़ के साथ एक बफर जोन बनाए रखा है और 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इसका काफी विस्तार किया है। इजराइल का कहना है कि बफर जोन उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है।

जबकि फलस्तीनियों का मानना है कि यह एक भूमि हड़पने जैसा कृत्य है जो संकीर्ण

तटीय क्षेत्र को और छोटा कर देता है। कात्ज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि विस्तारित अभियान में गाजा के किन क्षेत्रों पर कब्जा किया जाएगा।

उनका यह बयान तब आया जब इजराइल ने दक्षिणी शहर राफा और आस-पास के इलाकों को पूरी तरह से खाली करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल का लक्ष्य हमास को कुचलने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद गाजा पट्टी पर खुला, लेकिन अनिर्दिष्ट सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखना है। मंत्री ने गाजा के निवासियों से हमास को खदेड़ने और सभी बंधकों को वापस करने का आह्वान किया। विद्रोही समूह ने अभी भी 59 लोगों को बंधक बनाए रखा है, जिनमें से 24 के अभी भी जीवित होने का अनुमान है, जबकि बाकी लोगों को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया है। कात्ज ने कहा, युद्ध समाप्त करने का यही एकमात्र तरीका है।

यमन में होदेदा के निकट संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत

दुबई। यमन के विद्रोही-नियंत्रित क्षेत्रों में बुधवार को संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में चार लोग मारे गए। ये हमले लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेदा पर किए गए। हूती विद्रोहियों की ओर से जारी बयान के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में दौरान हवाई हमले तेज हुए हैं और इनमें कम से कम 65 लोग मारे गए हैं। हालांकि अभी तक अभियान और उसके लक्ष्यों के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को हमलों की कुल संख्या 200 से अधिक बताई है। लेविट ने कहा, इन हमलों के परिणामस्वरूप ईरान अविश्वसनीय रूप से कमजोर हो गया है और हमने देखा है कि उन्होंने हूती नेताओं को मार गिराया है। लेबिट ने कहा, उन्होंने उन सदस्यों को मार गिराया है जो नौसेना के जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर रहे थे और यह अभियान तब तक नहीं रुकेगा जब तक इस क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल नहीं हो जाती। कथित तौर पर घातक हमला रात को होदेदा को निशाना बनाकर किया गया।

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

» ताइपे, भाषा।

चीनी सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी ई के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका उद्देश्य ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर चेतावनी देना था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है।

हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं। कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है। वहीं चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी एक खबर में कहा कि ईस्टर्न थिएटर कमान ने ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में जलक्षेत्र में व्यापक अभ्यास किया। कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करने और बहु-दिशात्मक सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

नेपीता शहर में बचाव कार्य तुर्किए और स्थानीय टीम द्वारा किया गया

म्यांमा की राजधानी में भूकंप के बाद मलबे में फंसे व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला गया

» बैंकॉक, भाषा।

म्यांमा में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे बचाव दल ने बुधवार सुबह राजधानी नेपीता के उस होटल के मलबे से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला, जहां वह काम करता था। हालांकि, देश में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ने की ही आशंका है क्योंकि भूकंप के पांच दिन बाद भी अधिकतर बचाव दल को केवल शव ही मिल रहे हैं। मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक एंडिस्कोपिक कैमरे का उपयोग किया गया था।

व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति

भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था। सरकारी एमआरटीवी ने बताया कि नेपीता शहर में बचाव कार्य तुर्किए और स्थानीय टीम द्वारा किया गया और इसमें नौ घंटे से अधिक का समय लगा। म्यांमा में शुक्रवार दोपहर को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके कारण हजारों इमारतें ढह गईं, पुल ध्वस्त हो गए और सडकें उखड़ गईं। अब तक 2,719 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,521 लोग घायल हुए हैं, लेकिन स्थानीय खबरों में यह आंकड़ा कहीं अधिक बताया जा रहा है।

भूकंप प्रभावित म्यांमा में चीनी रेड क्रॉस के काफिले पर हमले का दावा

बैंकाक। म्यांमा में सेना से लड़ रहे थ्री ब्रदरहुड अलायंस से जुड़े एक विपक्षी मिलीशिया ने दावा किया कि सेना ने मंगलवार देर रात चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के एक राहत काफिले पर गोलीबारी की। काफिले में मांडले शहर के लिए राहत सामग्री ले जाई जा रही थी, जहां गत शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और हजारों इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, पुल ढह गए थे और सड़कें उखड़ गई थीं। सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी के अनुसार, अब तक म्यांमा में 2,886 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,639 अन्य घायल हुए हैं, लेकिन स्थानीय मीडिया ने हताहतों की संख्या अधिक संख्या बताई है। थ्री ब्रदरहुड अलायंस ने मानवीय सहायता को सुगम बनाने के वास्ते मंगलवार को एकतरफा एक महीने के संघर्षविराम की घोषणा की थी। हालांकि भूकंप के बाद से हमले जारी हैं। हाल ही में, ब्रदरहुड अलायंस से संबंधित एक विपक्षी विद्रोही ने बताया कि सेना ने मंगलवार देर रात शान प्रांत के उत्तरी हिस्से में ओह्न मा टी गांव के पास एक सड़क पर चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के राहत काफिले पर गोलीबारी की। तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने कहा कि चीनी रेड क्रॉस मांडले के लिए राहत सामग्री ले जा रहा था और उसने सेना को अपने मार्ग की जानकारी दी थी। सैन्य शासन के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन तुन ने सरकारी एमआरटीवी को हालांकि बताया कि काफिले ने समय से पहले अपने मार्ग के बारे में अधिकारियों को सूचित नहीं किया था। उन्होंने रेड क्रॉस का उल्लेख किए बिना कहा कि सुरक्षा बलों ने एक काफिले को रोकने के लिए हवा में गोलियां चलाईं, जो ओह्न मा टी गांव के पास नहीं रुका। चीन के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन कहा कि चीन की रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा म्यांमा को प्रदान की गई राहत सामग्री पड़ोसी देश पहुंच गई है।

भारतीय तटरक्षक बल के पूर्व अधिकारी चाफेकर को रीकैप आईएससी का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया

» सिंगापुर्र , भाषा।

भारतीय तटरक्षक बल के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक विजय डी. चाफेकर को सिंगापुर में समुद्री लुटेरों और सशस्त्र डकैती से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग समझौता (रीकैप) सूचना साझाकरण केंद्र का 7वां कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया गया है। संगठन ने बुधवार को यह जानकारी दी। रीकैप एशिया में पोतों को निशाना बनाने वाले समुद्री लुटेरों और जहाजों के खिलाफ सशस्त्र डकैती के विरुद्ध सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी पहल है। भारत, अमेरिका, श्रीलंका और जापान सहित 21 देशों ने रीकैप समझौते की पुष्टि की है। रीकैप सूचना साझाकरण केंद्र (आईएससी) समुद्री लुटेरों से संबंधित जानकारी के प्रसार को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पहल है।

केंद्र ने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक चाफेकर रीकैप आईएससी के सातवें कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल हुए हैं। चाफेकर को 37 वर्षों का समुद्री अनुभव है और उन्होंने एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2028 तक तीन साल के कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण किया। वह

कृष्णस्वामी नटराजन का स्थान लेंगे, जिन्होंने 31 मार्च को रीकैप आईएससी के छठे ईडी के रूप में अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया। ईडी के रूप में अपनी नियुक्ति पर चाफेकर ने कहा, रीकैप आईएससी ने सूचना साझाकरण, क्षमता निर्माण और सहकारी व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावी प्रतिक्रिया को सक्षम करके एशिया में समुद्री लुटेरों की घटनाओं को कम करने में मदद करने में एक लंबा सफर तय किया है। हमें गति को बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि समुद्री व्यापार के लिए समुद्री लुटेरों और सशस्त्र डकैती के खतरे को रोका जा सके।